@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 30 मई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 199 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ऑल इंडिया सिख कांफ्रेंस बब्बर ने प्रधानमंत्री को विशेष पत्र भेजा

श्री नरेंद्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार
साउथ ब्लॉक, राइसीना हिल
नई दिल्ली

विषय: ऑपरेशन ब्लू स्टार पर सरकार की स्थिति स्पष्ट करने और सिख समुदाय की पीड़ा को संबोधित करने हेतु विनम्र अनुरोध

माननीय प्रधानमंत्री जी,
सादर प्रणाम।

मैं अखिल भारतीय सिख कॉन्फ्रेंस (बब्बर) की ओर से तथा समस्त सिख समुदाय की भावनाओं को अभिव्यक्त करते हुए आपको यह पत्र लिख रहा हूँ। जून 1984 के पहले सप्ताह में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा किए गए ऑपरेशन ब्लू स्टार की पीड़ा आज भी सिख समाज में गहराई से व्याप्त है। श्री दरबार साहिब (स्वर्ण मंदिर) तथा श्री अकाल तख्त साहिब, जो सिख धर्म के सर्वोच्च और पवित्रतम तीर्थस्थल हैं, पर सेना की कार्रवाई ने समस्त सिख समाज को अत्यंत आहत किया था। यह केवल एक सैन्य ऑपरेशन नहीं था, बल्कि करोड़ों सिखों की आस्था और आत्मा पर गहरा आघात था। यह आम धारणा है कि यह निर्णय राजनैतिक लाभ प्राप्त करने और सत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया था। आज भी कुछ गंभीर प्रश्न अनुत्तरित हैं:-

जब कई शांतिपूर्ण विकल्प उपलब्ध थे, तो सेना की कार्रवाई क्यों की गई?

कांग्रेस पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने श्रीमती इंदिरा गांधी को इस अत्यंत गलत निर्णय से रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?

क्या सिख समाज की भावनाओं को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया?

माननीय प्रधानमंत्री जी, हम आपसे निवेदन करते हैं कि आप साहसिक और दूरदर्शी कदम उठाएं तथा प्रमुख सिख नेताओं और संस्थाओं के साथ संवाद स्थापित करें ताकि:-

1. सरकार की वर्तमान स्थिति को ऑपरेशन ब्लू स्टार के संबंध में स्पष्ट किया जा सके।
2. सिख समाज और समस्त देश को यह बताया जा सके कि जून 1984 में यह कदम क्यों उठाया गया था, उस समय की परिस्थितियाँ क्या थीं और विकल्प क्या थे।
3. सिख समुदाय के साथ हुई पीड़ा और अन्याय को संवेदनशीलता से स्वीकार किया जा सके और सांत्वना के रूप में कोई ठोस कदम उठाया जा सके।

माननीय प्रधानमंत्री जी, यह समय है सच्चाई, न्याय और मेल-मिलाप का। देश की एकता, भाईचारा और धार्मिक सम्मान को बनाए रखने के लिए आपके नेतृत्व से बड़ी उम्मीदें हैं।

आपके उत्तर की प्रतीक्षा में,
आपका शुभचिंतक,
गुरचरण सिंह बब्बर
अध्यक्ष
ऑल इंडिया सिख कॉन्फ्रेंस (बब्बर)
5, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, प्रेस एरिया, आईटीओ, नई दिल्ली-110002
मोबाइल: 9971359517

आतंकियों को सौंपे और पीओके खाली करे: रणधीर जायसवाल

नई दिल्ली, 29 मई। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर चले संघर्ष के दौरान भारत ने अपना पक्ष साफ कर दिया है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते हैं। वहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, जहां तक पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का सवाल है, हमारा रुख स्पष्ट है। सिर्फ दो पक्षों के ही बीच बातचीत होगी। हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्हें भारत को उन कुख्यात आतंकवादियों को सौंपना होगा, जिनके रिकॉर्ड और सूची हमने कुछ साल पहले उन्हें सौंपी थी। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा, जम्मू-कश्मीर पर बातचीत तभी होगी जब पीओके खाली हो जाएगा और पाकिस्तान हमें वह इलाका सौंप देगा। इसके साथ ही सिंधु जल संधि पर भी भारत का सख्त रुख रखतने हुए उन्होंने कहा- जहां तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात को दोहराते हुए कहा, आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। आतंक और व्यापार भी एक साथ नहीं हो सकते। और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। एक अलग विषय पर बोलते हुए जायसवाल ने बताया कि ईरान के तेहरान शहर में तीन भारतीय नागरिक लापता हो गए हैं। उन्होंने कहा, तीनों भारतीय नागरिक कुछ समय पहले तेहरान पहुंचे थे, लेकिन अब उनका कोई पता नहीं चल पा रहा है। हम ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं और वे हमारी सहायता कर रहे हैं।

भारत के कृषि क्षेत्र को और अधिक आधुनिक बनाने पर पीएम मोदी का जोर

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 29 मई। केंद्र की मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार और विकास को बढ़ावा देने के लिए आज से देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया है। इस अभियान के शुभारंभ के मौके पर पीएम मोदी ने भारत के कृषि क्षेत्र को और अधिक आधुनिक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी को शामिल करने के लिए इस अभियान के तहत हमारे वैज्ञानिकों की टीम लैब टू लैंड अभियान को आगे बढ़ा रही है। विकसित कृषि संकल्प अभियान के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अब बाजार बदल रहे हैं, ऐसे में ग्राहकों की प्राथमिकताएं भी बदल रही हैं। इसलिए हमारा प्रयास है कि किसानों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर कृषि प्रणालियों में बदलाव लाया जाए और किसानों के साथ चर्चा की जाए कि भारत की कृषि और अधिक आधुनिक कैसे बने। इसलिए इस अभियान के तहत हमारे वैज्ञानिकों की टीम लैब टू लैंड अभियान को आगे बढ़ा रही है। इस मौके पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते दशकों में हमारे कृषि वैज्ञानिकों ने कई क्षेत्रों में अच्छे शोध किए हैं, बेहतर नतीजे दिए हैं। वहीं दूसरी ओर देश के प्रगतिशील किसान भी अपने प्रयोगों से कृषि क्षेत्र में बड़े बदलाव लाए हैं। उन्होंने उत्पादन को बढ़ाया है और सफल प्रयोग किए हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों के सफल शोध और प्रगतिशील किसानों के सफल प्रयोगों की जानकारी सभी किसानों तक पहुंचना बहुत जरूरी है। इस दिशा में आप सभी शुरू से ही प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब इसे नए जोश के साथ करने की जरूरत है। विकसित कृषि संकल्प अभियान से आपको इसके लिए भरपूर अवसर मिलेंगे। गौरतलब है कि केंद्र

सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार और विकास को बढ़ावा देने के लिए आज से देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया है। इसके जरिये किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक तरीके से खेती और सतत विकास की दिशा में प्रेरित किया जाएगा। इससे किसानों को फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अभियान की शुरुआत ओडिशा से की गई। कृषि मंत्री ने इस अभियान की औपचारिक शुरुआत ओडिशा के पुरी से की। एक पखवाड़े तक चलने वाले इस अभियान के दौरान चौहान 20 राज्यों में प्रवास करेंगे। केंद्रीय मंत्री अभियान के दौरान 12 जून तक जम्मू, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, असम, मेघालय, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली और छत्तीसगढ़ में किसानों व वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करने के लिए उनसे सीधा संवाद करेंगे।

ਪੰਚਮ ਪਾਤਸ਼ਾਹ
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜਨ ਦੇਵ ਮਹਾਰਾਜ ਜੀ ਦੀ
ਸ਼ਹਾਦਤ ਨੂੰ ਕੋਟਿ ਕੋਟਿ ਨਮਨ।

मांग के सिंदूर को ढाल बनाना चाहती है मोदी सरकार: रागिनी नायक

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 29 मई। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि वह मांग के सिंदूर को ढाल बनाना चाहती है। कांग्रेस नेता डॉ. रागिनी नायक ने घर-घर सिंदूर वितरण पर भी सवाल उठाया है। गुरुवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता में डॉ. नायक ने कहा, देखिए, सिंदूर प्रतीक है सुहाग का, सम्मान का, सौभाग्य का। सिंदूर प्रतीक है प्रेम के बंधन का, विश्वास के राग का। सिंदूर प्रतीक है सुख-दुख के मेल का, सात जन्मों के साथ का, सिंदूर प्रतीक है बुरी नजर को भस्म करने वाली एक चुटकी आग का। वो सिंदूर जो ब्याहता स्त्री की मांग को सजाता है, जो सुहाग की रक्षा के काम आता है, जो भारत की नारी शक्ति की शान है, आन है और बान है। अब मोदी सरकार उसी सिंदूर का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार, सस्ती, ओछी और निम्न स्तरीय सियासत के लिए मांग के सिंदूर का इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस नेता डॉ. रागिनी नायक ने कहा, ये बहुत शर्म की बात है कि

अपनी राजनीतिक विफलता, कूटनीतिक विफलता और सामयिक विफलता को छिपाने के लिए अब मोदी सरकार मांग के सिंदूर को ढाल बनाना चाहती है। सेना के पराक्रम का श्रेय, सेना की बहादुरी का श्रेय, सेना की वीरता का श्रेय बटोरने के लिए आखिरकार मोदी सरकार किस हद तक नीचे जाएगी। ट्रेन की टिकट पर ऑपरेशन सिंदूर के साथ मोदी जी की फोटो लग रही है। तमाम बड़े-बड़े होर्डिंग में, पोस्टर में, बैनर, हर पेट्रोल पंप, देश के हर प्रांत, हर जिले, हर नुक्कड़, हर गली, हर मोहल्ले में ऐसे फोटो लगाए जा रहे हैं। ऐसी जगहों पर विंग कमांडर व्योमिका सिंह की फोटो नहीं है, इसमें कर्नल सोफिया कुरैशी की भी तस्वीर नहीं है, इसमें हमारी जल, थल, वायु सेना के चीफ की भी फोटो नहीं है, केवल नरेंद्र मोदी जी की फोटो है। यह सब करके मोदी जी का मन नहीं भरा तो अब कह रहे हैं कि मैं घर-घर जाकर सिंदूर वितरण कार्यक्रम करने वाला हूं। कांग्रेस नेता ने मोदी सरकार से सिंदूर वितरण कार्यक्रम को लेकर तीन सवाल पूछे हैं। पराए आदमियों द्वारा दिया गया यह सरकारी सिंदूर, किसके काम आएगा और किस लिए काम आएगा। क्या भाजपा और आरएसएस यह बात नहीं जानते हैं

रामदास अठावले ने कांग्रेस पर बोला हमला

मुंबई, 29 मई। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने गुरुवार को कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान किसी सर्जिकल स्ट्राइक की जानकारी उन्हें नहीं है और ऐसी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर जरूरी था। पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन बंद कर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत को सौंप देना चाहिए। बता दें कि रामदास अठावले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए गठबंधन का हिस्सा रही है, लेकिन अब वह भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा हैं। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए अठावले ने कहा, इससे पहले भी एक सर्जिकल स्ट्राइक मोदी सरकार के कार्यकाल में ही हुई थी। कांग्रेस नेता यह कह रहे हैं कि मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भी सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी, लेकिन मेरे पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है। मैं उस समय कांग्रेस के साथ था और यूपीए का हिस्सा था, मुझे ऐसी किसी सर्जिकल स्ट्राइक की जानकारी नहीं है। सामाजिक न्याय राज्यमंत्री ने कहा, पूरी दुनिया जानती है कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे कदम जरूरी थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सर्जिकल स्ट्राइक को राजनीतिक मुद्दा बनाने के आरोपों को उन्होंने खारिज कर दिया।उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए ज़रूरी था।

पाकिस्तान में तूफान से छह लोगों की मौत, कहीं घर गिरे, कहीं आसमानी बिजली से आफत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 24 घंटे पहले आए शक्तिशाली तूफान से हुई तबाही का मंजर रफ्ता-रफ्ता सामने आने लगा है। इस तूफान से दो प्रांतों खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब में जान-माल की भारी क्षति हुई है। इस दौरान राजधानी इस्लामाबाद में लोगों को तेज हवा का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज टीवी चैनल की खबर के अनुसार, मुल्क के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब के कई इलाकों में शक्तिशाली तूफान आया। इससे कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। स्वाबी के मनकी गांव में तेज हवा के कारण चारदीवारी और छत गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसकी मां और भाई घायल हो गए। जियारत चाम बाबा में एक शेड की छत गिर जाने से एक महिला और उसका बेटा मलबे में फंस जाने से घायल हो गए।इसके अलावा शांगला के बिशाम में एक घर पर आसमानी बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य बेहोश हो गए। नौशेरा के रहीमाबाद इलाके में दीवार गिरने से एक युवक घायल हो गया। पेशावर में इस दौरान हुई बारिश से बचने के लिए भाग सात लोग गिरकर घायल हो गए। इस दौरान हयातबाद स्टेडियम के पास एक बिलबोर्ड से कार टकरा गई।

नेपाल और चीन की सेना के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी

काठमांडू। नेपाल और चीन के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी की जा रही है। इसके लिए चीन की जनमुक्ति सेना का एक प्रतिनिधिमंडल नेपाल आया है। इस वर्ष यह संयुक्त सैन्य अभ्यास नेपाल में ही होना है। चीन की जनमुक्ति सेना के झिंजियांग मिलिट्री कमांड का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार से नेपाली सेना के साथ इस वर्ष होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी के लिए आयोजित सम्मेलन में सहभागी हो रहा है। नेपाल और चीन के बीच सागरमाथा फ्रेंडशीप 2025 नाम से संयुक्त सैन्य अभ्यास होना है। यह दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास का पांचवा संस्करण है। 2017 से शुरू हुआ यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 2019 तक लगातार चला लेकिन कोरोना महामारी की वजह से 2020 से 2023 तक नहीं हो पाया। पिछले वर्ष यह चीन में हुआ था। इस वर्ष यह नेपाल में होना तय हुआ है। इसकी तैयारी को लेकर नेपाली सेना के मुख्यालय में बुधवार से दो दिनों के लिए इनीशियल प्लानिंग कॉन्फ्रेंस हो रही है। इसमें सैन्य अभ्यास के स्थान और तिथि के बारे में निर्णय लिया जाएगा। नेपाली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल गौरव के सी ने बताया कि संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान एंटी टेररिस्ट अभियान का अभ्यास मुख्य रूप से किया जाएगा। इसके अलावा विपद व्यवस्थापन का अभ्यास भी किया जाना तय हुआ है।

अमेरिका-कनाडा सीमा पर पटेल परिवार की मौत मामला, भारतीय मूल के शख्स को अमेरिकी कोर्ट ने सुनाई 10 साल की सजा

न्यूयॉर्क । अमेरिकी अदालत ने मानव तस्करी मामले में भारतीय मूल के मास्टरमाइंड को 10 साल से अधिक की सजा सुनाई है। भारतीय मूल का व्यक्ति हर्षकुमार रमनलाल पटेल (29 वर्षीय) एक मानव तस्करी योजना का मास्टरमाइंड था, और उसके कारण एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई थी। परिवार अवैध तरीके से कनाडा के रास्ते अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। भारतीय मूल के हर्षकुमार रमनलाल पटेल को अमेरिका के मिनेसोटा के संघीय न्यायाधीश जॉन टुनहेम ने दस साल और एक महीने की सजा सुनाई है। इसके अलावा, उसके साथी स्टीव एंथनी शैंड (50 वर्षीय) को छह साल और छह महीने की सजा सुनाई गई है। यह घटना 19 जनवरी, 2022 को हुई थी, जब गुजरात के डिंगुचा के जगदीश बलदेवभाई पटेल (39 वर्षीय), उनकी पत्नी वैशालीबेन जगदीशकुमार पटेल (37 वर्षीय) और उनके बच्चे विहंगी (11 वर्षीय) और धार्मिक (3 वर्षीय) मिनेसोटा की सीमा पर मैनिटोबा प्रांत के पास माइनस 35 डिग्री तापमान को सह नहीं पाए और मर गए थे। वे हर्षकुमार पटेल द्वारा चलाई जा रही योजना के तहत अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। घटना वाले दिन मैनिटोबा प्रांत की सीमा पर स्थित क्षेत्र में तापमान शून्य से 35 डिग्री नीचे था।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की संख्या मात्र 15 प्रतिशत हो : ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्याय पर विदेशी छात्रों की सूची देने का दबाव मनाते हुए कहा है कि ऐसे छात्रों की संख्या 31 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर देना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा है कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की संख्या पर लगभग 15 प्रतिशत की सीमा होनी चाहिए। विश्वविद्याय अपने विदेशी छात्रों की सूची जारी करे जिससे यह पता चल सके कि छात्र कहां से आये हैं और उनकी गतिविधियां क्या हैं। श्री ट्रम्प ने दावा किया कि हार्वर्ड में 31 प्रतिशत छात्र विदेशी हैं और उनमें से कई 'कट्टरपंथी'हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कह,हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्र हैं। करीब 31 प्रतिशत छात्र बाहर के देशों के हैं। हम यह जानना चाहते हैं कि ये छात्र किन-किन देशों के हैं। हमें जानना है कि वे कहां से आते हैं, वे उपद्रवी तो नहीं हैं। क्या वे परेशानी पैदा करने वाले हैं? उन्होंने कहा हार्वर्ड को अपनी सूची दिखानी होगी। हमें जानना होगा कि वे छात्र कहां से आते हैं और क्या वे परेशानी पैदा करने वाले हैं।

हिन्दू राष्ट्र और राजशाही के पक्ष में मनीषा कोइराला का पुनर्जागरण का आह्वान

एजेंसी

काठमांडू। बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने नेपाल में हिन्दू राष्ट्र और संवैधानिक राजतंत्र की आवश्यकता पर जोर देते हुए इसके पुनर्स्थापना के लिए पुनर्जागरण अभियान के लिए आह्वान किया है। राजशाही के पक्ष में आज से शुरू हो रहे अनिश्चितकालीन प्रदर्शन से ठीक पहले मनीषा कोइराला ने कहा कि राजसंस्था दलगत व्यवस्था से ऊपर है। अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने एक लंबा चौड़ा फेसबुक पोस्ट डालते हुए राजतंत्र और हिन्दू राष्ट्र के पक्ष में बयान दिया है। अपनी फेसबुक पोस्ट में लिखते हुए मनीषा कोइराला ने कहा कि संवैधानिक राजतंत्र दलगत व्यवस्था से ऊपर है और यह राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है जो राजनीतिक दल अपने स्वभाव से कभी उस मुकाम तक नहीं पहुंच सकते हैं। कोइराला ने लिखा है कि राजतंत्र

हमारे सनातन धर्म और इतिहास में गहरे रूप से जुड़ा हुआ है। यह एक ऐसा संस्थागत आधार है जो हमारे मौलिक पहचान को दर्शाता है। मनीषा कोइराला ने कहा कि नेपाल को विश्व का एकमात्र शांतिपूर्ण हिन्दू अधिराज्य के रूप में अपनी पहचान को पुनः स्थापित करना पड़ेगा। जहां शासन बल या कट्टरता से नहीं बल्कि आध्यात्मिक मूल्य, सांस्कृतिक निरंतरता और राष्ट्रीय एकता से निर्देशित हो सके। मनीषा ने कहा है कि वर्तमान राजनीतिक प्रणाली में भ्रष्टाचार अपनी जड़े जमा चुका है। ऐसे में हमें एक गैर राजनीतिक संस्था चाहिए जो देश की जनता, हमारे सांस्कृतिक मूल्य मान्यताओं और राष्ट्र की रक्षा के लिए संतुलन और नियंत्रण का काम कर सके। उन्होंने कहा है कि यह विभाजन का नहीं बल्कि राष्ट्रीय पुनर्जागरण का आह्वान है। मनीषा ने लिखा है कि हमें नहीं भूलना चाहिए कि हम केवल एक ऐसा गणतंत्र नहीं जो अनंत राजनीतिक खेलों में उलझा हुआ है बल्कि हम एक गौरवशाली सभ्यता है जिसकी विशिष्ट पहचान है और भविष्य के प्रति पवित्र जिम्मेदारी है।

शहबाज अजरबैजान में सिंधु जल संधि का मुद्दा उठा ताजिकिस्तान रवाना

एजेंसी

बाकू (अजरबैजान)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अजरबैजान की यात्रा समाप्त कर ताजिकिस्तान के लिए रवाना हो गए। उन्होंने अजरबैजान में भारत के साथ दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को स्थगित करने का मुद्दा उठाया। मगर इसे स्थगित क्यों किया इस पर गोलमोल बात की। उन्होंने कहा कि भारत पहलगाम पर हुए आतंकी हमले का दोष पाकिस्तान पर मढ़ रहा है पर उसके साक्ष्य नहीं दे रहा।पाकिस्तान के दुनिया न्यूज अखबार के अनुसार, शहबाज ने अजरबैजान में राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से मुलाकात की। अलीयेव ने त्रिपक्षीय (पाकिस्तान, तुर्किये और अजरबैजान) शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान में 2 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की। इस अवसर पर शहबाज ने अपने हमदर्दों के बीच मासूम बनते हुए कहा कि भारत पाकिस्तान का पानी रोकना चाहता है। इसे कभी नहीं होने दिया जाएगा। सिंधु का पानी पाकिस्तान की जीवन रेखा है। शबहाज

ताजिकिस्तान में दो दिन रुकेंगे। वह वहां के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। व्यापार, ऊर्जा और निवेश पर चर्चा करेंगे। उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

ढाका में सचिवालय कर्मचारियों ने अध्यादेश के विरोध में एक घंटे तक नहीं किया कामकाज

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित सचिवालय के कर्मचारी अंतरिम सरकार के सुलह के दावों को धता बताते हुए आज सुबह 10 से 11 बजे तक कामकाज नहीं किया। यह कर्मचारी पिछले दिनों घोषित किए सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 का विरोध कर रहे हैं। पिछले सप्ताह सचिवालय स्टाफ और अंतरिम सरकार के बीच टकराव की वजह से स्थिति विस्फोटक रही। अंतरिम सरकार को सचिवालय में अर्ध सैन्यबलों की तैनाती करनी पड़ी। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, आज सचिवालय में विभिन्न मंत्रालयों के कर्मचारियों ने सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 के विरोध में एक घंटे तक कामकाज नहीं किया। इस अवधि में बांग्लादेश सचिवालय अधिकारी एवं कर्मचारी एकता मंच के आह्वान पर प्रदर्शन किया गया। मंच ने घोषणा की है कि जब तक अध्यादेश वापस नहीं लिया जाता, तब तक प्रतिदिन एक घंटे तक

कामकाज बंद रखा जाएगा। सचिवालय अधिकारी एवं कर्मचारी एकता मंच के नेता नजरुल इस्लाम ने कहा कि सभी कर्मचारी शांतिपूर्ण विरोध में विश्वास करते हैं। इसीलिए विवादास्पद अध्यादेश को निरस्त करने की मांग करते हुए आज एक घंटे का काम बंद रखा है। यह सिलसिला जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने रविवार शाम लोक सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 जारी कर उसे लागू किया है। इसके मसौदे को अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद ने 22 मई को मंजूरी दी थी। सचिवालय के कर्मचारी पिछले शनिवार से ही अध्यादेश को निरस्त करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। मंच ने कहा कि अगर मांग नहीं मानी गई तो 31 मई से नए सिरे से विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी।

यूक्रेन ने रूस की सिलिकॉन वैली को ड्रोन से बनाया निशाना, मॉस्को में रोके गए विमान

एजेंसी

मॉस्को। यूक्रेन ने रूस में सिलिकॉनी वैली के नाम से मशहूर जेलेनोग्राद शहर और राजधानी मॉस्को के उत्तर में ताबड़तोड़ ड्रोन हमले कर नींद उड़ा दी। यूक्रेन ने सारी रात रूस में ड्रोन से महत्वपूर्ण स्थलों को निशाना बनाने की कोशिश की। रूस के अधिकारियों का दावा है कि इनमें ज्यादातर ड्रोन को मार गिराया गया। द मास्को टाइम्स अखबार के अनुसार यूक्रेन ने जेलेनोग्राद शहर को निशाना बनाने के साथ मॉस्को के उत्तर में एक मशीन-निर्माण संयंत्र पर बड़ा ड्रोन हमला किया। इस दौरान रूस के नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने मॉस्को के डोमोडेडोवो, वनुकोवो और जुकोवस्की हवाई अड्डों से आने-जाने वाली उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने 12 क्षेत्रों और मॉस्को में रात भर में लगभग 300 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि हवाई सुरक्षा प्रणाली ने रात में राजधानी की ओर बढ़ते हुए कम से कम 33 यूक्रेनी ड्रोन को मार

गिराया। राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्र में कम से कम 42 ड्रोन को मार गिराया गया। इस दौरान तीन घर क्षतिग्रस्त हो गए। यूक्रेन के सेंटर फॉर काउंटरिंग डिसइन्फॉर्मेशन के प्रमुख एंड्री कोवलेंको ने दावा किया कि हमलों के लक्ष्यों में डबना मशीन-बिल्डिंग प्लांट और जेलेनोग्राद में इलमा टेक्नोपार्क शामिल थे। रूसी अधिकारियों ने कहा कि जेलेनोग्राड में दुश्मन के ड्रोन को खदेड़ दिया गया। इस बीच, यूक्रेन में रात भर हुए रूसी हमलों में कम से कम 15 लोग घायल हो गए। सनद रहे दोनों देश पिछले दो हफ्तों से एक-दूसरे पर हवाई हमले कर रहे हैं। इस बीच रूस ने कीव पर शांति वार्ता को पटरी से उतारने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

ट्रंप के ट्रैफिक पर ट्रेड कोर्ट के तीन जजों के पैनल ने रोक लगाई, कहा–यह अवैध

एजेंसी

वाशिंगटन। यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के तीन जजों के पैनल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका देते हुए उनके कुछ देशों के खिलाफ लगाए गए अत्यधिक ट्रैफिक को रोक दिया। फैसले में कहा गया कि राष्ट्रपति ने संघीय कानून के तहत इस तरह का टैरिफ जारी करने में अपने अधिकारों का अतिक्रमण किया। यह ट्रैफिक अवैध है। न्यूज की खबर के अनुसार, जजों के पैनल ने यह फैसला सुनाया। इस फैसले ने पिछले महीने लिबरेशन डे पर व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए इस तरह के टैरिफ को रोक दिया है। पैनल ने चीन, मैक्सिको और कनाडा पर लगाए गए टैरिफ पर भी रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन ने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियम हवाला देते हुए टैरिफ को

उचित ठहराया है। मगर जजों के पैनल ने इस तर्क को खारिज कर दिया। फैसले में कहा गया कि कांग्रेस से पारित किसी भी कानून के लिए राष्ट्रपति को टैरिफ निर्धारित करने का व्यापक अधिकार देना असंवैधानिक होगा। साथ ही यह टैरिफ राष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत अधिकृत नहीं हैं। ऐसा इसलिए कि इस तरह का टैरिफ गैर-आपातकालीन कानून के तहत आना चाहिए। ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिया कि वह इस फैसले को संघीय सर्किट अपील न्यायालय में चुनौती देगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने टैरिफ के कारणों का बचाव करते हुए फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे ने राष्ट्रीय आपातकाल पैदा कर दिया है। इससे अमेरिकी समुदाय को काफी नुकसान हुआ है। देसाई ने ने कहा कि इन जजों को यह तय नहीं करना चाहिए कि राष्ट्रीय आपातकाल को कैसे ठीक से परिभाषित किया जाए। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका को प्राथमिकता देने का वचन दिया है। वह इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। टैरिफ ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

इजराइल ने यमन के सना हवाई अड्डे पर किया मिसाइल हमला, हूती का आखिरी विमान नष्ट

एजेंसी

सना (यमन) । आतंकवादी समूह हूती के हमलों से आजिज इजराइल ने आज सुबह यमन की राजधानी सना के हवाई अड्डे पर ताबड़तोड़ मिसाइल हमला किया। हमले के बाद हवाई अड्डे के ऊपर धुआं उठता दिखा। इजराइल का कहना है कि सना हवाई अड्डे का इस्तेमाल हूती के आतंकी कर रहे हैं। इजराइल के रक्षामंत्री इजराइल कैट्ज ने इसकी पुष्टि की है। इजराइल की वेबसाइट वाई नेट न्यूज के अनुसार, रक्षामंत्री कैट्ज ने कहा कि इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने यह हमला यमन से हूती आतंकवादियों के हमले के जवाब में किया गया । इस हमले में हूती के आखिरी बचे विमान को नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हूती के विमान को ऑपरेशन गोल्डन ज्वेल के तहत मटियामेट कर दिया गया है। इजराइली वायुसेना ने आज सुबह फिर यमन की राजधानी सना के हवाई अड्डे पर हमला किया। यमन में मिली खबरों के अनुसार, हवाई अड्डे पर कई बार हमला किया गया। रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने हमले की पुष्टि की और ऑपरेशन का नाम गोल्डन ज्वेल बताया। उन्होंने कहा कि जो कोई भी इजराइल पर हमला करेगा, उसे भारी कीमत चुकानी होगी। यमन में बंदरगाहों पर हमले जारी रहेंगे। हूती के अन्य रणनीतिक बुनियादी ढांचों को भी नष्ट किया जाएगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हूती को ईरान का समर्थन प्राप्त है। बावजूद इसके अमेरिका और इजराइल के हमलों ने हूती को भारी नुकसान पहुंचाया है।

'पाकिस्तान आतंकवादियों को भारत भेजकर कराता है खूनखराबा, मकसद हिन्दू-मुस्लिम दंगे भड़काना'

एजेंसी

रियाद (सऊदी अरब)। भारत दुनिया के प्रमुख देशों में पहलगाम में आतंकी हमला कराने वाले आतंकवाद पोषक पड़ोसी पाकिस्तान के कुटिल चेहरे से कलई उतार रहा है। इन दिनों भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्य कई देशों की यात्रा पर हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब में है। इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रियाद में कहा कि आतंकवादी समूहों के वित्तपोषण पर अंकुश लगाने के लिए पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे सूची में वापस रखा जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शराफत का लबादा ओढ़कर दुनिया के धोखा दे रहा है। सच यह है कि आतंकवादी संगठनों को पाकिस्तान में प्रशिक्षित किया जा रहा है और वे भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ओवैसी ने एक तस्वीर दिखाते हुए कहा कि इसमें पाकिस्तान के सेना प्रमुख के बगल में एक कुख्यात आतंकवादी बैठा हुआ है। इससे साबित होता है कि पाकिस्तान आतंकवादियों का साथ देता है। उन्होंने कहा कि असीम मुनीर को पाकिस्तान में फील्ड मार्शल बनाया गया तब उसके बगल में आतंकवादी मोहम्मद एहसान बैठा था। इस फील्ड मार्शल के साथ हाथ मिलाते हुए उसकी तस्वीरें हैं। पाकिस्तान में आतंकवादी फल-फूल रहे हैं। पाकिस्तान का इरादा आतंकवादियों के माध्यम से भारत को अस्थिर करना है। इसका मकसद है कि भारत में और अधिक हिंदू-मुस्लिम दंगे हों। उन्होंने कहा कि मुंबई हमले के बाद पाकिस्तान को सारे साक्ष्य दिए गए।

ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान नंबर एक का झूठा है। उसने पहले दावा किया कि मुख्य आरोपी साजिद मीर मर चुका है। बाद में उसने कुबूल किया कि एफएटीएफ की जांच के तहत वह जीवित है। इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, भाजपा सांसद फंगनन कोन्याक, भाजपा सांसद रेखा शर्मा, सांसद सतनाम सिंह संधू, गुलाम नबी आजाद और राजदूत हर्ष श्रृंगला भी शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल का प्रमुख उद्देश्य 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ इसकी व्यापक लड़ाई के बारे में अंतरराष्ट्रीय भागीदारों को जानकारी देना है। पनामा सिटी में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो और विदेशमंत्री जेवियर मार्टिनेज आचा से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद विदेशमंत्री आचा ने कहा कि आतंकवाद के मामले में वह भारत के साथ हैं। पनाम किसी भी तरह के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करता। पनामा लोकतांत्रिक देश हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। पनामा किसी भी तरह के आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मिलकर लड़ेगा।

नेपाल में भारतीय पत्रकारों पर रोक, बिना अनुमति रिपोर्टिंग करने पर होगी सजा

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू में 29 मई से राजतंत्र के पक्ष में एक बार फिर से शुरू होने जा रहे प्रदर्शन को देखते हुए नेपाल सरकार ने भारत सहित विदेशी मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत समेत अन्य देशों से नेपाल आने वाले पत्रकारों को सरकार से अनुमति मिलने के बाद ही रिपोर्टिंग करने को कहा गया है। प्रेस काउंसिल नेपाल ने विदेशी पत्रकारों के नेपाल आकर रिपोर्टिंग करने पर रोक लगाने की जानकारी दी है। वैसे तो कहने के लिए इस बयान में विदेशी मीडिया लिखा गया है, लेकिन यह प्रतिबंध भारतीय मीडिया में काम करने वाले पत्रकारों को लक्ष्य करके लगाया गया है। साथ ही नेपाल में होने वाले विरोध प्रदर्शन को अतिरंजित तरीके से दिखाने वाले पत्रकारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की हिदायत दी गई है। नेपाल सरकार ने जिन भारतीय न्यूज चैनलों के

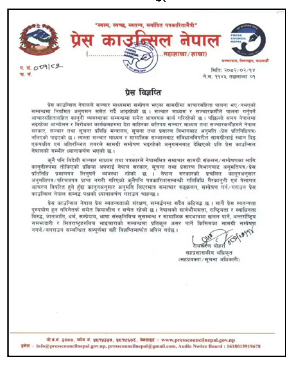

स्थानीय प्रतिनिधियों को प्रेस पास दिया था, उन्हें या तो निलंबित कर दिया गया है या फिर उन्हें रिन्यू नहीं किया गया है, ताकि नेपाल में उन्हें रिपोर्टिंग करने से रोका जा सके। प्रेस काउंसिल के बयान में कहा गया है कि बिना सरकार की अनुमति के सीधे रिपोर्टिंग करने को गैर कानूनी माना जाएगा और ऐसा करने वाले पत्रकारों पर नेपाल सरकार के प्रचलित कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। प्रेस काउंसिल ने दावा किया है कि नेपाल सरकार प्रेस स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन प्रेस स्वतंत्रता के नाम पर इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। प्रेस काउंसिल ने अंत में विदेशी मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को नेपाल की सार्वभौमिकता, राष्ट्रीयता, स्वाधीनता के विरोध में कोई भी खबर नहीं दिखाने, धार्मिक और सांप्रदायिक मामलों में संवेदनशील होने की अपील की है।

बांग्लादेश में जमात नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम 14 साल बाद जेल से रिहा

ढाका। बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी के नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम ने आज 14 साल बाद खुली हवा में सांस ली। जेल से रिहा होने पर वह काफी खुश नजर आए। उन्हें 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध के केस में गिरफ्तार किया गया था। इस्लाम ने रिहाई के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। दे डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, जमात-ए-इस्लामी के नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम को आज जेल से रिहा कर दिया गया।

एलन मस्क का ट्रंप प्रशासन से अलग होने का एलान, कहा-छोड़ रहा हूं वाशिंगटन

एजेंसी

वाशिंगटन। आखिर जिस बात का डर था, वही हुआ। कुछ समय से ट्रंप प्रशासन की कछ नीतियों से नाराज चल रहे टेस्ला के सीईओ एलन मस्क सरकार से अलग गए। वह सरकारी दक्षता विभाग का राजपाट छोड़कर अपने कारोबार की दुनिया में लौट गए। इस साल जनवरी में एक अंतराल के बाद दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने सरकारी दक्षता विभाग का गठन कर उसकी जिम्मेदारी मस्क को सौंपी थी। इस विभाग के गठन का मकसद सरकारी खर्चों में कटौती करना था। मस्क ने कहा कि वह वाशिंगटन छोड़ रहे हैं।खबर के अनुसार, एलन मस्क ने कहा कि वे अपनी कंपनियों पर अधिक समय बिताने के लिए अब सरकार से अलग हो रहे हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों के अनुसार मस्क और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अभी भी अच्छे संबंध हुए हैं। लेकिन उन्होंने (मस्क) यह स्पष्ट कर दिया है कि वे वाशिंगटन और संघीय नौकरशाही को उलटने के दौरान आई बाधाओं से निराश हैं।मस्क ने राष्ट्रपति ट्रंप के घरेलू नीति कानून पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्रीय घाटा बढ़ेगा। उन्होंने प्रशासन के अधिकारियों से एक कंपनी की शिकायत की। इस कंपनी से मध्य पूर्व में एक कृत्रिम-बुद्धिमत्ता डेटा सेंटर बनाने के लिए एक समझौता किया गया था। इस

कंपनी ने ट्रंप की राजनीति के संचालन के लिए 100 मिलियन डॉलर का वादा किया था। ट्रंप का आरोप है कि इस कंपनी ने यह रकम अब तक नहीं दी। कभी खुद को ट्रंप का भरोसेमंद दोस्त बताने वाले मस्क ने अब उनसे कुछ फासला बना लिया है। उनका कहना है कि वे अब अपनी कंपनियों पर ध्यान देंगे। टेस्ला सीईओ एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से खुद को अलग करने की घोषणा एक्स पर की। पिछले दिनों मस्क ने ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल टैक्स बिल की खुलकर आलोचना की थी। मस्क ने एक्स पर लिखा कि उनका विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में निर्धारित समय समाप्त हो रहा है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को व्यर्थ व्यय को कम करने के अवसर के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। यह मिशन समय के साथ और मजबूत होगा। यह आने वाली सरकारों में जीवन का एक तरीका बन जाएगा। सनद रहे राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान दोनों के बीच अच्छे संबंध बने। मस्क ने ट्रंप की उम्मीदवारी का समर्थन ही नहीं किया बल्कि 25 करोड़ डॉलर का योगदान दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका के इस घटनाक्रम से राष्ट्रपति और दुनिया के सबसे अमीर आदमी के बीच गठबंधन की गांठ इतनी जल्द छूट जाएगी, इसकी किसी को उम्मीद नहीं थी।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को नया शैक्षणिक आयाम देगा यह समझौता

लखनऊ, 29 मई। उत्तर प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को वैश्विक उत्कृष्टता से जोड़ते हुए गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में एक ऐतिहासिक क्षण दर्ज हुआ, जब राज्य सरकार और ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित मोनाश यूनिवर्सिटी के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू प्रदेश के बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों एवं अध्यापनरत शिक्षकों के लिए शोध-अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को एक नई ऊँचाई देगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा को केवल डिग्री अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि राज्य के समग्र विकास की धुरी मानती है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी राज्य के शिक्षा तंत्र में गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक दृष्टिकोण का समावेश करेगी और युवाओं को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने इस एमओयू को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप बताते हुए कहा कि यह बहुआयामी अधिगम, कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को गति देगा। उन्होंने वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ प्रदेश की पूर्व सहभागिता का उल्लेख करते हुए कहा कि अब मोनाश यूनिवर्सिटी के साथ यह गठबंधन शिक्षा के वैश्विक मानकों की ओर एक और बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग का केंद्र गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय होगा, जो इस साझेदारी को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के कुलपति को इस उत्तरदायित्व का सफल निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। मुख्यमंत्री ने भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे वैदिक ऋषियों ने ÷आ नो भद्राः ऋतवो यन्तु विश्वतः÷ का आह्वान किया था, अर्थात विश्व के सभी दिशाओं से शुभ विचार हमारे पास आएं। यह एमओयू उसी भावना की आधुनिक अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को 'ज्ञान की राजधानी' बनाने की दिशा में सरकार संकल्पित है और इस प्रकार की साझेदारियां राज्य को वैश्विक शिक्षा मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिलाएँगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने एमओयू के विभिन्न पहलुओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए बताया कि यह सहयोग उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मंचों से जुड़ने का मार्ग प्रशस्त करेगा। 1958 में स्थापित मोनाश यूनिवर्सिटी में वर्तमान में 84,000 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। यह विश्व की अग्रणी अनुसंधान आधारित संस्थाओं में से एक है। विश्वविद्यालय के कुलपति, जो हिंदी भाषा में निपुण हैं और जिन्होंने बिजनौर (उत्तर प्रदेश)

में अपने पूर्व प्रवास के दौरान गहन सामाजिक-सांस्कृतिक समझ विकसित की है, ने मुख्यमंत्री से संवाद में कहा कि यह समझौता भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों को एक नए शैक्षणिक और सांस्कृतिक आयाम पर ले जाएगा। उन्होंने इसे केवल एक औपचारिक संधि नहीं, बल्कि दो लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्रों के बीच बौद्धिक संवाद का नया अध्याय बताया। इस समझौते को मूर्त रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफ़ेसर और वर्तमान में मोनाश यूनिवर्सिटी से संबद्ध प्रो. मनीषा ने बताया कि मोनाश में प्रतिवर्ष लगभग 30,000 शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिनमें अफगानिस्तान और म्यांमार जैसे युद्धग्रस्त देशों के शिक्षक भी शामिल हैं। अब उत्तर प्रदेश के शिक्षकों को भी इसी स्तर का प्रशिक्षण सुलभ हो सकेगा। उन्होंने इसे प्रदेश में शैक्षणिक प्रत्यावर्तन की नींव बताते हुए कहा कि यह साझेदारी उत्तर प्रदेश को नई पहचान देने में उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर मोनाश यूनिवर्सिटी से प्रो. क्रेग जेफ्री, डिप्टी वाइस चांसलर (इंटरनेशनल) एवं सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, डॉ. ग्रेग कुसैक, चीफ ऑफ कोर्सवर्क ऑफिसर एवं डिप्टी डीन, प्रोफेसर मनीषा प्रियम, डिस्टिंग्विश्ड प्रोफेसर, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग से डिप्टी हाई कमिश्नर निक मैककैफ्री, जॉर्ज थिवेओस, मंत्री-परामर्शदाता (शिक्षा एवं अनुसंधान), नथानियल वेब, फर्स्ट सेक्रेटरी (शिक्षा एवं अनुसंधान), क्लार्क, परामर्शदाता ए/जी (आर्थिक) टॉम ओवरटन, प्रो. राणा पी. सिंह, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, प्रदेश सरकार के बेसिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभागों के मंत्रीगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण एवं मोनाश यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

शशि थरूर को कांग्रेस नेता उदित राज ने बताया भाजपा का सुपर प्रवक्ता, भड़के शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज की ओर से पार्टी सांसद शशि थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताए जाने पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान बेनकाब हो रहा है, तो कांग्रेस को दर्द महसूस हो रहा है। इसी कारण राहुल गांधी ने उदित राज को शशि थरूर को भला-बुरा कहने का निर्देश दिया है। शहजाद पूनावाला ने से बातचीत के दौरान कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस सांसद शशि थरूर अगर विदेश में भारत की बात रख रहे हैं तो क्या यह भाजपा की बात हो गई। पूनावाला ने आगे कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान बेनकाब होता है, तो कांग्रेस के पेट में दर्द क्यों होता है? क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि थरूर पार्टी लाइन से ऊपर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दे रहे हैं। अगर कोई भारत के लिए बोलता है, तो क्या इसका मतलब यह है कि वह भाजपा के लिए बोल रहा है। सच बोलने के लिए थरूर पर हमला क्यों किया जा रहा है। पूनावाला ने आगे आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने उदित राज को थरूर की आलोचना करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि यह पार्टी की राजनीति के बारे में नहीं है। थरूर राष्ट्रीय नीति पर चर्चा कर रहे हैं, पार्टी की विचारधारा पर नहीं। उनके बयान में कुछ भी गलत नहीं है। अगर भारतीय सेना की प्रशंसा और पाकिस्तान की हरकतों की निंदा करना किसी को कांग्रेस विरोधी बनाता है, तो पार्टी को आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, अब, अगर कांग्रेस को भारत के लिए खड़े होने या पाकिस्तान की आलोचना करने वाले किसी व्यक्ति से समस्या है, तो यह उनके बारे में क्या कहता है? ऐसा लगता है कि कांग्रेस पाकिस्तान प्रशस्त पार्टी (पीपीपी) या पाकिस्तान के यूट्यूब चैनल की तरह काम कर रही है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के एक्स पोस्ट पर पूनावाला ने कहा कि भाजपा सांसद ने उजागर किया है कि कांग्रेस अपने शासन के दौरान पाकिस्तान के साथ विदेशी मध्यस्थता वाली बातचीत में कैसे लगी रही। राहुल गांधी इन ऐतिहासिक तथ्यों को नकार कर जनता को गुमराह कर रहे हैं।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, KSHITIJ ARORA S/o VIJAY KUMAR, R/o H No-8, Type-2A New, M D U Campus, Rohtak, Haryana-124001, declare that name of mine has been wrongly written as KSHITIJ in my all Educational documents and Driving Licence No.HR-1220110015863. The actual name of mine is KSHITIJ ARORA, which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Deepak Sharma S/O Brij Mohan Sharma R/O 81/9, Kishan Garh , Fortis Hospital, Vasant Kunj, Vasant Kunj, South West Delhi, Delhi - 110070, declare that name of mine has been wrongly written as Dolly Sharma in my Driving Licence No. P08102004410458, the actual name of mine is Deepak Sharma

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rakesh S/O Prakash R/O Jhuggi No. N 30/A-159, Ground floor, Block - G, Jahangir Puri, Jahangir Puri, H-Block, PO: N. S. Mandi, Dist: North West Delhi Delhi -110033, declare that name of mine has been wrongly written as MD Aslam in my Aadhar Card No. 2425 8276 1360 The actual name of mine is Rakesh

NAME CHANGE
I, Mohd Iftekhar S/O Md Irfan R/O J-37, Second floor, Pandav Nagar, Near D Park , VTC: Laxmi Nagar (east Delhi) PO: Laxmi Nagar (east Delhi) District: East Delhi, Delhi -110092, have changed my name and shall hereafter be known as Lucky Habib

NAME CHANGE
I SUNEETA DEVI W/O RAJPAL, R/O 6A/519, Nehru EKTA COLONY, R. K PURAM SECTOR 7,R K PURAM SECTOR 5,NEW DELHI 110022,HAVE CHANGE MY NAME TO SUNITA DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SAMSER S/O SUKUR R/O PLOT NO-22 KH NO-376, E BLOCK STREET NO-6, BEHIND RAM MANSINGH PUBLIC SCHOOL, ROSHAN VIHAR PART-2, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043 have changed my name and shall hereafter be known as SAMSER KUMAR.

NAME CHANGE
I, ARUN KUMAR MOGHA S/o RAJ KUMAR R/o FLAT NO-093, TOWER C4, SOBHA CITY, DWARKA EXPRESSWAY SEC-108, BAJGHERA, PO-PALAM VIHAR, DIST-GURGAON, HARYANA-122017, have changed my name from ARUN KUMAR MOGHA to ARUN MOGHA for all future purposes.

NAME CHANGE
I Muntaha Siddiqui D/O Faziluddin address B-356, Road No.18 Vasant Kunj enclave, New Delhi-110070 Have changed my name to muntaha fazil for all future purposes

NAME CHANGE
I hitherto known as UMAVATI W/O SURENDER KUMAR, residing at F-1820E, laxmi Nagar, Shankapur, Delhi-110092 have changed my name and shall hereafter be known as ARTI SAINI.

NAME CHANGE
I Mahender Singh S/o Banarasi Singh R/o WZ-31B/1, Gali No. 9, Guru Nanak Nagar Tilak Nagar, New Delhi-110018 have changed my name to Mahinder Singh for future reference in purposes

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Mohd Shan Elahi S/O Mohd Usman, R/O C11/77, Second Floor Yamuna Vihar, Yamuna Vihar, PO:Seelampur, DIST:North East Delhi, Delhi, 110053,declare that name of mine,my wife and my minor daughter has been wrongly written as Shan Elahi Usmani ,Majeda shan Elahi and Nabaha Shan Elahi in my minor daughter namely Nabaha aged 9 years in her birth certificate no 2015B0035964.The actual name of mine,my wife and my minor daughter are Mohd Shan Elahi, Rogangar Majeda and Nabaha,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is to the public at large that my client Mr. Babu Chand son of Shri Panchanan Chand resident of Plot No. 17, Gali No. 8, Prem Vihar Nangli Dairy, Najafgarh, South West Delhi-110043, have debarred and disowned his son Mr. Deepak Chand age about 30 years and immovable properties and other assets, with immediate effect due to his disrespectful behavior and out of control and severed all his relations with him. If anybody deals in any manner with the above named person, he/she shall do at his/her own risks and consequences. My client Mr. Babu Chand shall not be held liable or responsible for the same in any manner and have no concern/relations with the above named person in her/his life time in Future.

PRINCE KUMAR ADVOCATE
CHAMBER NO.342, 3rd FLOOR,
SECTOR-10, DWARKA,
NEW DELHI-110075
ENROLL.D/13823/2022
MOB:- 8800301078, Email I.D.:-
prikumar100@gmail.com

NAME CHANGE
I, KAUSHAL MAHENDRU S/o SATPAL MAHENDRU R/o HOUSE NO C-52, G.T.KARNAL ROAD, LANE NUMBER 4, NEAR HANS CINEMA, MAHENDRU ENCLAVE, AZADPUR, NORTH WEST DELHI,DELHI-110033,HAVE CHANGED MY NAME TO KAUSHALENDER MAHENDRU FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, PAWAN KUMAR S/O LAKSHMAN YADAV R/O 56, KHATIWAS, JHAJJAR,HARYANA-124103, HAVE CHANGED MY NAME TO PAWAN KUMAR YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
It is for general information that I, TULSI S/o MAHAVIR RAM, R/o H.No. 101, A-Block, Street No.-3, Jagdamba Colony, Johari Pur Extn., East Delhi, Delhi-110094, declare that name of mine has been wrongly written as TULASHI in my minor daughter KIRAN aged 17 years in her 10th class Educational Documents, and as GULASHI in her Birth Certificate Registration No. MCDOLIR-2108-003211998. The actual name of mine is TULSI.

NAME CHANGE
I, Anarwati W/O Veerendra R/O C-377, Shaheed Nagar, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201006, have changed my name and shall hereafter be known as Anara Devi

PUBLIC NOTICE
It is to the public at large that my client Ms. Dipti Gujral daughter of Shri Chandra Prakash resident of F-1A, F/F, Gali No.9, Jain Road, Bhagwati Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059, have debarred and disowned her brother Mr. Ajay Gujral son of Chandra Prakash resident of F-1A, F/F, Gali No.9, Jain Road, Bhagwati Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059 from her movable and immovable properties and other assets, with immediate effect due to his disrespectful behavior and out of control and severed all her relations with him. If anybody deals in any manner with the above named person, he/she shall do at his/her own risks and consequences. My client Ms. Dipti Gujral daughter of Shri Chandra Prakash shall not be held liable or responsible for the same in any manner and have no concern/relations with the above named person in her/his life time in Future.

PRINCE KUMAR ADVOCATE
CHAMBER NO.342, 3rd FLOOR,
SECTOR-10, DWARKA,
NEW DELHI-110075
ENROLL.D/13823/2022
MOB:- 8800301078
Email .:-prikumar100@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सुभोध कुमार, श्रीमती रंजना गुप्ता से एक आवासीय संपत्ति खरीदने जा रहे हैं, जिसका विवरण निम्नलिखित है- प्लॉट नंबर 41, जिसमें भूतल, ऊपरी भूतल, द्वितीय तल तथा छत के अधिकार सम्मिलित हैं, क्षेत्रफल 43 वर्ग गज (अर्थात् 35.95 वर्ग मीटर), जो कि खसरा नंबर 4971मिन से संबंधित है, स्थित सत्यं एन्क्लेव, परगना लोनी, गाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश) – 201005। इस संपत्ति का स्वामित्व विवरण निम्नलिखित है- श्री रामाशंकर सिंह ने उक्त संपत्ति श्री बिजेंद्र सिंह डागर से बिक्री विलेख दिनांक 09.10.2000 के माध्यम से खरीदी थी। तत्पश्चात, उन्होंने इसे 20.09.2004 को श्रीमती अविनाश सोनिक को बिक्री विलेख द्वारा बेचा। इसके बाद, 13.07.2007 को श्रीमती अविनाश सोनिक ने यह संपत्ति श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल को बिक्री विलेख के माध्यम से स्थानांतरित की। श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल ने दिनांक 05.12.2008 को एक वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती रंजना गुप्ता के नाम कर दी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल का निधन 05.03.2019 को हो गया। उक्त संपत्ति को SAMMAAN CAPITAL LIMITED, जिसका पता प्लॉट नंबर क्र-4/5, प्रथम तल, सेक्टर-63, नोएडा, उत्तर प्रदेश है, द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति के कब्जे में पाया जाता है या किसी प्रकार की आपत्ति है, तो कृपया इस नोटिस की तारीख से 07 दिन के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज के साथ नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें। ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री पत्र के अनुसार दावा विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, Bhoti Devi W/O Jugmandar Dixit R/O Kishan Ganj, Malka Ganj, North Delhi, Delhi -110007, have changed my name and shall hereafter be known as Maya

NAME CHANGE
I, Sahaj S/O Sudhir Kumar Bhatnagar R/O Flat No 87, Bharat Vandna , Near Welcom Hotel , Pocket -1 , Sector -19, Dwarka Sector -19, South West Delhi , Delhi -110075, have changed my name and shall hereafter be known as Sankalp Bhatnagar

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rupal Mehta D/O Pradip Kumar R/O S-28 D 2nd floor School Block, Behind Baba Balak Nath Mandir , Shakarpur, Shakar Pur Baramad , PO: Shakarpur, Dist: East Delhi, Delhi - 110092, declare that name of my father has been wrongly written as K.Pradip in my 10th class educational documents. and K Pradip in my 12th class educational documents.The actual name of my father is Pradip Kumar

NAME CHANGE
I hitherto known as KOMAL alias KOMAL BARLAWAR D/O BHARAT BHUSHAN W/O DILIP BARLAWAR R/O FLAT NO-A-6, 11th AVENUE, GAUR CITY 2 PLOT NOI GH-03, MAHAGUN MART, SECTOR-16C, GREATER NOIDA, GREATER NOIDA WEST GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201009 have changed my name and shall hereafter be known as KOMAL BARLAWAR.

PUBLIC NOTICE
TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN

This is to inform the general public that PNB Housing Finance Ltd., having its branch office at Nangloi, New Delhi, intends to extend a financial facility to Mr. Kalpakishor Chaturvaidi, against the security of a Plot bearing No. 55, having land area measuring 40 Sq. Yds., (i.e., 33.44 Sq. Mts)., (360 Sq. Ft)., Out of Khasra No. 923, situated at Shankar Vihar, HadbastVillage Shahpur Bamehta, Pargana Dasna, Tehsil and Distt. Ghaziabad, U.P.-201009. The said property was previously owned by Mr. Rakesh Kumar Gupta, who derived title thereto by virtue of a Sale Deed bearing Document No. 7711, dated 11.11.2003, duly registered and executed by Mr. Amar Pal. It is hereby further notified that the aforementioned original Sale Deed has been misplaced/lost and remains untraceable. A report in this regard has been duly lodged with the Crime Branch of Delhi Police vide LR No. 2877151/2025, dated 29.05.2025. Accordingly, any person(s), individual(s), or entity (ies) having any claim, right, title, interest, lien, or objection whatsoever in respect of the aforementioned property or against the proposed mortgage in favour of PNB Housing Finance Ltd., are hereby called upon to submit their claims/objections in writing, along with supporting documents, to the undersigned within seven (7) days from the date of publication of this notice. Claims or objections, if any, may be submitted to Adv. Rishi Maheshwari (Mobile No.: - +91-9340118309). In the absence of any response within the stipulated time period, it shall be presumed that there are no claims, objections, or encumbrances pertaining to the said property, and the proposed transaction shall be completed without any further reference or demur.

Rishi Maheshwari (Advocate)
RZ-29, Upper Ground Floor,
Bhagwati Garden Jain Road Near
Dwarka More New Delhi 110059.
Email Address: -
lsrlexicure@gmail.com

NAME CHANGE
I, KAPOOR SINGH S/o INDER SINGH R/o A-901, ARJUN APARTMENT, PLOT NO-8C, SECTOR-7 DWARKA, DWARKA SECTOR-6, SOUTH WEST DELHI, CANTONMENT DELHI-110075, have changed my name from KAPOOR SINGH to KAPOOR SINGH DHAKA for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as SUMAN W/O DEVRAJ R/O H.No -33, Purani Chopal, Devli Gaon, Devli, South Delhi, Delhi- 110062, have changed my name and shall hereafter be known a SUMAN KHARETA

Religion Changed
I, SAMSER S/O SUKUR R/O PLOT NO-22 KH NO-376, E BLOCK STREET NO-6, BEHIND RAM MANSINGH PUBLIC SCHOOL, ROSHAN VIHAR PART-2, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043 do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDU Religion and renounced ISLAM Religion w. e .f. 26.05.2025.

NAME CHANGE
I WAQAR AHMAD S/O NISAR AHMAD R/O R-217 Top Floor Ramesh Park Gali No-09 Laxmi Nagar East Delhi 110092 HAVE CHANGED MY TO WAQAR AHMED

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Sharda Devi W/O Rajendra Dadarwal R/O Flat No Pvt D-5, 3rd floor, Plot No. 57, Pragati Enclave Sant Nagar Burari PO: Burari Dist: North Delhi , Delhi -110084, declare that name of mine, my minor Son and my husband has been wrongly written as Sharda , Nitin Chodhary and Rajendra Chodhary in my minor Son namely Nitin Chaudhary aged 14 years in his School record. The actual name of mine, my minor Son and my husband are Sharda Devi, Nitin Chaudhary and Rajendra Dadarwal

NAME CHANGE
I, R.SIDDANTH son of GO No. 2336Y, Rank- SE (CIV), Name-R.SRINIVASA RAO, R/o House No.1177, Road No.12, Banjara Hills, Hyderabad, Telangana, PIN-500034 have changed my Name from R.SIDDANTH to SIDDHANTH RANGINENI for all future purposes. Vide Affidavit NO-DL92287083566126X dated 29.05.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, R.SRILATHA spouse of GO No. 2336Y, Rank- SE (CIV), Name-R.SRINIVASA RAO, R/o House No.1177, Road No.12, Banjara Hills, Hyderabad, Telangana, PIN-500034, have changed my Name from R.SRILATHA to SREELATHA RANGINENI for all future purposes vide Affidavit No.IN-DL92287569912861X dated 29.05.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mrs. Renu Aggarwal is purchasing the Property No. K-216, area admeasuring 250 Sq. Yds. out of Khasra No. 216, situated in the area of Village Karawal Nagar, in the abadi of Karawal Nagar, Lal Dora Extn., Illaqa Shahdara, Delhi-110094 from Mrs. Sapna Goyal who is the owner of the property vide v Family SPA, Notarized GPA, Notarized ATS dated 10.03.2008 and intend to get the financial assistance from Aditya Birla Capital Limited. If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Mr. Haseen Haider** is in possession of Property bearing no. T-266, Land area measuring 150 Sq. Yds, out of Khasra no. 185-187, situated at Village Ghonda Chauhan Khadar, in the Abadi of Gali No. 05, Gautampuri, Illaqa Shahdara Delhi – 110053. He is in possession through Notarized General Power of Attorney, ATS and WILL dated 06.02.2024 executed by Mrs. Santosh Jain w/o Late Mr. Rajiv Jain (2) Mr. Rajat Jain s/o Late Mr. Rajiv Jain in favour of Mr. Haseen Haider in respect of said property.
Mrs. Neelam Marwah intends to transfer the ownership of Second Floor of above-mentioned Property by way of Sale Deed to **Sarfraz Ahmad.** Subsequently, **Sarfraz Ahmad** is in the process of mortgaging the said Plot with **SMFG India Home Finance Co. Ltd.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **फैजान उर्फ सैफ अली खान पुत्र रसूल पता मकान नं. 304, द्वितीय तल साई आर्टमेंट अंकूर विहार, लोनी यूपी ने एफआईआर संख्या 63/2013 धारा 380/457/411 भा.द.स के तहत** थानाः जाफराबाद, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **फैजान उर्फ सैफ अली खान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **फैजान उर्फ सैफ अली खान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 63/2013 धारा 380/457/411 भा.द.स. के तहत थाना जाफराबाद, दिल्ली के उक्त फैजान उर्फ सैफ अली खान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
आयुषी सक्सैना
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05
शाहदरा जिला, कमरा नं.07,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6314/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मो0 इरशाद पुत्र** मो0 सलीम, **निवासीः** 515, गली नं0–02, लक्ष्मी गार्डन, लोनी, गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **FIR No. 516/2021, U/S 33 D. Ex. Act, पुलिस स्टेशन करावल नगर, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मो0 इरशाद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मो0 इरशाद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 516/2021, U/S 33 D. Ex. Act, पुलिस स्टेशन करावल नगर, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **मो0 इरशाद** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.07.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री इसरा ज़ैदी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04,
कमरा नं.–64, चौथा तल, उत्तर–पूर्व जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6766/NE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सैफ अली खान उर्फ फैजान** पुत्र रसूल मोहम्मद, निवासी 304, तृतीय तल, साईं अपार्टमेंट, अंकुर विहार, लोनी, गाजियाबाद, (उत्तर प्रदेश) ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 61/2013 धारा 365/354/506/511 भा.द.स. थाना जाफराबाद, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सैफ अली खान उर्फ फैजान** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सैफ अली खान उर्फ फैजान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 61/2013 धारा 365/354/506/511 भा.द.स. थाना जाफराबाद, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **सैफ अली खान उर्फ फैजान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **09.07.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री निधि बाला,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, महिला कोर्ट–03,
कमरा नं. 08, शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6315/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **सलमुद्दीन** पुत्र गुल्लू, निवासी- ग्राम सतारी थाना चोला चौकी, डाकघर-दरियापुर बुलंद शहर, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 453/2021 धारा 279/337 भा.द.स, थाना संगम विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सलमुद्दीन** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सलमुद्दीन** फ़रार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **सलमुद्दीन, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 453/2021 धारा 279/337 भा.द.स, थाना संगम विहार, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 30.06.2025 को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री संकल्प कपूर
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी-04
दक्षिण जिला, कमरा नं. 211
साकेत कोर्ट परिसर, नई दिल्ली

DP/6679/SD/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा **82(2)(ii) Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **तरनजीत सिंह साहमे पुत्रः सतविन्दर सिंह साहमे, पताः** विला 271, अरबेला–1, मडॉन, दुबई और 104, सिलवर पॉम– I, गुलमोहर एन्कलेव, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश **FIR No. 623/2022, U/s 498A/406/34 IPC,** थानाः अमर कॉलोनी, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **तरनजीत सिंह साहमे** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **तरनजीत सिंह साहमे** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 623/2022, U/s 498A/406/34 IPC,** थानाः अमर कॉलोनी, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **तरनजीत सिंह साहमे** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री नेहा सैनी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
महिला कोर्ट नं.2, कमरा नं. 507
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/6771/SE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **फहीम पुत्र मौहम्मद शकीर निवासी 88, गली नं. 1, कैला भट्टा के पास, कैला भट्टा चौकी के पास, गाजियाबाद (उ.प्र.)** ने केस **एफआईआर नं. 959/2016 अन्तर्गत धारा 509/356/379/511/34 आईपीसी, थाना सीमा पुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फहीम पुत्र मौहम्मद शकीर** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फहीम पुत्र मौहम्मद शकीर** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 959/2016 अन्तर्गत धारा 509/356/379/511/34 आईपीसी, थाना सीमा पुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **फहीम पुत्र मौहम्मद शकीर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.08.2025** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
ऐश्वर्या सिंह कश्यप
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–06
कमरा नं. 25, प्रथम तल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/6190/SHD/2025
(Court Matter)

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LTD.,
H. O. PAHARGANJ, NEW DELHI – 110 055. www.ramgarhiabank.com

SALE NOTICE UNDER SECURITISATION AND RECONSTRUCTION OF FINANCIAL ASSETS AND ENFORCEMENT OF SECURITY INTEREST ACT, 2002

Whereas the Authorized Officer of the Ramgarhia Co-operative Bank Ltd., New Delhi, has taken over the possession of the properties described herein below in exercise of power conferred under the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 and the Security Interest (Enforcement) Rules 2002.
Whereas the borrowers and guarantors mentioned herein below have failed to repay the amount due from them to the Ramgarhia Co-operative Bank Ltd., New Delhi. Therefore the Ramgarhia Co-operative Bank Ltd., New Delhi in exercise of powers conferred under Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 and Security Interest (Enforcement) Rules 2002 has decided to sell the properties detailed below in public auction. "AS IS WHERE IS AND WHAT IS AND WHATEVER THERE IS BASIS" under rule 8 & 9 of security interest (Enforcement) Rules, 2002.

S. No.	Name of Borrower	Name of Guarantor	Description Property	Amount Due	Reserve Price
1)	Akash	1) Gaurav 2) Parveen Masson	2/3rd undivided share of entire second and third floor with roof rights Prop. bearing No.XV/2502-B, inward No.XV common stair ground to top situated at Nalwa Street, Paharganj, New Delhi – 110 055 (Area 41.8 Sq. Mtrs.) Date of Symbolic Possession : 31-03-2021	Rs.40.03 Lakhs + Intt. & Legal Charges	Rs.25.00 Lakhs
2)	Gaurav	1) Sunil Kumar Rawat 2) Parveen Masson 3) Anil Kumar	1/3rd undivided share of entire second and third floor with roof rights Prop. bearing No.XV/2502-B, inward No.XV common stair ground to top situated at Nalwa Street, Paharganj, New Delhi – 110 055 (Area 41.8 Sq. Mtrs.) Date of Possession : 31-03-2021	Rs.40.03 Lakhs + Intt. & Legal Charges	Rs.25.00 Lakhs

That the 30 days Notice is hereby given to the borrowers and Guarantors mentioned herein above in particular and the public in general under the Rule 8 of the Security interest (Enforcement) Rules, 2002 that the sale of properties as mentioned herein above will be affected by auction in public 30 days from the date of Publication. Persons interested in participating in the public auction and purchasing the above mentioned property may apply separately in the prescribed Application Form containing terms and conditions which is available at bank's website **www.ramgarhiabank.com** and can also be obtained from the authorized officer (**Sh. Jaspal Singh, M. No.9811256016**) of the Bank between 10:00 A. M. to 4 : 45 P. M. before the date of auction. Persons interested to purchase the above property may submit the prescribed Application Form duly filled along with Earnest Money 10% of the Reserve Price stated above alongwith their KYC documents with the Authorized Officer of the Bank one day before the date of auction.
The earnest money deposited shall not bear any interest. The particulars of the secured assets specified in the schedule here-in above have been stated to the best of the information of Authorized Officer, but the Authorized Officer shall not responsible for any error, misstatement or omission in the proclamation. The Authorized Officer reserves the right to cancel/suspend/postpone the auction process without any reason.
The Borrowers/Guarantors/Mortgagers are hereby notified to pay the sum as mentioned above with upto date interest and other expenses before the date of auction failing which the properties will be sold.

Place : New Delhi
Date : 29-05-2025. **Authorized Officer**

NAME CHANGE
I, Asha Singh D/O Chunni Lal W/O Mahander pal singh R/O Near C Lal Chowk 807 Street No-7 Govind puri Kalka ji South Delhi 1110019 have changed my name to Asha Rani for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mahender Pal S/O K Singh R/O Near C Lal Chowk 807 Street No-7 Govind puri Kalka ji South Delhi 1110019 have changed my name to Mahander Pal Singh for all future purposes

NAME CHANGE
I ASHUTOSH CHAUDHARY S/O RAJPAL SINGH R/O H.7062 GALI TEJ SINGH PAHARUI DHIRAJ SADAR BAZAR DELHI 110006 HAVE CHANGE MY NAME TO ASHUTOSH CHOUDHARY

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Vinita Devi alias Brijesh Kumari W/O Jagannath Singh, R/O Bharatpur, Gopalpur, PO: Gopalpur, DIST: Firozabad, Uttar Pradesh - 283152, have changed my name and shall hereafter be known as Brijesh Kumari.

NAME CHANGE
I hitherto known as Jasvinder Kaur alias Sonia kapoor D/O Jasveer Singh, W/O Jasbir Singh Kapoor R/O C-76,Sector p3 greater Noida, Kasana, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201310 ,have changed my name and shall hereafter be known as JASVINDER KAUR

NAME CHANGE
I, TULSI DATT GAUR S/O BANWARI LAL GAUR R/O R-157C, FIRST FLOOR, R BLOCK, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, DELHI – 110059, I have changed my name from TULSHI DATT GAUR TO TULSI DATT GAUR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, KAUSHAL MAHENDRU S/o SATPAL MAHENDRU R/o HOUSE NO C-52, G.T.KARNAL ROAD, LANE NUMBER 4, NEAR HANS CINEMA, MAHENDRU ENCLAVE, AZADPUR, NORTH WEST DELHI,DELHI-110033,HAVE CHANGED MY NAME TO KAUSHALENDER MAHENDRU FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, PAWAN KUMAR S/O LAKSHMAN YADAV R/O 56,KHATIWAS,JHAJJAR,HARYANA-124103, HAVE CHANGED MY NAME TO PAWAN KUMAR YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती रेनू जितेंद्र चन्द पत्नी स्वर्गीय श्री जितेंद्र बहादुर चन्द, निवासी फ्लैट नंबर 1202, ए विंग हाइलैंड टॉवर अकुरली रोड नियर दामू नगर बस स्टॉप लोखंडवाला टाउनशिप मुंबई कांदिवली ईस्ट महाराष्ट्र 400101, ने अपने पुत्र सचिन जितेंद्र चंद के गलत संगत में पड़ने वे अनैतिक , अवांछनीय, असामाजिक कार्यों के कारण दोनो पति पत्नी मेरा बेटा सचिन जितेंद्र चंद वे उसकी पत्नी चित्रा चंद के कलेश के कारण उनसे संबंध विच्छेद करती हूं। साथ ही उन्हें अपनी सभी चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं और उससे सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे 7 कोई भी व्यक्ति कथित सचिन जितेंद्र चंद वे चित्रा चंद से किसी भी प्रकार का लेन-देन करता है व कोई भी कार्य करता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा 7

Ashish Chopra Advocate
Chamber-342, Dwarka District Court,
Sector 10 Dwarka, New Delhi-110075
Mob:7011855374

एडीसी ने किया ई लाइब्रेरी का उद्घाटन

सिरसा। सिरसा के अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने कहा कि विद्यालय में अध्ययन से न केवल भविष्य स्वर्णिम बनता हैं, बल्कि संस्कार और अनुशासन भी विद्यार्थी विद्यालय से ही सीखते हैं। यहां बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। एडीसी लक्षित सरीन जिला के गांव भरोखा स्कूल में डॉ. बी. आर. अंबेडकर ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। एडीसी लक्षित सरीन ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के दौरान एडीसी ने विद्यार्थियों के साथ बैठकर मिड डे मील का स्वाद भी चखा। इस दौरान उन्होंने कक्षाओं में जाकर बच्चों से संवाद किया और उनसे पाठ्यक्रम के संबंध में भी बातचीत की। उन्होंने स्कूल के एक हिस्से में बरसाती पानी से आ रही जलभराव की समस्या को भी देखा और जल्द समाधान करवाने का आश्वासन दिया। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि आज के समय में कंप्यूटर और इंटरनेट शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं, इसलिए सरकारी स्कूलों में ई-लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं आवश्यक हैं। उन्होंने स्कूल प्रशासन, शिक्षकों और पंचायत द्वारा विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और कहा कि यह प्रयास सराहनीय हैं।

केला गोदाम के लिए बागवानी विभाग दे रहा 35 प्रतिशत तक अनुदान

गुरुग्राम। प्रदेश सरकार द्वारा बागवानी के क्षेत्र को बढ़ाने के लिये विशेष अनुदान योजना लागू की गई है। जिसमें राईपनिंग चेम्बर (केला पकाने का गोदाम) पर एक लाख रुपये प्रति मीट्रिक टन लागत के आधार पर 35000 रुपये प्रति मीट्रिक टन के हिसाब से अनुदान राशि दी जा रही है। जिला बागवानी अधिकारी नेहा यादव ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि योजना के तहत अधिकतम 300 मीट्रिक टन पर एक करोड़ पांच लाख रुपये तक प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रति लाभार्थी दिए जाते है। बागवानी स्कीम का लाभ उठाने के लिए विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण व पूर्ण दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। आनलाईन पंजीकरण के माध्यम से पहले आओ व पहले पाओ के आधार पर प्राथमिकता दी जाएगी। जिला में इस योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसान फर्रूखनगर ब्लॉक में ब्लॉक बागवानी अधिकारी अरविंद कुमार के मोबाइल नंबर 9518090391, गुरुग्राम ब्लॉक में पुष्पेंद्र राजपूत के मोबाइल नंबर 9695316165, पटौदी ब्लॉक में डॉ. रविंद्र सहरावत के मोबाइल नंबर 9812344454 व सोहना ब्लॉक में अजमाइन के मोबाइल नंबर 9306014019 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

न्यायिक परिसर में 12 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन - सीजेएम

तावडू। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार, 12 जुलाई को नूंह न्यायिक परिसर सहित पुन्हाना व फिरोजपुर झिरका में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में आम नागरिक आपसी सुलह व समझौते के आधार पर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से मामले का निपटारा करवा सकते हैं। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव नेहा गुप्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन, मोटर व्हीकल एक्सीडेंट, एनडीपीएस एक्ट, फौजदारी, दीवानी, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण करवा सकता है। सीजेएम नेहा गुप्ता ने बताया कि लोक अदालत में दोनों पक्षों क सहमति से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद को निपटाया जाता है। लोक अदालत में वादी को शीघ्र व सुलभ न्याय मिलता है। कोई निर्धन परिवार है तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की तरफ से निः शुल्क कानूनी सहायता मुहैया करवाई जाती है।

जनसेवा समिति ने की नगर के चौक-चौराहों पर डस्टबिन रखने की मांग

तावडू। नगर के चौक-चौराहों सहित मुख्य मार्गो पर बन डिवाइडरों पर लोगों द्वारा कूड़ा-कचरा डाला जा रहा है। जिसको लेकर नगर की जनसेवा समिति के जागरूक सदस्यों ने नपा प्रशासन से चौक-चौराहों सहित विभिन्न जगहों पर डस्टबिन रखने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे नगर को साफ-सुथरा रखने में मदद मिलेगी और लोग कचरा इधर-उधर नहीं फेंकेंगे। जिससे नगर में स्वच्छता अभियान में बढ़ावा मिलेगा। नगर की जनसेवा समिति प्रधान रमेश शर्मा, उप प्रधान अजित सिंह रोहिल्ला, सचिव धर्मेंद्र भारद्वाज, कोषाध्यक्ष जगदीश मेहंदीरत्ता, संयोजक बलबीर जैन, संरक्षक नरेश मेहंदीरत्ता, सह सचिव, हेमंत सहरावत, सदस्य संजय जांगिड़,गौतम उर्फ गोल्डी मंगला, सतीश शर्मा,अनिल कुमार आदि का कहना है कि जब नगर में बाहरी नगरिक,अधिकारी आते हैं तो उन्हें सबसे पहले नगर के मुख्य मार्गों के डिवाइडरों सहित चौक-चौराहों पर कूड़े के ढेर दिखाई देते हैं। ये कूड़े के ढेर प्रदूषण के साथ -साथ नगर में स्वछता अभियान को भी धूमिल करते हैं। इन लोगों का कहना है कि नगर में नपा प्रशासन द्वारा चौक-चौराहों पर डस्टबिन रखने से स्वच्छता अभियान को बढ़ावा मिलेगा। वहीं कहा कि चौक-चौराहे सार्वजनिक स्थान होते हैं, जहां लोग अक्सर कचरा फेंक देते हैं। डस्टबिन यहां रखने से लोग कूड़ा चौक-चौराहों व मुख्य सड़कों के डिवाइडरों पर नहीं डालेंगे।

हरियाणा में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की होगी मॉनिटरिंग

सीएम ने रियल टाइम ट्रैकिंग पोर्टल एवं मोबाइल ऐप लॉन्च किया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मेट्रो शहरों में घर-घर कचरा उठाने को लेकर आ रही शिकायतों का समाधान करते हुए सरकार ने जनहित में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की निगरानी के लिए रियल टाइम ट्रैकिंग पोर्टल और मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया।

इस डिजिटल पहल से नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में लाइव लोकेशन के आधार पर कचरा संग्रहण के कार्य में लगी गाड़ियां और मैनपावर की सटीक जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध हो सकेगी। प्रत्येक नागरिक अपने क्षेत्र और एरिया में चलने वाली गाड़ी की लाइव ट्रैकिंग देख सकता है। वर्तमान में 37 नगर पालिकाएं इस पोर्टल पर लाइव हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री आज यहां जिला नगर आयुक्तों (डीएमसी) और नगर निगम आयुक्तों (एमसी) के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।शहरों में लेगसी वेस्ट पर सख्त निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। संबंधित अधिकारी सडक़ों की मरम्मत की मॉनिटरिंग करें। सड़कों की मरम्मत और रि-कारपेटिंग के कार्य में तेजी लाई जाए और 15 जून तक सभी सड़कों के नवीनीकरण के कार्य को पूर्ण किया जाए।उन्होंने कहा कि जिन निकायों में स्वच्छता से संबंधित नए टेंडर लग चुके हैं, मुख्यालय के अधिकारी उन निकायों का दौरा करें और कार्यों की स्थिति व प्रगति के संबंध में आगामी सात दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सैनी ने सीवरेज सफाई के दौरान होने वाली मौतों पर हैरानी व्यक्त करते हुए कहा कि सफाई से पहले सुरक्षा जांच अनिवार्य की जाए। यह चेक किया जाए कि सीवरेज में किसी प्रकार की गैस या अन्य जानलेवा रसायन की उपस्थिति न हों ताकि सीवर मैन की जान को नुकसान न हो।

हरियाणा सचिवालय की लिफ्ट में फंसे खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम शाम हरियाणा सिविल सचिवालय की वीआईपी लिफ्ट में फंसने से हड़कंप मच गया। खेल मंत्री आठ अन्य लोगों के साथ करीब पांच मिनट तक लिफ्ट में फंसे रहे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया गया कि खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम वीआइपी लिफ्ट से हरियाणा सचिवालय की सातवीं मंजिल पर स्थित कार्यालय जा रहे थे। इसी दौरान अचानक बिजली गुल हो गई और लिफ्ट बीच में ही फंस गई। बताया गया कि थोड़ी देर में बिजली तो आ भी गई, लेकिन लिफ्ट नहीं चली। मंत्री का लिफ्ट में फंसने का एक वीडियो वायरल हुआ है।

इसमें लिफ्ट में मौजूद एक व्यक्ति ने चुटकी लेकर कहते हुए दिखा कि यह लिफ्ट आधा घंटा तक फंसी रहेगी। इस पर दूसरे व्यक्ति ने कहा कि क्यों मजाक कर रहे हो। यहां हालात खराब हो रही है। जब खेल राज्यमंत्री समेत सभी लोग हंसने लगे तो पहले व्यक्ति ने कहा कि मुझे यहां का एक्सपीरियंस है भाई।

योग दिवस पर कुरुक्षेत्र में होगा राज्य स्तरीय समारोह, बाबा रामदेव कराएंगे योग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि हरियाणा में इस साल 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें योग गुरु स्वामी रामदेव शामिल हो कर एक लाख लोगों को योग करवाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सैनी चंडीगढ़ में हरियाणा योग आयोग, स्वास्थ्य विभाग तथा आयुष विभाग की बैठक के बाद पत्रकारों को योग दिवस के संबंध में जानकारी दे रहे थे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि योग दिवस को लेकर पूरा रोडमैप तैयार कर लिया गया है। इस साल कुरुक्षेत्र में योग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। जिसमें योग गुरु स्वामी रामदेव करीब एक लाख लोगों को एक साथ योग करवाएंगे। इसके अलावा प्रदेश में जिला व ब्लाक स्तर पर आयोजन किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में

21 जून तक प्रशिक्षण कार्यक्रम, योग मैराथन, योग जागरण यात्राओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग मुख्य कार्यक्रम के साथ जुड़ सकें। इसके अलावा स्कूलों, कॉलेजों व अन्य शिक्षण संस्थानों में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश के सभी सांसद, विधायक, मंत्री, निकाय तथा पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि व अधिकारी इन कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योग दिवस पर प्रदेश के लिए योग युक्त हरियाणा, नशा मुक्त हरियाणा अभियान की शुरुआत होगी। जिसे प्रदेश के कोने-कोने में चलाया जाएगा। योग दिवस के लिए पांच लाख विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो चुका है। पांच लाख अन्य विद्यार्थियों को इस अभियान के साथ जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि योग दिवस के अवसर पर ही हरियाणा में दस लाख पौधे लगाने का कार्यक्रम भी किया जाएगा।

पलवल में अवैध बांग्लादेशियों पर पुलिस का शिकंजा, 130 होंगे डिपोर्ट

एजेंसी

पलवल। पलवल जिले में पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। कैंप थाना क्षेत्र में ताजा कार्रवाई के तहत 47 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को रेस्क्यू किया गया, जिनमें 10 पुरुष, 10 महिलाएं, 14 नाबालिग लड़कियां और 13 नाबालिग लड़के शामिल हैं। हथीन उपमंडल के गांव उटावड़ में बीती 24 मई को बालाजी और कृष्णा ईंट भट्टों पर छापेमारी कर 59 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया था, जिनमें 18 महिलाएं, 20 पुरुष और 21 बच्चे शामिल थे। ये लोग पिछले 15-20 दिनों से भट्टों पर काम कर रहे थे और उनके पास फर्जी पहचान पत्र बरामद हुए थे। पुलिस ने अब तक जिले के विभिन्न स्थानों से 130 अवैध बांग्लादेशियों को रेस्क्यू किया है, जिनके खिलाफ डिपोर्ट प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस अभियान में फैक्ट्रियों, निर्माण स्थलों, होटलों, ढाबों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और किराए के मकानों की गहन जांच की गई। सीआईडी की गुप्त सूचना के आधार पर हथीन बाजार सहित अन्य क्षेत्रों में छापेमारी की गई, जहां फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद हुए। पिछले एक सप्ताह में 83 को अलग-अलग स्थानों से पकड़ा गया। पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए आधार कार्ड

और बायोमेट्रिक जांच शुरू की है। डीएसपी सदर पलवल नरेंद्र खटाना ने बताया कि अवैध अप्रवासियों के दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं और यह पता लगा रहे हैं कि वे कब और कैसे पलवल में दाखिल हुए। जिले में ऐसी कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी ताकि अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके।

खनन विभाग ने दो माह में 10 वाहन सीज कर वसूजा 16 लाख जुर्माना

आरटीए ने जनवरी माह से अब तक 1105 ओवरलोड वाहनों पर सात करोड़ से अधिक राशि का चालान किया

एजेंसी

गुरुग्राम। खनन विभाग द्वारा वर्तमान वित्त वर्ष में अप्रैल व मई माह में अभी तक 10 वाहनों को सीज किया है। इन पर 16 लाख 60 हजार 24 रुपये की पैनल्टी लगाई गयी है। साथ ही पांच एफआईआर दर्ज की गई हैं। आरटीए विभाग द्वारा जनवरी माह से अभी तक 1105 चालान कर सात करोड़ 33 लाख 63 हजार 100 रुपये का जुर्माना किया गया है। यह जानकारी खनन विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी की बैठक में दी गई। बैठक की अध्यक्षता डीसी अजय कुमार ने की।

डीसी ने खनन, पुलिस, वन

और आरटीए विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अवैध खनन के विरुद्ध संयुक्त रूप से अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध खनन वाले क्षेत्रों की पहचान कर कार्ययोजना बनाई जाए और समयबद्ध रूप से कार्रवाई की जाए। उन्होंने विशेष रूप से अरावली क्षेत्र में संयुक्त विजिट करने, अवैध खनन गतिविधियों की निगरानी करने तथा प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। बैठक में डीसी ने कहा कि राज्य सरकार खनन गतिविधियों को पारदर्शी और कानून सम्मत बनाए रखने के लिए कृतसंकल्प है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार खनन विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग स्वयं खनन गतिविधियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिले में मिट्टी के अवैध उठान की रोकथाम के लिए राज्य सरकार की मंशानुरूप सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई करें।बैठक में गुरुग्राम के एसडीएम परमजीत चहल, बादशाहपुर के एसडीएम संजीव कुमार, सीटीएम रविंद्र कुमार, सोहना के एसडीएम अखिलेश यादव, हिपा की संयुक्त निदेशक ज्योति नागपाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम फ्लाइंग ने किया उकलाना के तीन स्कूलों में औचक निरीक्षण

एजेंसी

हिसार। सीएम फ्लाइंग की टीम ने जिले के उकलाना ब्लॉक के तीन सरकारी स्कूलों में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मिड-डे मील योजना में सामान की खरीद, बिल और कैश बुक में कई अनियमितताएं पाई गईं। टीम ने इंचार्ज सुनैना के नेतृत्व में यह निरीक्षण किया। इसमें इंचार्ज सुनैना के साथ एएसआई सुरेंद्र और एचसी विजय शामिल थे। इस मौके पर राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिठमड़ा के प्रिंसिपल सतबीर सिंह, बीईओ कार्यालय के क्लर्क राहुल भी मौजूद रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीएम फ्लाइंग को उकलाना के सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील योजना में गड़बड़ियों की शिकायत मिल रही थी। इसके बाद टीम ने राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल उकलाना मंडी, राजकीय प्राथमिक पाठशाला गांव बुढ़ाखेड़ा और राजकीय उच्च विद्यालय गांव बुढ़ाखेड़ा में औचक निरीक्षण किया। सीएम फ्लाइंग टीम को राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उकलाना मंडी जांच में पाया गया कि मिड-डे मील का सामान हरहित स्टोर से नहीं, बल्कि बाजार से खरीदा जा रहा था। सामान के प्रिंटेड बिलों की जगह हस्तलिखित बिल लगाए गए थे। साथ ही, लेन-देन की कैश बुक अधूरी और अस्पष्ट पाई गई।राजकीय प्राथमिक पाठशाला गांव बुढ़ाखेड़ में भी मिड-डे मील का सामान हरहित स्टोर से नहीं, बल्कि बाजार से खरीदा गया। यहां पर भी बिल हस्तलिखित पाए गए और रिकॉर्ड में कई खामियां मिलीं। राजकीय उच्च विद्यालय गांव बुढ़ाखेड़ा में भी सामान की खरीद और बिलों में अनियमितताएं पाई गईं। रिकॉर्ड रखरखाव में लापरवाही सामने आई।

खरीफ फसलों पर किसानों को मिलेंगे ज्यादा भाव : धनखड़

एजेंसी

झज्जर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व भाजपा किसान मोर्चा के दो बार अध्यक्ष रहे ओमप्रकाश धनखड़ ने खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने और किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा जारी रखने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि सीजन की बिजाई से पहले भाव तय होने से किसान अपने हिसाब से ज्यादा लाभकारी फसल की बिजाई कर सकते हैं। धनखड़ ने बताया कि ज्वार हाइब्रिड पर 328 रुपये की बढ़ोतरी से 3699 रुपये प्रति क्विंटल, धान पर 69 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 2369 रुपये और बाजरे पर 150 रुपये की बढ़ोतरी से 2775 रुपये प्रति क्विंटल बिकेगा। रागी 596 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4886 रुपये, मक्का 175 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 2400 रुपये, अरहर 450 रुपये की बढ़ोतरी के साथ आठ हजार रुपये, मूंग 86 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 8768 रुपये, उड़द 400 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7800 रुपये, मूंगफली

480 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7263 रुपये, सोयाबीन 436 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 5328 रुपये, तिल 569 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 9846 रुपये, रामतिल 820 रुपये की बढ़ोतरी 9537 रुपये, कपास मिडिल स्टेपल 589 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7710 रुपये, कपास लांग 589 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 8110 रुपये प्रति क्विंटल के भाव सरकारी मंडियों व बिक्री केंद्रों पर मिलेंगे। धनखड़ ने कहा कि सरकार हर फसल सीजन से पहले कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइजेज की सिफारिश के आधार पर एमएसपी तय करती है।

किसान हितों में हमारी सरकार फसल लागत मूल्य का 50 प्रतिशत से ज्यादा भाव देने की नीति को भी ध्यान में रखती है। धनखड़ ने कहा कि मोदी सरकार किसान क्रेडिट कार्ड की ब्याज सब्सिडी योजना को भी आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। कांग्रेस सरकार वर्ष 2013 तक बाजरे का भाव 1250 रुपये देती थी, अब बाजरा 2775 रुपये बिकेगा। धान का भाव 1310 रुपये था अब 2369 रुपये हमारी सरकार ने किया है। इसी दूसरी फसलों की एमएसपी बढ़ाकर किसान हित में फैसले लिए गए हैं।

परशुराम जयंती का न्यौता देने गुरुग्राम पहुंचे मंत्री अरविंद शर्मा

(ज्योति दर्पण)

गुरुग्राम। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने गुरुग्राम में लोगों को भगवान परशुराम जयंती का निमंत्रण दिया। इस मौके पर आदर्श ब्राह्मण सभा की अगुवाई में ब्राह्मण समाज की विभिन्न संस्थाओं से उनका नागरिक अभिनंदन भी किया गया। यह कार्यक्रम शक्ति पार्क स्थित भगवान परशुराम वाटिका में आयोजित किया गया। यहां पूर्व चेयरमैन जीएल शर्मा की अगुवाई में ब्राह्मण समाज की विभिन्न संस्थाओं की ओर से मंत्री अरविंद शर्मा को सम्मान स्वरूप पगड़ी और भगवान परशुराम का प्रतीक फरसा भेंट किया गया। मंत्री अरविंद शर्मा ने संस्थाओं का आभार जताया और 30 मई को ज्यादा से ज्यादा संख्या में भगवान परशुराम जन्मोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता के पुरोधा भगवान परशुराम ने सर्व समाज के कल्याण और भलाई के कार्य किए। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिग है।

उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज वर्ष गुरुग्राम में भगवान परशुराम जयंती पर सामाजिक समरसता सम्मेलन आयोजित करते हैं। आज

आज भगवान परशुराम की शिक्षाओं को अंगीकार कर रहा है। उन्होंने पूर्व चेयरमैन जीएल शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि जीएल शर्मा हर सनातन को एकजुट करने का इससे बड़ा कोई माध्यम नहीं है। अरविंद शर्मा ने इस अवसर पर ब्राह्मण समाज को एक नारा भी दिया, जिसमें सर्व समाज के कल्याण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शहीदों व सैनिकों के सम्मान में, भगवान परशुराम जी की शान में, 36 बिरादरी के कल्याण में, ब्राह्मण है मैदान में।

मंत्री अरविंद शर्मा ने संस्थाओं का आभार जताया और 30 मई को ज्यादा से ज्यादा संख्या में भगवान परशुराम जन्मोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व चेयरमैन जीएल शर्मा ने मंत्री अरविंद शर्मा को भरोसा दिया कि रोहतक में आयोजित होने वाले भगवान परशुराम के जन्मोत्सव समारोह में गुरुग्राम से सर्व समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि राज्यस्तरीय यह कार्यक्रम भव्य होगा। इस मौके पर भारतीय जनता मजदूर सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित जीएल शर्मा ने भी अपने विचार रखे।

चेयरपर्सन सरोज राठी 30 मई को करेगी लगभग 2 करोड़ से होने वाले डिवाइडर के सौंदर्यीकरण के कार्य का शुभारंभ

बहादुरगढ़। नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी द्वारा शुक्रवार को दिल्ली रोहतक रोड पर मेट्रो के नीचे बने डिवाइडर के सौंदर्यीकरण के कार्य का शुभारंभ किया जाएगा। चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले काफी समय से मेट्रो के नीचे बने डिवाइडर का सौंदर्यीकरण करने की मांग की जा रही थी। प्रतिनिधि ने बताया कि नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी द्वारा 30 मई शुक्रवार को सुबह 9 बजे नगर परिषद कार्यालय के नजदीक दिल्ली रोहतक रोड पर लगभग 2 करोड़ रुपए (1, 98,80,713) की धनराशि से डिवाइडर के होने वाले सौंदर्यीकरण के कार्य का शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर पार्टी के जिला अध्यक्ष,भाजपा नेता , पार्षद एवं पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

हरियाणा में सीईटी के आवेदन शुरू, आयोग ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने सीईटी आवेदन के लिए पोर्टल खोल दिया है। प्रदेश के युवाओं ने पोर्टल पर आवेदन शुरू कर दिए हैं। इस बीच युवाओं की मदद के लिए चयन आयोग ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी कर दिया है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा कि अभ्यर्थी सीईटी पंजीकरण से जुड़ी किसी प्रकार की भी जानकारी लेना चाहते हैं तो वह सीईटी हेल्पलाइन नंबर 9063493990 पर कॉल कर सकते हैं। उन्होंने हर तरह की जानकारी मुहैया करवाई जाएगी। हिम्मत सिंह ने कहा कि यह नंबर केवल सीईटी के लिए ही चलाया गया है। इस प्रकार किसी अन्य प्रकार की जानकारी नहीं दी जाएगी। इस बीच आयोग के सदस्य भूपेंद्र चौहान ने ऑनलाइन आवेदन कर रहे अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे आवेदन प्रक्रिया के दौरान पूरी सावधानी बरतें और आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि सबसे पहले अभ्यर्थी को आयोग की ओर से जारी विस्तृत अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए, जिससे उसे पात्रता मानदंड, आवश्यक तिथियों और आवेदन की प्रक्रिया की पूरी जानकारी मिल सके। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन शुरू करने से पहले अभ्यर्थियों को सभी आवश्यक दस्तावेज, जैसे शैक्षणिक प्रमाण पत्र, श्रेणी प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो और हस्ताक्षर की स्कैन प्रतियां निर्धारित फॉर्मेट में तैयार रखनी चाहिए। आवेदन पत्र में व्यक्तिगत और शैक्षणिक विवरण बिल्कुल सही भरें तथा जन्मतिथि, माता-पिता का नाम, अंक आदि की दोबारा पुष्टि अवश्य करें। चौहान ने कहा कि कई बार अभ्यर्थी आवेदन करते समय जल्दबाजी में गलतियां कर बैठते हैं, जैसे गलत श्रेणी चुनना, फोटो की जगह हस्ताक्षर अपलोड करना या गलत फॉर्मेट में दस्तावेज भेजना। इससे उनका आवेदन रद्द हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आधार कार्ड का विवरण भरना और उसकी प्रति अपलोड करना अनिवार्य है। आवेदन से पहले संपूर्ण विवरण का पूर्वावलोकन जरूर करें और सुनिश्चित करें कि सभी जानकारियां सही हैं।

डीआरआई ने पूर्वोत्तर में 23.5 करोड़ रुपये की हेरोइन और मेथामफेटामाइन की जब्त, 4 तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए जारी प्रयासों के तहत राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने असम राइफल्स के साथ मिलकर मणिपुर और असम में दो अलग-अलग अभियानों में करीब 23.5 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित दवाएं जब्त की हैं। इसके अलावा तस्करी में शामिल 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी पर कार्रवाई के तहत राजस्व खुफ़िया निदेशालय (डीआरआई) ने 19 बीएन असम राइफल्स की सहायता से 21 मई, 2025 को राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर मणिपुर के नोनी में एक ट्रक के निचले हिस्से में से 569 ग्राम हेरोइन और 1,039 ग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियों के पैकेट जब्त किए है। मंत्रालय ने कहा कि एक अन्य अभियान के तहत डीआरआई ने 22 मई को असम के हैलाकांडी जिले के एलोइचेरा में एक ट्रक के बेडलोड फ्लोर में से 2,640.53 ग्राम हेरोइन के पैकेट जब्त किए। मंत्रालय ने बताया कि एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत जब्त की गई इन प्रतिबंधित दवाओं की कीमत अंतरराष्ट्रीय ग्रे ड्रग मार्केट में करीब 23.5 करोड़ रुपये है। इस मामले में 4 व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

डार क्रेडिट एंड कैपिटल: मजबूत लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। पर्सनल लोन, सिक्योर्ड और अनसिक्योर्ड एमएसएमई लोन मुहैया कराने वाली कंपनी डार क्रेडिट एंड कैपिटल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली के दबाव के कारण इस शेयर पर लोअर सर्किट लग गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 60 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 8.58 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 65.15 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग से खुश निवेशकों की खुशी उस समय फीकी पड़ गई, जब लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये शेयर गिरकर 61.90 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी भी 3.17 प्रतिशत के मुनाफे में हैं। डार क्रेडिट एंड कैपिटल का 25.66 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 106.09 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 31.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 208.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 104.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

मजबूत लिस्टिंग के बाद मुनाफावसूली के दबाव में फिसले बेलराइज इंडस्ट्रीज के शेयर

नई दिल्ली। ऑटोमोटिव पार्ट्स बनाने वाली कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि मजबूत लिस्टिंग के बाद मुनाफावसूली होने की वजह से आईपीओ निवेशकों की खुशी कुछ ही देर में फीकी भी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 90 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी एंट्री 11 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 98.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 102.40 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसमें गिरावट आ गई। बाजार में सुबह 10~30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 3.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 93.31 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। बेलराइज इंडस्ट्रीज का 2,150 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 43.14 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

नई निसान मैग्नाइट सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के साथ भी उपलब्ध

अहमदाबाद। निसान मोटर इंडिया की लोकप्रिय एसयूवी नई निसान मैग्नाइट अब सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के साथ भी उपलब्ध होगी। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने यहां जारी अपने बयान में कहा कि सीएनजी किट को देश के नियामकीय मानकों के अनुरूप मोटोजेन (थर्ड पार्टी) द्वारा डेवलप, मैन्यूफैक्चर और क्वालिटी एश्योर किया गया है। मोटोजेन किट के कंपोनेंट्स के लिए वारंटी देगी। यह पहल ग्राहकों को ध्यान में रखकर समाधान देने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दिखाती है। सरकार द्वारा अधिकृत फिटमेंट सेंटर पर किट को लगाया जाएगा। पर्यावरण के प्रति सचेत ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश की गई इको फ्रेंडली सीएनजी किट फिटमेंट को चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में उपलब्ध कराया जाएगा।

यूनीफाइड डाटा टेक ने निवेशकों को किया निराश, मजबूत लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में लुढ़के शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर को आईटी सर्विस देने वाली कंपनी यूनीफाइड डाटा टेक सॉल्यूशंस के शेयरों की आज प्रीमियम लिस्टिंग हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण आईपीओ निवेशकों की खुशी फीकी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 273 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 4.40 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 285 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने से इस शेयर में गिरावट आ गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर इश्यू प्राइस से 45 पैसे की कमजोरी यानी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 272.55 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। यूनीफाइड डाटा टेक सॉल्यूशंस का 144.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 26 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 91.12 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 83.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 212.43 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 43.62 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत कोई नया शेयर जारी नहीं किया गया है। इस आईपीओ के जरिये 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52.92 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 9.71 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 10.40 करोड़ रुपये और 2023-24 में 25.13 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 67 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउमंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 266.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की बात करें तो पहले 11 महीने के दौरान कंपनी को 31.68 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 203.66 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी थी।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। दिन भर दबाव में कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में मामूली तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से दोनों बेंचमार्क इंडेक्स लाल निशान में गिर गए। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए आज दिन भर के कारोबार के दौरान डिफेंस और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, एफएमसीजी, मेटल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स ने आज 0.50 प्रतिशत की छलांग लगाई।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 4 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 444.69 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.65 लाख करोड़ रुपये था।

हिंडनबर्ग मामले में लोकपाल ने पूर्व सेबी प्रमुख बुच को दी 'क्लीन चिट'

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। लोकपाल ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व अध्यक्ष माधबी पुरी बुच को क्लीन चिट दे दी है। इसके साथ ही हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को भी खारिज कर दिया। लोकपाल ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ शिकायतों का निपटारा करते हुए उनपर लगे आरोपों को अप्रमाणित और तुच्छ बताया। इसके साथ ही कहा कि ये आरोप बिना सत्यापन योग्य साक्ष्य के अनुमान पर आधारित थे। इन्हें लेकर किसी जांच की जरूरत नहीं है। भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों की जांच करने वाली संस्था ने कहा कि यह आरोप पूरी तरह से धारणा पर आधारित है और उसके समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं। लोकपाल ने कहा कि पिछले साल दर्ज की गई तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा समेत अन्य सभी की शिकायतें मूल रूप से एक निवेश कंपनी की रिपोर्ट पर

आधारित थीं। रिपोर्ट में पूरा ध्यान अदाणी समूह की कंपनियों को 'बेनकाब' करने या जांच के घेरे में लाने पर था। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च ने 10 अगस्त, 2024 को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि माधबी पुरी बुच और उनके पति ने कुछ विदेशी फंड्स में हिस्सेदारी रखी थी, जो कथित रूप से अडाणी समूह के खिलाफ चल रहे धनशोधन की जांच से जुड़े थे। हालांकि, बुच और उनके पति ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि हिंडनबर्ग ने उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए यह हमले किए हैं।

बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शेयर पहले दिन के कारोबार में आठ फीसदी चढ़ा

एजेंसी

मुंबई। पुणे स्थित ऑटोमोटिव कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर ने घरेलू शेयर बाजार में जोरदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर 90 रुपये के इश्यू प्राइस की तुलना में 11 फीसदी से अधिक प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुए। हालांकि, बाजार में सूचीबद्धता के दिन कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य से आठ फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शेयर 90 रुपये के निर्गम मूल्य से 9.44 फीसदी की तेजी के साथ 98.50 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान यह 14.66 फीसदी उछलकर 103.20 रुपये पर पहुंच गया था। हालांकि, अंत में यह 8.18 फीसदी की तेजी के साथ 97.37 रुपये के भाव पर बंद हुआ है, जो पेशकश मूल्य से 8.19 फीसदी ऊपर था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का

शेयर 100 रुपये पर खुला और 90 रुपये के निर्गम मूल्य की तुलना में 11.11 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार के दौरान 102.4 रुपये के उच्चतम स्तर और 91.55 रुपये के निम्नतम स्तर को छूते हुए 8.23 फीसदी की बढ़त के साथ 97.41 रुपये पर बंद हुआ। वॉल्यूम के संदर्भ में एनएसई पर कंपनी के शेयर ने 19.84 करोड़ शेयरों और बीएसई पर 2.01 करोड़ शेयरों के साथ कारोबार किया। बेंचमार्क सूचकांकों में कमजोरी के बावजूद 8 फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की है। कारोबार के अंत में कंपनी का शेयर कारोबार के पहले सत्र में ही 8,664.75 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ बंद हुआ।

लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 400 रुपये से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,040 रुपये से लेकर 97,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 88,950 रुपये से लेकर 89,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज मामूली गिरावट आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये

प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ट्राई ने छह गीगाहर्ट्ज, ई एवं वी बैंड में स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए जारी किया परामर्श पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने निचले 6 गीगाहर्ट्ज, 7 गीगाहर्ट्ज, 13 गीगाहर्ट्ज, 15 गीगाहर्ट्ज, 18 गीगाहर्ट्ज, 21 गीगाहर्ट्ज बैंड, ई-बैंड और वी-बैंड में माइक्रोवेव स्पेक्ट्रम के आवंटन पर परामर्श पत्र जारी किया है। संचार मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि ट्राई ने निचले 6 गीगाहर्ट्ज, 7 गीगाहर्ट्ज, 13 गीगाहर्ट्ज, 15 गीगाहर्ट्ज, 18 गीगाहर्ट्ज, 21 गीगाहर्ट्ज बैंड के साथ-साथ ई एवं वी बैंड में स्पेक्ट्रम के आवंटन पर परामर्श पत्र जारी किया है। ट्राई ने टिप्पणियों के लिए अंतिम तारीख 25 जून तथा जवाबी टिप्पणियों के लिए अंतिम तिथि 9 जुलाई तय की है। नियामक ने कहा, ''6 गीगाहर्ट्ज (निम्न), 7 गीगाहर्ट्ज, 13 गीगाहर्ट्ज, 15 गीगाहर्ट्ज, 18 गीगाहर्ट्ज, 21 गीगाहर्ट्ज बैंड, ई-बैंड और वी-बैंड में स्पेक्ट्रम के आवंटन पर जारी परामर्श पत्र हितधारकों से टिप्पणियां तथा जवाबी टिप्पणियां मांगने के लिए नियामक की वेबसाइट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है।''दूरसंचार विभाग (डॉट) ने 12 अगस्त, 2022 के एक पत्र के जरिए ईएंडवी बैंड तथा माइक्रोवेव एक्सेस (एमडब्ल्यूए) के साथ-साथ उक्त आवृत्ति बैंड में माइक्रोवेव बैकबोन (एमडब्ल्यूबी) स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए सिफारिशें प्रदान करने के लिए ट्राई से संपर्क किया था। इसके बाद ट्राई ने ईएंडवी बैंड में स्पेक्ट्रम के आवंटन तथा माइक्रोवेव एक्सेस (एमडब्ल्यूए) और माइक्रोवेव बैकबोन (एमडब्ल्यूबी) पर एक परामर्श पत्र जारी किया है, ताकि इस विषय पर हितधारकों की टिप्पणियां मांगी जा सकें।

देश के औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार अप्रैल में सुस्त पड़कर 2.7 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर की रफ्तार अप्रैल में विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन की वजह से सुस्त पड़कर 2.7 फीसदी रह गयी। अप्रैल, 2024 में यह 5.2 फीसदी की दर से बढ़ा था। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर की रफ्तार अप्रैल में सुस्त पड़कर 2.7 फीसदी रही है। आईआईपी के संदर्भ में मापा गया औद्योगिक उत्पादन अप्रैल, 2024 में 5.2 फीसदी बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जारी आंकड़ों में मार्च के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के

अनुमान को संशोधित कर 3.9 फीसदी कर दिया है, जबकि पिछले महीने जारी आंकड़ों में ये अनुमान तीन फीसदी था। आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि अप्रैल में थोड़ी कम होकर 3.4 फीसदी रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.2 फीसदी थी। खनन उत्पादन में 0.2 फीसदी की गिरावट आई है, जिसमें एक साल पहले 6.8 फीसदी की वृद्धि हुई थी। इसके अलावा बिजली उत्पादन की वृद्धि दर भी अप्रैल, 2025 में धीमी होकर एक फीसदी रह गई है, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 10.2 फीसदी थी। मंत्रालय ने बताया कि संशोधित कैलेंडर के अनुसार औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का त्वरित अनुमान अब हर महीने की 28 तारीख को (या 28 तारीख को छुट्टी होने पर अगले कार्य दिवस पर) जारी किया जाएगा। यह सूचकांक स्रोत एजेंसियों से प्राप्त आंकड़ों के साथ संकलित किया जाता है, जो बदले में उत्पादक कारखानों/प्रतिष्ठानों से डेटा प्राप्त करते हैं। आईआईपी की संशोधन नीति के अनुसार इन त्वरित अनुमानों को बाद की रिलीज़ में संशोधित किया जाएगा।

इंडिगो एयरलाइन के नए चेयरमैन होंगे विक्रम सिंह मेहता, वेंकटरमणी सुमंत्रन का स्थान लेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एवं बजट एयरलाइन इंडिगो ने विक्रम सिंह मेहता को नए चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया है, जो वेंकटरमणी सुमंत्रन का स्थान लेंगे। मेहता मई, 2022 से इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) के बोर्ड के सदस्य हैं।इंडिगो के चेयरमैन मेहता सुमंत्रन ने बोर्ड सदस्य के रूप में अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। सुमंत्रन को मई, 2022 में अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने कोविड के बाद पिछले तीन वर्षों में इंडिगो की मजबूत रिकवरी और अविश्वसनीय वृद्धि के दौरान बोर्ड का मार्गदर्शन किया। नए चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता मई, 2022 से इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) के बोर्ड के सदस्य हैं। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। उन्होंने

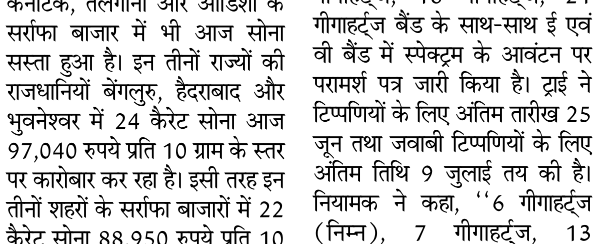

भारत में शेल ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के अध्यक्ष और मिस्र में शेल मार्केट्स और शेल केमिकल्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में काम किया है। उन्होंने विभिन्न कंपनियों के बोर्ड में भी काम किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफन कॉलेज से गणित में स्नातक मेहता ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से राजनीति और अर्थशास्त्र में तथा टफ्ट्स विश्वविद्यालय से ऊर्जा अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि भी हासिल की है।

गेहूं की तरह बोएं धान, कम होगी लागत, उपज भी होगी बराबर

एजेंसी

लखनऊ। कृषि विशेषज्ञों की राय है कि धान की फसल भी गेहूं की तरह सीधे लाइन से बोआई कर नर्सरी से लेकर पलेवा तक का खर्च बचाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि खरीफ की मुख्य फसल धान है। नर्सरी में तैयार पौधों को कुशलता से निकालना, इनकी रोपाई के लिए खेत की तैयारी, फसल संरक्षा के उपायों से लेकर फसल की कटाई और मड़ाई तक का काम काफी श्रमसाध्य है। स्वाभाविक है इस सबमें अच्छी खासी लागत आती है। विशेषज्ञों का मानना है कि धान की फसल भी गेहूं की तरह सीधे लाइन से बोआई कर नर्सरी से लेकर पलेवा तक का खर्च बचाया जा सकता है। जीरो सीड ड्रिल, हैप्पी सीडर से बोआई आसान भी है। यही नहीं इसके जरिए बोआई के दौरान खाद और बीज एक साथ गिरने से पौधों को खाद की उपलब्धता भी बढ़ जाती है। फसल के लाइन से उगने के कारण फसल संरक्षा के उपाय में भी आसानी होती है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश सरकार लाइन सोइंग के लाभों से किसानों को लगातार जागरूक कर रही है। सरकार का तो यहां तक भी प्रयास है कि जिस फसल के लाइन सोइंग उपयुक्त है उनको किसान लाइन से बोएं। जिनको बेड बनाकर बोना है उनको बेड बनाकर बोएं। इनमें उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों पर सरकार 50 प्रतिशत तक अनुदान भी देती है।

विदेशी सामानों के उपयोग से परहेज करने के लिए प्रधानमंत्री की अपील का व्यापारियों ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेशी उत्पादों से परहेज करने की अपील का समर्थन और स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत' के प्रति उनके अटूट संकल्प को दर्शाती है। एक ऐसा भारत, जहां देशवासी स्वयं के बनाए उत्पादों का निर्माण, उपभोग और निर्यात करें। चांदनी चौक से भाजपा के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह अपील न केवल अर्थव्यवस्था से जुड़ी है, बल्कि यह आत्म-सम्मान, आर्थिक स्वतंत्रता और हमारे देश के स्थानीय उत्पादकों एवं व्यापारियों के सशक्तिकरण का आह्वान है। उनकी अपील को कारगर बनाने के लिए जरूरी है कि व्यापारियों एवं निर्माताओं को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विजन के तहत सिंगल विंडो व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए, जिससे उनकी विभिन्न विभागों से संबंधित विषयों का एक ही स्थान पर हल हो सके। साथ ही कर एवं अन्य कानूनों एवं नियमों के पालन का बोझ भी कम से कम हो तथा इसके साथ ही आम उपयोग में आने वाली वस्तुएं जो विदेश से आती हैं, उन पर ड्यूटी का अधिभार ज्?यादा हो। इससे उनका आयात कम होगा और भारतीय सामान का निर्माण एवं उपयोग अधिक हो सकेगा। कैट महामंत्री यह भी कहा कि प्रधानमंत्री की अपील का मूल भाव यह है कि भारतीय उत्पादों के ही उपयोग की श्रृंखला को शुरू करने हेतु हम कम से कम रोजमर्रा की जरूरतों के लिए स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करें, जिससे इस दिशा में एक सशक्त कदम तो बढ़े। अभी कुछ वस्तुओं के निर्माण हेतु हमें विदेशी निर्यात पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसी वस्तुओं के स्वदेशी निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाये जाएं। खंडेलवाल ने यह भी कहा की ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा विदेशी सामान बेचा जा रहा है, उन पर भी कढ़ाई से लगाम कसी जाए। खंडेलवाल ने कहा कि यह अपील छोटे व्यापारियों, लघु उद्योग और विनिर्माताओं की भावना से पूरी तरह मेल खाती है, जो वास्तव में भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। हर विदेशी उत्पाद जिसे हम देशी विकल्प से बदलते हैं, वह हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, रोजगार पैदा करता है और आयात पर हमारी निर्भरता को कम करता है। उन्होंने कहा कि यह एक निर्णायक क्षण है। भाजपा सांसद ने जोर देते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, जब आपूर्ति श्रृंखलाएं बदल रही हैं और देश विश्वसनीय साझेदारों की तलाश में हैं। भारत को इस अवसर का लाभ उठाते हुए वैश्विक विनिर्माण और सेवा केंद्र बनने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए । हमें अब 'स्वदेशी' को केवल भावना नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आर्थिक रणनीति बनाना होगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से आह्वान किया कि वे सोच-समझकर खरीदारी करें और दैनिक आवश्यकताओं, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, खिलौने, फर्नीचर से लेकर डिजिटल सेवाओं तक, हर क्षेत्र में भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। इसके साथ ही उन्होंने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स, रिटेलर्स और कॉर्पोरेट्स से आग्रह किया कि वे अपने प्लेटफ़ॉर्म और दुकानों पर भारतीय उत्पादों को प्रमुखता दी जाए। खंडेलवाल ने कहा यदि घरेलू मांग विदेशी उत्पादों से हटकर भारतीय उत्पादों की ओर मुड़ती है तो एमएसएमई और स्थानीय विनिर्माताओं को बड़ा लाभ मिलेगा। अब समय आ गया है कि भारतीय उपभोक्ता 'वोकल फॉर लोकल' के ब्रांड एंबेसडर बनें। इसके लिए सरकार को भी नीति समर्थन, सरकारी खरीद में प्राथमिकता और प्रोत्साहन देना चाहिए, ताकि देश में उत्पादन को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि यह एक निर्णायक क्षण है।

शरीर में मैग्नीशियम की कमी है तो डाइट में शामिल करेंये 5 चीजें

मैग्नीशियम की कमी होने पर मांसपेशियों का कमजोर होना, हार्ट हेल्थ दुरुस्त न होना, अस्थमा जैसी समस्याएं होने लगती हैं. तो इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आपको अपनी डाइट में बदलाव करने पड़ेंगे. तो चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि मैग्नीशियम की कमी को दूर करने के लिए आप अपनी लाइफस्टाइल में क्या चेंज कर सकते हैं.

शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए कई पोषक तत्वों की जरूरत होती है. इन्हीं पोषक तत्वों में से एक है मैग्नीशियम जिसकी कमी की वजह से मांसपेशियों में कमजोरी आना या अस्थमा जैसी समस्याओं का समस्या करना पड़ सकता है. मैग्नीशियम हमारे शरीर के लिए एक जरूरी खनीज है. इसके अलावा ये एनर्जी के बनने, मांसपेशियों और नसों के काम करने में मदद, हड्डियों को हेल्दी रखने समेत कई जगहों पर काम आता है. इसकी कमी होने पर ब्लड प्रेशर तक प्रभावित होता है.ये इंसुलिन पर भी असर डालता है इसलिए ये ब्लड शुगर कंट्रोल में भी भूमिका निभाता है. बाजार में इसकी कमी को दूर करने के लिए कई प्रोडक्ट्स या दवाएं मौजूद हैं लेकिन आप खानपान में बदलाव करके भी इस न्यूट्रिएंट का इंटेक शरीर में बढ़ा सकता है. मैग्नीशियम खाने की कई सारी चीजों में होता है. तो चलिए जानते हैं कौन से वो फूड्स हैं जिन्हें खाने से आपके शरीर में मैग्नीशियम की कमी दूर होती है.

मैग्नीशियम की कमी को पूरा करने के लिए डाइट में शामिल करें ये 5 चीजें

कद्दू के बीज है काम की चीज

कद्दू के बीज को अक्सर लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं पर इसमें मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है जिसकी वजह से इसे खाने से मैग्नीशियम की कमी पूरी होती है. आप इसे धूप में सुखाकर रोस्ट करके रोजाना खा सकते हैं इससे आपके शरीर में मैगनिशियम की कमी दूर होती है.

चिया सीड्स भी हैं लिस्ट में

चिया सीड्स केवल वजन घटाने के ही काम नहीं आते हैं. बल्कि इनमें माइक्रो न्यूट्रिऐंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं उनमें से एक है मैग्नीशियम. इसलिए शरीर में मैग्नीशियम की कमी होने पर आप चिया सीड्स को डाइट में शामिल कर सकते हैं.

डार्क चॉकलेट से बढ़ेगा मैग्नीशियम

अगर शरीर में मैग्नीशियम की कमी है तो आप डार्क चॉकलेट को खा सकते हैं. क्योंकि डार्क चॉकलेट में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है इसलिए इसका सेवन करने से मैग्नीशियम की कमी दूर हो जाती है.

ड्राई फरूट्स को करें डाइट में शामिल

मैग्नीशियम की कमी को दूर करने के लिए आप अपनी डाइट में काजू, बादाम और अखरोट जैसे ड्राई फरूट्स को शामिल कर सकते हैं. इससे आपके शरीर को एनर्जी मिलती है. ड्राई फरूटस को गर्मियों के मौसम में खाने से पहले उन्हें पानी या दूध में भिगोकर खाना चाहिए. क्योंकि उनकी तासीर गर्म होती है.

केला बढ़ाता है मैग्नीशियम

केले में पोटैशियम के साथ-साथ मैग्नीशियम भी अच्छी मात्रा में होता है. इसलिए रोजाना सुबह 2 केलों का सेवन करने से शरीर में मैग्रीशियम की कमी को दूर किया जा सकता है.

अगर आप भी ऊपर बताए गए फूड्स को अपनी डाइट में शामिल कर लेते हैं तो आपका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दुरुस्त रहता है. शरीर में मैग्नीशियम की कमी को दूर करने के लिए आप इन फूड्स को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं इससे शरीर में एनर्जी और इम्युनिटी बुस्ट होती है.

शराब पीने की रफ्तार गिरने लगी

जहां बंदिश है वहां राजस्व का या कथित विकास का क्या नुकसान हो रहा है यह हिसाब उंगलियों पर गिनवा दिया जाता है। लेकिन जगह-जगह शराब के खिलाफ आंदोलन भी हों रहे है, खासकर महिलाओं की तरफ से। जिन घरों के पुरुष अपनी कमाई और स्वास्थ्य शराब की भेंट चढ़ा देते हैं उस घर को चलाना महिलाओं के लिए कितना मुश्किल होता है यह कोई नहीं सोचता।अब बिहार के जानकार लोग तो यह बात नहीं मानेंगे कि शराब की बिक्री की रफ्तार कुछ कम होने में उनके प्रदेश की शराबबंदी का भी योगदान है, असल में ऐसा हो सकता है। देश में शराब की मांग जहां तीन साल पहले बारह फीसदी की रफ्तार से बढ़ी वह अब गिरकर चार फीसदी और फिर दो फीसदी हो चुकी है और इस कारोबार के लोग इसे भी राहत की खबर ही मान रहे हैं क्योंकि वैश्विक स्तर पर शराब की खपत में एक फीसदी साल की कमी आती जा रही है। और यह कमी शराब कंपनियों की उत्पादन क्षमता घटाने या ब्रांड प्रोमोशन में ढील देने के चलते नहीं आ रही है। माना जाता है कि यह औसत क्रय शक्ति कम होने और शराब की कीमत के आबादी के एक हिस्से की क्रय शक्ति से बाहर होने के चलते हो रहा है। ये लोग दूसरी ओर सस्ती चीजों से नशा की लत शांत कर रहे होंगे, यह सामान्य अनुमान है। इसमें अधिक मारक ड्रग और घटिया कच्ची शराब शामिल है। इनके दुष्प्रभाव जगजाहिर हैं और अपने यहां, खासकर नशाबंदी वाले बिहार और गुजरात में, अक्सर कच्ची शराब पीने से मौत की खबरें आती हैं और ऐसे लोग शासन की चिंता से बाहर हो चुके हैं।

अपने यहां जो कमी आ रही है वह मुख्यत~ शराब पर भारी कर लगाने से आ रही है। जीएसटी लागू होने के बाद से ज्यादातर राज्यों के राजस्व में कमी आई है। खर्च के आइटम बढ़ते ही जा रहे हैं, खासकर लोकलुभावन कार्यक्रमों से चुनाव जीतने की होड़ बढ़ने के कारण। सो सबको राजस्व बढ़ाने का एक ही सरल तरीका दिखता है- शराब की बिक्री बढ़ाओ और उस पर ज्यादा कर लगाकर खजाना भरो। दिल्ली में हमने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकली आप की सरकार के इस खेल में शामिल होने का तमाशा देखा है। अब भाजपा सरकार ने बिक्री और उपलब्धता में किसी किस्म की सख्ती की हो इसकी सूचना नहीं है। ठीक उलटी सूचना पड़ोस के उत्तर प्रदेश की है जो आज देश में न सिर्फ सबसे ज्यादा शराब बेचता है बल्कि जिसकी बिक्री बढ़ाने की रफ्तार भी सबसे तेज है। योगी राज शुरु होते समय जो राजस्व 17250 करोड़ था वह अब पचास हजार करोड़ तक पहुंच चुका है। यही नहीं, इस सरकार की शराब के ठेकों की नीलामी नीति को भी शराब के व्यापार के लोग सबसे अनुकूल पाते हैं। नोएडा और गाजियाबाद देश में शराब की सबसे ज्यादा और तेज वृद्धि वाले जिले हैं।

व्यापार के जानकार मानते हैं कि जो दुनिया का ट्रेंड है वह हमारे यहां भी है। लेकिन दो वजहों से हमारे यहां अभी कमी या गिरावट नहीं दिखती। गरीबी, क्रय शक्ति में कमी और घटिया नशा का रिकार्ड तो हमारा ही ज्यादा खराब है। लेकिन हमारे समाज में अब तक महिलाओं के शराब पीने का बुरा माना जाता था। आज समाज के एक समूह मे महिलाओं में शराब पीने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। बीते तीन दशक के उदारीकरण से पैदा और मजबूत हुआ यह वर्ग इससे लाभान्वित है और भारी कमाई वाले काम कर रहा है। इनमें लड़कियों की संख्या भी काफी है। शराब की खपत बढ़ाने वाला एक जमात यह भी है। एक दूसरा कारण विदेशी ब्रांड के शराब की उपलब्धता सुलभ होना है। कभी विदेशी शराब पर 350 फीसदी तक का सीमा शुल्क लगता था। आज यह सस्ता हुआ है या देश में ही उसका उत्पादन होने लगा है। इसके चलते भी मांग बढ़ी है। रम की बिक्री में सालाना एक फीसदी की वृद्धि हुई है, ब्रांडी में ढाई फीसदी तो वोदका में 19 फीसदी और जिन में पंद्रह फीसदी वृद्धि की रफ्तार है। व्हिस्की की मांग जरूर सबसे ज्यादा बनी हुई है और उसमें कमी आती नहीं दिखती। युवा वर्ग में शान, फैशन और मेलजोल का माध्यम बनने से भी शराब की लोकप्रियता और खपत बढ़ रही है।

शराब व्यवसाय से जुड़े लोगों का मानना है कि उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा (जहां शराब अपेक्षाकृत सस्ती मिलती है) जैसे राज्यों में खपत ठीक रहने की वजह उदारीकरण से अमीर हुए वर्ग का यहां सिमटना भी बदलाव का एक पक्ष है। शराब की खपत या नशे का चलन हर कहीं बढ़ा है लेकिन अमीरी से शराब की बिक्री का सीधा रिश्ता है और शराब की खपत के साथ की और चीजों की मांग और खपत भी बढ़ती है। मांसाहार ऐसी एक चीज है। बढ़ने को तो उत्तर प्रदेश के हर जिले में शराब की मांग बढ़ी है (बिहार के सीमावर्ती जिलों में और भी ज्यादा) लेकिन गाजियाबाद और नोएडा का जोड़ नहीं है। हरियाणा में भी गुड़गांव और फरीदाबाद सबसे आगे है। जाहिर तौर पर बाजार इससे खुश है लेकिन बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है जो लागत, कीमत और टैक्स बढ़ाने से महंगी हुई शराब नहीं ले पा रहा है। यह जमात बढ़ता जा रहा है। अनाज की कीमतों, न्यूट्रल अल्कोहल और कांच समेत पैकेजिंग के अन्य मटेरियल की कीमत बढ़ाने से शराब उद्योग पर भी जोर बढ़ा है। सरकार और उसके पास दाम और टैक्स बढ़ाने का विकल्प है लेकिन सोने के अंडों की चाह में मुर्गी हलाल हुई तो कुछ भी नहीं मिलेगा।इसके साथ ही यह भी सच है कि शराब पीने से जुड़े उत्पाद भी बढ़ते गए हैं-खासकर कमजोर और दिहाड़ी करने वाले वर्ग में। जहां ठेकों से सस्ती शराब का विकल्प है वहां भी वह क्या नुकसान करती है इस बारे में कोई अध्ययन करने या कराने की फुरसत किसी को नहीं है। जहां बंदिश है वहां राजस्व का या कथित विकास का क्या नुकसान हो रहा है यह हिसाब उंगलियों पर गिनवा दिया जाता है। लेकिन जगह-जगह शराब के खिलाफ आंदोलन भी हों रहे है, खासकर महिलाओं की तरफ से। जिन घरों के पुरुष अपनी कमाई और स्वास्थ्य शराब की भेंट चढ़ा देते हैं उस घर को चलाना महिलाओं के लिए कितना मुश्किल होता है यह कोई नहीं सोचता। लेकिन जब जहरीली शराब और जैसे तैसे बनाई अवैध शराब बड़े पैमाने पर जान लेती है तो सभी आंसू बहाने आ जाते है और फिर दूसरे दिन सब भूल भी जाते हैं।

संपादकीय

दो दिन का दौरा और ढेरों गलतियां

26 और 27 मई को दो दिन के गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने वडोदरा, दाहोद, भुज, कच्छ, गांधीनगर तमाम जगहों पर कहीं भाषण दिए, कहीं रोड शो किए। इस दौरान उनका पूरा जोर आत्मप्रचार पर रहा। वैसे भी देश में श्री मोदी से पहले ऐसा कोई प्रधानमंत्री नहीं हुआ जो इस कदर आत्ममुग्ध हो कि बात-बात में अपना नाम लेकर ही संवाद करे। लेकिन प्रधानमंत्री के भाषणों में अक्सर मोदी ने ये किया, मोदी ने वो किया, मोदी यह कर सकता है, यह मोदी की गारंटी है, जैसे वाक्य सुने जा सकते हैं। नाम के अलावा श्री मोदी का खासा ध्यान अपने परिधान पर भी रहता है। जैसे 26 मई की सुबह नरेन्द्र मोदी जब वडोदरा में थे तो लाल-पीले रंग की पगड़ी, सामने सूर्य के डिजाइन वाला ब्रोच, सफेद कुर्ते पर प्याज़ी रंग जैकेट उन्होंने पहनी थी, इसके बाद दाहोद में उन्होंने सफेद कुर्ते पर भगवा जैकेट पहनी और सिर पर हैलमेट लगाया क्योंकि लोकोमोटिव मैन्यूफैक्चरिंग वर्क शॉप का उद्घाटन करना था। फिर श्री मोदी पहुंचे भुज, जहां उन्होंने सफेद कुर्ते पर ग्रे रंग की जैकेट पहनी और उसके बाद शाम तक जब वो कच्छ पहुंचे तो सफेद कुर्ते पर धारीदार ग्रे जैकेट, रंग-बिरंगी बार्डर का सफेद पटका गले में और सिर पर कत्थई, हरे, लाल रंग की पगड़ी पहने नजर आए।26 मई का दिन नरेन्द्र मोदी के लिए खास था, क्योंकि 2014 में इसी तारीख को उन्होंने पहली बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। मगर क्या इस दिन को थोड़ा गरिमामय नहीं बनाया जा सकता था, क्या फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता से इसे दूर नहीं रखा जा सकता था, इस बारे में विचार करने की जरूरत है। गरिमामय शब्द का इस्तेमाल इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर को भुनाने के लिए जो रोड शो किया गया, उसमें कर्नल सोफिया कुरैशी का परिवार भी बाद में श्री मोदी के साथ आया। अब खुलासा हुआ है कि उन्हें जिला प्रशासन की तरफ से आने का संदेश मिला था। इन्हीं कर्नल कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले विजय शाह अब भी भाजपा में बने हुए हैं, लेकिन उनके परिवार को नरेन्द्र मोदी मंच पर साथ रख रहे हैं। उधर भुज में जो भाषण नरेन्द्र मोदी ने दिया, वैसी भाषा कभी किसी प्रधानमंत्री ने इस्तेमाल नहीं की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आतंक की बीमारी से मुक्त करने के लिए पाकिस्तान की अवाम को भी आगे आना होगा। सुख-चैन की ज़िंदगी जियो, रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही।पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का संदेश दिया जा सकता है, लेकिन किसी देश विशेष का नाम लेकर वहां की जनता को कुछ कहना यह विदेश नीति के तकाजों के खिलाफ है, लेकिन श्री मोदी किसी तकाजे पर कहां यकीन करते हैं। जिस तरह वे ट्रंप के लिए वोट मांग आए थे, वैसे ही उन्होंने पाकिस्तानी जनता को आगे आने की सलाह दे दी। और उसके बाद मेरी गोली तो है ही, वाली बात कहकर और बड़ी भूल कर दी। क्योंकि भारत की अब तक यही नीति रही है कि वह पहले से किसी पर आक्रमण नहीं करता, केवल आत्मरक्षा के लिए जवाब देता है। मगर यहां प्रधानमंत्री जिस धमकी वाले अंदाज में बात कर रहे हैं, वह बी ग्रेड फिल्मों का घटिया संवाद हो सकता है, प्रधानमंत्री के भाषण में उसकी जगह नहीं होनी चाहिए थी। लेकिन शायद श्री मोदी का अभिनय की तरफ इतना झुकाव बढ़ गया है, या शेक्सपियर से वे इतना प्रभावित हैं कि उनकी लिखी दुनिया एक रंगमंच है, पंक्ति को उन्होंने देश एक रंगमंच है में तब्दील कर दिया है और अब वे इसी रंगमंच पर दिन-रात अभिनय करना चाहते हैं। सोमवार के भाषण की गलतियां मंगलवार को भी जारी रहीं।मंगलवार 27 मई को पं.नेहरू की पुण्यतिथि थी, इस अवसर पर श्री मोदी ने एक लाइन की पोस्ट लिखकर अपनी श्रद्धांजलि तो अर्पित की, लेकिन गांधीनगर के भाषण में उन्होंने फिर से बिना नाम लिए प.नेहरू पर कश्मीर समस्या और भारत-पाक विभाजन का इल्जाम लगा दिया। उन्होंने कहा 1947 में मां भारती के टुकड़े हुए कटनी चाहिए थी जंजीरें लेकिन काट दी गईं भुजाएं। देश के तीन टुकड़े कर दिए गए और उसी रात पहला आतंकी हमला कश्मीर की धरती पर हुआ। मां भारती का एक हिस्सा आतंकवादियों के बलबूते पर, मुजाहिदीनों के नाम पर पाकिस्तान ने हड़प लिया।

मोदी ने संसद को सरकार का रसोई घर बना दिया

जिन बातों की जानकारी दुनिया के तमाम देशों को देने के लिए भारत के वर्तमान व पूर्व सांसद और राजदूत आदि भेजे गए हैं

जिन बातों की जानकारी दुनिया के तमाम देशों को देने के लिए भारत के वर्तमान व पूर्व सांसद और राजदूत आदि भेजे गए हैं, उन्हीं बातों को संसद में बताने से सरकार क्यों कतरा रही है? भारतीय सेना की ओर से हर दिन एक नया वीडियो जारी किया जा रहा है, जिनमें बताया जा रहा है कि सेना ने कैसे ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया।

बात 1962 के अक्टूबर-नवंबर की है। भारत और चीन के बीच युद्ध चल रहा था। यह युद्ध भारत के उत्तर और पूर्वी सीमा क्षेत्र में चीन के हमले के बाद शुरू हुआ था। तब भारत को आजाद हुए महज 15 साल हुए थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू की लोकप्रियता चरम पर थी और वे लोकसभा में लगभग तीन चौथाई बहुमत के साथ देश के प्रधानमंत्री बने हुए थे। देश पर कांग्रेस का एकछत्र राज था। कांग्रेस के मुकाबले संख्या बल के लिहाज से विपक्ष आज के मुकाबले कितना कमजोर था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी थी, जिसके लोकसभा में महज 27 सदस्य थे। बाकी विपक्षी पार्टियों के संख्या बल का अंदाजा लगाया जा सकता है।युद्ध के दौरान भारतीय जनसंघ (आज की भाजपा) की ओर से यह नहीं कहा गया था कि हम पूरी तरह भारतीय सेना और सरकार के साथ हैं। यह कहने के बजाय जनसंघ की ओर से जगह-जगह नेहरू सरकार की रक्षा और विदेश नीति की आलोचना करते हुए प्रदर्शन किए जा रहे थे। यद्यपि सर्वदलीय बैठकों में नेहरू और उनके मंत्री विपक्ष के तमाम सवालों का जवाब दे चुके थे लेकिन जनसंघ के युवा सांसद अटल बिहारी वाजपेयी लगातार संसद की आपात बैठक बुलाने के मांग कर रहे थे, जिस पर नेहरू ने युद्ध के दौरान 8 नवंबर को संसद का विशेष सत्र बुलाया। कुछ विपक्षी सांसदों ने संसद का %गोपनीय सत्र% बुलाने का भी सुझाव दिया था, जिसे नेहरू ने यह कहते हुए नकार दिया था कि लोकतंत्र में जनता को उसके द्वारा चुनी गई संसद की कार्यवाही के बारे में जानकारी होना चाहिए।पूरे एक सप्ताह तक चले संसद के उस सत्र में नेहरू ने कहा था, चीन ने हमारे साथ धोखा किया है। उन्होंने यह मानने में भी कोई संकोच नहीं दिखाया था कि भारत इस हमले के लिए पूरी तरह तैयार नहीं था। पूरे एक सप्ताह तक चले उस सत्र में ही संसद ने सर्वसम्मति से वह ऐतिहासिक संकल्प पारित किया था कि भारत अपनी एक-एक इंच जमीन चीनी कब्जे से मुक्त कराएगा। वह संकल्प किसी एक व्यक्ति, एक पार्टी या किसी सरकार का नहीं बल्कि भारतीय संसद का यानी भारतीय जनता का था, लेकिन याद नहीं आता कि पिछले ग्यारह साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की संसद और सरकार ने कभी उस संकल्प को पूरा करने की दिशा में कुछ किया हो।पिछले 11 वर्षों से यह जरूर हो रहा है कि चीन जब-तब भारतीय सीमा का अतिक्रमण करते हुए भारत की कुछ न कुछ जमीन कब्जा कर लेता है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार खामोश बनी रहती है। यह स्थिति तब है जब मोदी अपने सभी पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों को अपने मुकाबले कमजोर और नाकारा बताते रहते हैं। उनकी पार्टी और सरकार का ढिंढोरची बन चुका गोदी मीडिया भी आए दिन फर्जी सर्वे के जरिये उन्हें देश का अब तक सबसे लोकप्रिय, शक्तिशाली और विजनरी प्रधानमंत्री और प्रभावशाली विश्व नेता बताता रहता है।

बहरहाल, चीनी हमले से जुड़ा यह पूरा संदर्भ बताने का मकसद यह है कि उस समय संसद का कितना महत्व होता था और प्रधानमंत्री संसद को लेकर कितने संवेदनशील होते थे। अभी भारत और पाकिस्तान के बीच महज चार दिन की सैन्य झड़प हुई, जिसे लेकर सभी विपक्षी दलों ने एक स्वर में कहा कि वे पूरी तरह वे भारतीय सेना और सरकार के साथ हैं। यहां तक कि पहलगाम में जो आतंकवादी हमला इस सैन्य टकराव की वजह बना था, उस हमले को लेकर भी विपक्ष ने सरकार से कोई सवाल नहीं किया था। पिछले 11 साल में यह पहला मौका था जब समूचा विपक्ष पूरी तरह सरकार के साथ खड़ा था। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी ने विपक्ष से मिले इस बिना शर्त समर्थन का जरा भी सम्मान नहीं किया। उल्टे प्रधानमंत्री की ओर से अलग-अलग मौकों पर विपक्ष पर कटाक्ष किए गए और उसे कमजोर करने की कोशिश की गई। यही नहीं, टीवी चैनलों पर होने वाली डिबेट में भी भाजपा के प्रवक्ता रोजाना विपक्षी नेताओं को देशद्रोही और पाकिस्तान व आतंकवादियों का हमदर्द बताते रहे।पहलगाम हमले से लेकर पाकिस्तानी सेना से टकराव होने तक सरकार ने दो बार सर्वदलीय बैठकें बुलाई लेकिन प्रधानमंत्री मोदी विपक्ष के प्रति हिकारत का भाव रखते हुए दोनों बैठकों में शामिल नहीं हुए। पहली बैठक के समय वे बिहार में रैली करने चले गए और दूसरी बैठक के समय वे राजधानी में ही एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम में भाग लेते हुए उस चैनल की एंकरों के साथ फोटो खिंचवाने में व्यस्त रहे। पहलगाम हमले के बाद से लेकर पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव शुरू होने तक उन्होंने सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष और नेता विपक्ष से मिलना भी उचित नहीं समझा, जबकि इस दौरान वे अपनी पार्टी के नेताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सुप्रीमो मोहन भागवत से जरूर मिले। एक तरह से वे ऑपरेशन सिंदूर को अपनी पार्टी और सरकार का कार्यक्रम ही मान कर चलते रहे।यही वजह रही कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम के बाद विपक्ष की ओर से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग को भी उन्होंने ठुकरा दिया। ऑपरेशन सिंदूर को सेना के कई पूर्व अधिकारी और सामरिक मामलों के विशेषज्ञों ने अचानक किए गए संघर्ष विराम पर हैरानी और निराशा जताते हुए कहा है कि भारत को इस अभियान के अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। सरकार ने अचानक संघर्ष विराम का कोई कारण बताने के बजाय इस आधे-अधूरे अभियान को ही अपनी बड़ी कामयाबी बताने और इसका राजनीतिक इस्तेमाल करने की कवायद शुरू कर दी है। इस सिलसिले में विभिन्न दलों के सांसदों, पूर्व सांसदों और राजनयिकों के सात प्रतिनिधि मंडल बनाकर दुनिया के विभिन्न देशों में भेजे गए हैं। सरकार की ओर से इस कवायद का इस्तेमाल भी विपक्षी दलों में फूट डालने के लिए किया गया। उसने प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने के लिए विपक्षी सांसदों का चयन करने में संबंधित दलों के नेतृत्व की राय को नजरअंदाज करते हुए उन दलों से अपनी पसंद के सांसदों को चुना।सरकार की ओर से कहा गया कि 59 लोगों से बने ये सात प्रतिनिधिमंडल दस दिन तक दुनिया के अलग-अलग देशों में जाकर वहां की सरकारों को आतंकवाद के प्रति भारत के रूख और आपॅरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देंगे। यानी ये प्रतिनिधि मंडल सरकार की ओर से दुनिया भर के देशों को बताएंगे कि आतंकवाद के प्रति भारत की क्या नीति है और पाकिस्तान किस तरह अपने यहां आतंकवाद को प्रश्रय दे रहा है। भारतीय सेना के पराक्रम के बारे में भी दुनिया को अवगत कराया जाएगा। विपक्षी दल चाहते हैं कि यही सब बातें सरकार संसद में भी बताई जाएं, तो सरकार उसके लिए तैयार नहीं है।सवाल है कि जिन बातों की जानकारी दुनिया के तमाम देशों को देने के लिए भारत के वर्तमान व पूर्व सांसद और राजदूत आदि भेजे गए हैं, उन्हीं बातों को संसद में बताने से सरकार क्यों कतरा रही है? भारतीय सेना की ओर से हर दिन एक नया वीडियो जारी किया जा रहा है, जिनमें बताया जा रहा है कि सेना ने कैसे ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। यही नहीं, दो दिन तक भारत की तीनों सेनाओं के बड़े अधिकारियों ने मीडिया के सामने बैठ कर ऑपरेशन की तमाम तकनीकी और रणनीतिक जानकारियां दी हैं। इसके बाद ऐसी क्या संवेदनशील जानकारी बच जाती है, जिसकी चर्चा संसद में होने पर अनर्थ हो जाएगा? जाहिर है संसद का सत्र नहीं बुलाने के पीछे राजनीति है। सरकार सब कुछ एकतरफा तरीके से अपनी राजनीतिक सुविधा के मुताबिक कहना और करना चाहती है।

संसद से मुंह चुराने और संसद का महत्व कम करने की मोदी की यह प्रवृत्ति नई नहीं है। पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार संसद को अपने रसोई घर की तरह इस्तेमाल कर रही है, जिसमें वही सब पकता है जो सरकार चाहती है। हर राष्ट्रीय महत्व के सवाल पर वह संसद में चर्चा कराने से कतराती है।

अजब-गजब जीव-जंतु

दुनिया में बहुत सारे ऐसे जीव-जन्तु हैं, जो अलग हैं। किसी में सूंघने की गजब की क्षमता होती है तो कुछ काफी समय तक बर्फ के अन्दर जीवित रह सकते हैं। इन्हीं खूबसूरत और आकर्षक प्राणियों की दुनिया में चलते हैं...

स्नोई आउल

बर्फ जैसे सफेद रंग में रंगे इस आउल को इसी रंग की वजह से स्नोई आउल कहा जाता है। यह हमेशा बर्फीले इलाके और टुंड्रा प्रदेश में पाया जाता है। खासतौर से आर्कटिक, कनाडा, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया में यह मिलता है।

स्नोई आउल है खास

- सामान्य रूप से इसका आकार 52 से 71 सेमी का होता है।
- मादा स्नोई आउल की अपेक्षा नर अधिक सफेद और सुंदर दिखता है।
- सामान्य तौर पर उल्लू दिन में सोता है और रात को जागता है, लेकिन स्नोई आउल को दिन में भी आसानी से दिखाई देता है और यह पूरे दिन आसानी से अपना सभी काम करता है।
- यह अपनी एक्सलेंट आईसाइट (देखने की क्षमता) की वजह से एक अलग पहचान रखता है।

अंगोरा रैबिट

अंगोरा रैबिट सबसे पुराने पालतू खरगोशों में से एक है। इसके शरीर पर सफेद रंग के काफी बड़े-बड़े घने मुलायम और सिल्की रोएं होते हैं। रोएं इतने बड़े और घने होते हैं, जिनकी वजह से इसका पूरा शरीर उन्हीं से ढंका रहता है।

अंगोरा है सबसे प्यारा

- इसकी कई प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से जिआंट, सैटिया, इंग्लिश और फ्रेंच अंगोरा रैबिट सबसे अधिक पाए जाते हैं।
- अंगोरा रैबिट का वजन 2 से 5.5 कि.ग्रा. तक होता है।
- इसके रोएं से सिल्की कपड़े और शॉल बनाए जाते हैं।
- घने और बड़े रोएं की वजह से अंगोरा रैबिट टैडी बियर के जैसा दिखता है।
- अंकारा में ये सबसे पहले मिले। अंकारा को पहले अंगोरा नाम से जाना जाता था, इसी वजह से इसे अंगोरा कहा जाता है।

भोजन साफ करने के बाद ही खाता है रैकून

पनामा तथा दक्षिण कनाडा में पानी के समीप जंगलों, झीलों व झरनों के किनारों पर पाए जाने वाले जानवर 'रैकून' में कई ऐसी विशेषताएं देखने को मिलती हैं, जो इसे दूसरे जानवरों से अलग श्रेणी में रखती हैं। विश्वभर में इस अनोखे जानवर पर अब तक अनेक शोध हो चुके हैं और वैज्ञानिक आज भी इस पर लगातार शोध कर रहे हैं किन्तु अभी तक वैज्ञानिक रैकून के बारे में ज्यादा कुछ पता लगाने में सक्षम नहीं हो पाए हैं। रैकून नामक इस जानवर की एक खासियत तो यह है कि यह रात के समय जागता है और दिन में सोता है लेकिन इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका भोजन करने का सभ्य तरीका है। यह अपने भोजन को पटक-पटक कर साफ करने के बाद ही खाता है। रैकून के आगे के पैर इंसानों के पैरों की भांति ही होते हैं और अपने इन्हीं पैरों का प्रयोग रैकून भोजन को साफ करने के लिए करते हैं। रैकून का पसंदीदा भोजन मछली तथा मेंढक हैं किन्तु पसंदीदा भोजन उपलब्ध न होने पर यह छोटे स्तनधारी पक्षी, उनके अंडों तथा जंगल में पाए जाने वाले फल-फूलों को भी अपना आहार बना लेता है। इसकी एक और खासियत यह है कि आप इस जानवर को पालतू बना सकते हैं। आप कहेंगे कि इसमें भला विशेषता कैसी क्योंकि इंसान ने तो शेर-चीते जैसे खूंखार जानवरों तक को पालतू बना डाला लेकिन रैकून की खासियत है कि पालतू बनाने के बाद इसकी देखभाल बिल्कुल एक छोटे बच्चे की तरह करनी पड़ती है क्योंकि अगर आपका व्यवहार इसके प्रति ठीक न हो तो समझ लीजिए कि आपकी खैर नहीं! दरअसल रैकून जितना शांत दिखता है, यह उतना ही गुस्सैल भी है। रैकून की नाक तीखी तथा कान छोटे होते हैं। ज्यादातर स्थानों पर प्राय: भूरे रंग के रैकून ही मिलते हैं, पर कहीं-कहीं काले रंग के रैकून भी पाए जाते हैं किन्तु यह प्रजाति दुर्लभ है। रैकून की पूंछ करीब 25 सेंटीमीटर लम्बी होती है जिस पर एक बहुत ही सुंदर निशान होता है। पूंछ सहित रैकून की लंबाई करीब 1 मीटर होती है और इसका वजन करीब 15 किलोग्राम होता है। इतनी विचित्र खूबियों वाले इस अनोखे जानवर का जीवनकाल ज्यादा लम्बा नहीं है। रैकून की औसत आयु 5 से 8 साल के बीच ही होती है।

सीधा ऊपर क्यों जाता है रॉकेट

रॉकेट में पंख नहीं होते और इसलिए उन्हें ऊपर उठने के लिए जरूरी धक्का उनके इंजन से ही मिलता है। प्लेन ज्यादा भारी होता है और उसे ऊपर उठने के लिए हवा को बहुत तेज गति से पीछे छोड़ना पड़ता है। इसलिए वह पहले रनवे पर कुछ दूर चलकर पंखों से हवा को ठेलने जितना बल प्राप्त करता है। रॉकेट को जमीन पर दौड़ाने और फिर आसमान में धक्का देने के बजाय उसे सीधे हवा में उठा देने का काम इंजन आसानी से कर पाता है। रॉकेट और एरोप्लेन दोनों एक ही सिद्धांत पर काम करते हैं। दोनों गैसें पीछे छोड़ते हैं और उससे उन्हें आगे जाने का धक्का मिलता है।

किसी भी विमान को ऊपर उठने के लिए धक्के की जरूरत पड़ती है। एरोप्लेन, पक्षी और उड़ने वाले कीट के पंखों से जब हवा टकराती है तो इस हवा को पंखों से पीछे ठेलकर वे ऊपर उठते हैं।

दूर का दिखाने वालीदूरबीन

चिड़िया देखना हो या फिर तारे। एक दूरबीन से दो काम बहुत अच्छे से हो सकते हैं। अपनी पॉकेट मनी बचाकर अगर ऐसी कोई चीज खरीदते हो तो वह जिंदगीभर काम आएगी। दूरबीन दूर की दुनिया को तुम्हारे पास ले आएगी। जाड़े के दिनों में तो प्रकृति को, पंछियों और तारों को दूरबीन से घंटों देखा जा सकता है। जन्मदिन पर तुम पापा-मम्मी से कोई बड़ी चीज मांगने के बजाय दूरबीन की जिद भी कर सकते हो। उन्हें भी दूरबीन दिलाने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूरबीन से देखने पर नई दुनिया खुल जाती है। दूर की कौड़ी को पास लाने वाली दूरबीन अगर तुम्हारी दोस्त बन जाए तो क्या बात है। तो ले आओ दूर की चीजों को पास, एक दूरबीन के साथ।

मैंडरिन फिश

मछलियों की खूबसूरत और आकर्षक प्रजातियों में से एक है मैंडरिन फिश। दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया में इसकी उत्पत्ति का स्थान है। नीले और हरे रंग की मछली के ऊपर नारंगी रंग की धारी से सजी खूबसूरती और चमकीले लाल रंग की पूंछ को देखकर कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल बन जाता है।

क्यों है मैंडरिन अलग

- मैंडरिन फिश में नर फिश मादा से बड़ी होती है।
- यह जोड़े या समूह में पाई जाती है।
- इसका आकार काफी छोटा होता है। सामान्य रूप से 6 से.मी. के आकार की मछली पाई जाती है।
- इस खूबसूरत मछली को कम ही देखा जाता है। पानी की गहराइयों में रहने की वजह से यह कम ही दिखाई पड़ती है।
- अपनी खूबसूरती और अलग रंग की वजह से यह समुद्र में अन्य मछलियों के साथ होते हुए भी आसानी से पहचान में आ जाती है।

स्नो लेपर्ड

यह लेपर्ड बर्फीले इलाके में पाया जाता है। वैसे तो यह बर्फीले इलाके में रहना पसंद करता है, लेकिन ठंड के दिनों में बर्फीले इलाके से सटे जंगलों की ओर भी रुख कर लेता है। वैसे तो यह मांसाहारी प्राणी है और अपने शिकार के रूप में जीव-जंतुओं को खाता है, लेकिन कभी-कभी जरूरत पड़ने पर यह घास को भी अपना भोजन बनाता है।

यह इसलिए है खास

- सामान्य तौर पर इसका वजन 27 से 55 किग्रा तक होता है। कुछ गिने-चुने स्नो लेपर्ड का वजन 75 किग्रा तक होता है। इसकी पूंछ 75 से 130 सेमी लंबी होती है।
- सामान्य तेंदुआ या बाघ दहाड़ के लिए जाने जाते हैं, लेकिन स्नो लेपर्ड दहाड़ नहीं सकता है।

लिलेक-ब्रेस्टेड रोलर

दुनिया की सबसे खूबसूरत चिड़ियों में से एक है लिलेक-ब्रेस्टेड रोलर। यह रोलर फैमिली ऑफ बर्ड्स की सदस्य है। अफ्रीका, पूर्वी और दक्षिणी अरब, इथोपिया, उत्तर पश्चिमी सोमालिया में यह काफी संख्या में पाई जाती है। रोल-रोल डांस करने की वजह से ही इसे लिलैक-ब्रेस्टेड रोलर बर्ड कहा जाता है। सूखे पेड़ों की ऊंचाई पर रहना इसे पसंद है। हरे और पीले रंगों में रंगे इस पक्षी के स्कल्पचर और पीठ का रंग भूरा और बैंगनी होता है।

लिलेक की खूबियां

- सामान्य आकार में यह 14.5 इंच की पाई जाती है। इसका सिर बड़ा, गर्दन और पैर छोटे होते हैं।
- यह उड़ते हुए बेहद खास तरीके से घूम-घूमकर (रोल-रोल) बेले डांस करती है।
- बोत्सवाना और केन्या की राष्ट्रीय पक्षी है यह। यह अपना घोंसला खुद नहीं बनाती। या तो सूखे पेड़ की कोटरों में रहती है या किंगफिशर और कठफोड़वे द्वारा बनाए हुए घोंसले में रहती है।

विराट प्रकृति
सुदर्शनजी महराज

पतंजलि ने अपने योग सूत्र में लिखा है कि कान को अगर सूक्ष्म बना लिया जाए तो वह आकाश को भी सुन सकती है। मनुष्य का शरीर जब कभी सूक्ष्म बन जाता है या मनुष्य का सूक्ष्म शरीर जब सक्रिय हो जाता है तो वह सूर्यमंडल निहारिका अथवा आकाशगंगा से आसानी से जुड़ पाता है। ज्योंही वह अंतरिक्ष से जुड़ता है, उसे अनहदनाद सुनाई पड़ता है। कबीरदास जी इसी अनहद की चर्चा करते हैं। प्रश्न है कि हम अपने शरीर को कितनी सावधानी से नक्षत्रों से जोड़ सकते हैं। जीव परमात्मा से जुड़ा है लेकिन पंचभूतों के कारण अलग महसूस करता है। ज्योंही वह पंचभूत से बाहर निकलता है, वह परमात्मा से जुड़ जाता है। यह परमात्मा कुछ और नहीं परमतत्व है, महाशून्य है। इस विद्या का ज्ञान हमारे संतों को बहुत पहले ही हो चुका है इसीलिए हमारे संत ''अहं ब्रह्मास्मि' मैं ब्रह्म हूं की घोषणा करते हैं। यह सारा ब्रह्मांड उसी महाशून्य की अभिव्यक्ति है। वहीं से प्राण ऊर्जा का प्रवाह होता है। जिससे पंचभूतों वाले जीव स्वरूप ग्रहण करते हैं। यह जो संसार दिख रहा है वह सब उसी महाशून्य की अभिव्यक्ति है, जिसका कोई रूप नहीं है। शायद इसीलिए ''मूलडॉल' नामक वैज्ञानिक ने ''द प्रोजेक्शन ऑफ एस्ट्रल बॉडी' नाम की पुस्तक लिखी। यह जो हमारा शरीर है वह दिव्य शक्तियों का प्रोजेक्शन है। इसी पृवी को अभी बहुत लोग क्रिएशन कहते हैं। लेकिन यह क्रिएशन नहीं है, पृवी भी प्रोजेक्शन है। क्योंकि इस प्राण शक्ति से सम्पूर्ण ब्रह्मांड जुड़ा है। एक बहुत बड़े वैज्ञानिक एक्सेल पारसे ने यहां तक कहा है कि क्वांटम किरण प्रकाश की गति से चलती है। उसकी फ्रीक्वेंसी एक अरब हट्र्ज की होती है। उसी गति के कारण जीव अंतरिक्ष से जुड़ा है। इसलिए अब इस बात को विज्ञान भी मानने लगा है कि अंतरिक्ष और जीव अलग नहीं है। फ्रांसीसी थाम्पसन ने तो यहां तक कह दिया कि अगर पृवी पर तुम एक फूल तोड़ते हो तो उससे अंतरिक्ष प्रभावित होता है। यह बात ठीक लगती है कि अगर हम ग्रहों से प्रभावित होते हैं, शनि ग्रह से हम प्रभावित होते हैं तो हमसे भी शनि प्रभावित होते हैं। क्योंकि यह विज्ञान का नियम है कि किसी क्रिया की प्रतिक्रिया भी होती है। न्यूटन का गति सिद्धांत अंतरिक्ष पर भी तो लागू हो सकता है। सूक्ष्मता के कारण सबकुछ जुड़ा हुआ है। जिस दिन हम अपनी स्थूलता को छोड़ देंगे, उस दिन परमात्मा में मिल जाएंगे।

खबरें जरा हटके

जागी भूखी शेरनी की ममत, बख्श दी हिरण के बच्चे की जान

नई दिल्ली। इंसानों में ही नहीं जानवरों में भी ममता का भाव होता है। कमसे कम इस किस्से को सुनने के बाद तो आप यही कहेंगे। इन दिनों एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो साउथ अफ्रीका के क्रूजर नेशनल पार्क का है। एक भूखी शेरनी के हाथ आया एक नन्हा सा हिरण का बच्चा, लेकिन इस शेरनी ने जो किया वह काबिले तारीफ था।

नेशनल पार्क में हिरण का छोटा सा बच्चा रास्ता भटक कर शेरनी के पास पहुंच गया था। हिरण का बच्चा शेरनी के मुंह के पास जैसे ही पहुंचा पहले तो शेरनी ने उसे खाने की कोशिश, लेकिन फिर अचानक उसे छोड़ दिया। हिरण के बच्चे की हरकतें देखकर शेरनी का भी दिल पिघल गया और वह हिरण के बच्चे के साथ खेलने लगी।

जो शेरनी उसे खाने वाली थी, अब वही उसकी रक्षक बन गई। हिरण जैसे ही शेरनी से दूर जाने की कोशिश करता, शेरनी उसे पकड़कर चाटने लगती। इसके बाद शेरनी उसके साथ खेलने लगी, लेकिन तभी किसी दूसरे शेर ने उस बच्चे को देख उसका शिकार करने की कोशिश की, लेकिन रखवाला बनी शेरनी ने उसे बचा लिया।

शेरनी ने दूसरे शेर पर हमला बोल कर हिरण के बच्चे को बचा लिया। शेरनी को हिरण के बच्चे की रखवाली करते देख दूसरा शेर वहां से चला गया। वहां मौजूदा लोगों ने इस घटना का वीडियो बना लिया और इसे सोशलम मीडिया पर डाल दिया।

हनीमून मनाने गया था यह कपल, एक गलती ने पहुंचा दिया जेल

नई दिल्ली। शादी के बाद हनीमून पीरियड हर कपल के लिए स्पेशल होता है। इस नई जिंदगी की शुरुआत के लिए वो बहुत से सपने सजाते हैं, लेकिन जरा सोचिए कि एक गलती से अगर हनीमून की जगह कपल पुलिस स्टेशन पहुंच जाए तो। दरअसल दिल्ली के रहने वाले नीरज ठाकुर के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। वे पत्नी के साथ हनीमून पर निकले थे, लेकिन उनकी एक गलती ने उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

दरअसल यह दंपत्ति ट्रेन पकड़ने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे ही थे। कि गलती से उन्?होंने दूसरे का बैग उठा लिया और ट्रेन में चढ़ने लगे, तभी दूसरे यात्री की नजर अपने सामान पर पड़ी और उसने पुलिस बुला ली। नव दंपत्ति को तुरंत ट्रेन से उतारकर जीआरपी थाने ले जाया गया। पुलिस पूछताछ में नीरज ने बताया कि उसकी एक महीने पहले ही शादी हुई थी। और वह हनीमून मनाने ऊटी जा रहा था। और उसने गलती से दूसरा बैग उठा लिया। हालांकि सीसीटीवी में नीरज को बैग उठाते देखा गया है। इसके बाद जब जीआरपी ने ये मामला कैमरे में देखा को दंपत्ति को स्टेशन पर ही गिरफ्तार कर सारा सामान बरामद किया। इसके बाद उनको मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।

सेहत

गर्मी में ज्यादा पनपते हैं फूड पॉइजनिंग के बैक्टीरिया

फूड पॉइजनिंग क्या है?
यह बैक्टीरिया जनित रोग है जो पुराने, खराब या दूषित भोजन से होता है। बैक्टीरिया या उसके विषैले तत्व जब हमारे पेट में जाकर आंतों में संक्रमण फैलाते हैं तो फूड पॉइजनिंग की समस्या होती है।

इसका कारण क्या है?
दूषित भोजन, गंदे हाथों से सब्जियां काटना और पकाना इसकी मुख्य वजह है। बिना ढका खाना खाने से भी फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

प्रमुख लक्षण क्या हैं?
जी घबराना, पेटदर्द, उल्टी, दस्त और डिहाइड्रेशन। लेकिन जब सामान्य लक्षणों के अलावा बेहोशी, सुस्ती, ब्लड प्रेशर और डिहाइड्रेशन की वजह से पेशाब कम आने लगे तो फौरन डॉक्टर से संपर्क करें।

ये बैक्टीरिया कब सक्रिय होते हैं?
गर्मी के मौसम में ये बैक्टीरिया और वायरस सबसे ज्यादा सक्रिय होते हैं। इसकी वजह वातावरण में मौजूद मक्खी व मच्छर हैं।

इसका इलाज क्या है?
ज्यादातर मामलों में फूड पॉइजनिंग की समस्या थोड़े समय बाद अपने आप ठीक हो जाती है। लेकिन कई बार स्थिति गंभीर भी हो सकती है। जिसके लिए डॉक्टर तुरंत राहत के लिए ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सोल्यूशन) का घोल और जरूरत पड़ने पर एंटीबायोटिक दवाएं देते हैं।

बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
हमेशा ताजा और गर्म खाना खाएं। जहां तक संभव हो घर का बना भोजन करें। खाना बनाने और खाने से पहले व बाद में हाथों को अच्छी तरह साबुन से धोएं। बाजार की चाट, जूस या कटे हुए फलों से परहेज करें। फ्रिज में रखे खाने को गर्म करने के बाद ही प्रयोग में लेना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

लॉफिंग ज़ोन

संता: 'बचपन में मैं एक बार दूसरी मंजिल से नीचे गिर गया था।'

बंता: 'फिर क्या हुआ ? तुम मर गए या जिंदा बचे ?'

संता: 'बहुत पुरानी बात है यार ... अब याद नहीं।'

□ □ □

संता - बंता एक कार में बम लगा रहे थे।

संता: 'अगर बम लगाते समय यह फ्ट गया तो ?'

बंता: 'अरे तो क्या हुआ मेरा पास एक और बम है।'

□ □ □

पत्नी- घर में सिर्फ1 चम्मच चीनी पडी है और तुम दोस्त के लिए चाय बनाने को कह रहे है।

पति- कोई बात नही, तुम मेरी चाय में चीनी मत डालना।

बस 1 किस दे देना, चाय मीठी हो जाएगी।

पत्नी- आइडिया अच्छा है। मै दोनों ही कंपो में चीनी नही डांलूगी।

□ □ □

शादी पर शहनाई बज रही थी। संतो ने संता से पूछा, ये कौन सी धून बज रही है।

संता बोला, वही जो तूफान के आने से पहले बजाई जाती है।

काकुरो पहेली - 4069

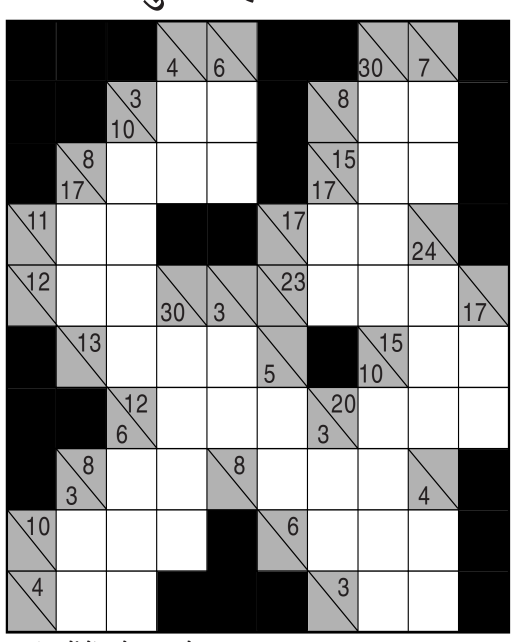

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

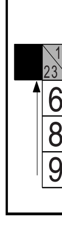

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो -4068 का हल

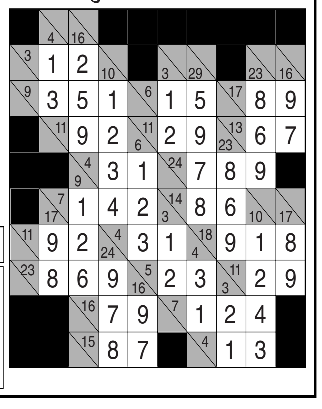

फिल्म वर्ग पहेली- 4069

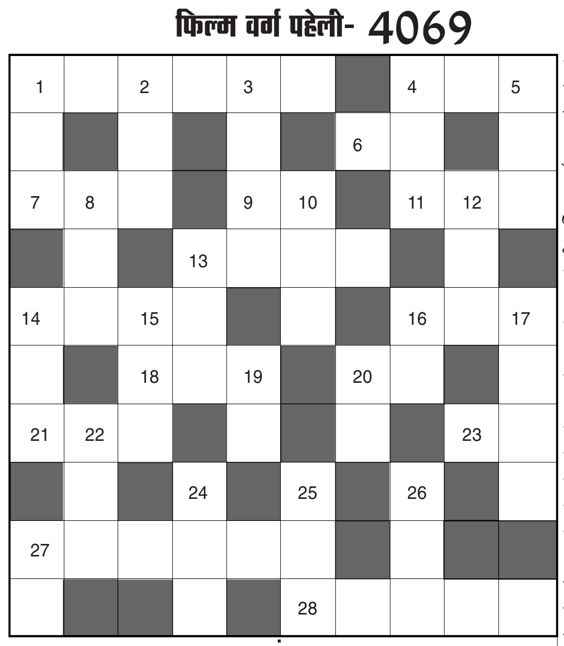

ऊपर से नीचे:-
१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-
१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 4068

क	ल	यु	ग		जा	न	ए	म	न
भी		वा		दि	ल		ला		या
अ	क्स		शि	वा		खा	न	दा	न
ल		ठि	का	ना		मो			शा
वि			र		आ	शी	र्वा	द	
दा	मि	नी		भा	ई			ह	स्ती
ना		ल	क्ष्य		ना	ला	य	क	
क	स	म		स		ट			मं
ह			दौ	ड़		सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क		क	री	ब			न

सूडोकु -4069

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4068 हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 4069

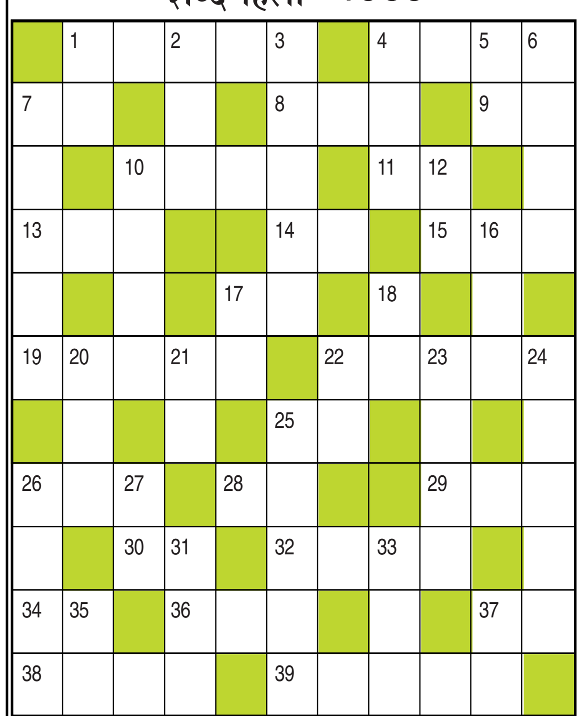

बाएँ से दाएँ
1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली 4068 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		व
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 10 जून को झारखंड के देवघर आयेंगी

एजेंसी

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 10 जून को झारखंड के देवघर दौरे पर आएंगी। राष्ट्रपति भवन ने उनके दौरे का कार्यक्रम तय कर दिया है। इसकी आधिकारिक सूचना झारखंड के मुख्य सचिव को भेज दी गई है। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति भवन ने 11 जून को देवघर आने की सूचना राज्य सरकार को दी थी, लेकिन अब इसमें बदलाव किया गया है।

ये है राष्ट्रपति के दौरे का कार्यक्रम

-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 10 जून को दोपहर तीन बजे देवघर पहुंचेंगी और सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगी।

- 11 जून को राष्ट्रपति बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रपति एम्स के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद राष्ट्रपति असम के लिए रवाना हो जाएंगी।

धुबड़ी पुलिस की छापेमारी में 22 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

धुबड़ी (असम)। असम में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों पर कार्रवाई शुरू हो गई है। इसी अभियान के तहत धुबड़ी पुलिस ने 22 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। बंदियों को बीएन कॉलेज पुलिस चौकी में कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। इस बीच, स्थानीय लोगों ने शिकायत की है कि उन्हें परेशान किया जा रहा है। जिला पुलिस मुख्यालय के सूत्रों ने बताया कि यह अभियान संदिग्ध विदेशियों को निशाना बनाकर चलाया गया। हालांकि, इस कदम से स्थानीय निवासियों में चिंता और भ्रम पैदा हो गया है। दूसरी ओर, कुछ बंदियों के परिवारों का दावा है कि उनमें से कई को विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा पहले ही भारतीय नागरिक घोषित किया जा चुका है। अन्य लोग या तो जमानत पर हैं या न्यायाधिकरण के समक्ष विचाराधीन हैं। स्थानीय नागरिकों ने इस मुद्दे को असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के समक्ष उठाया है और हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि अवैध अप्रवासियों की पहचान के बहाने वास्तविक भारतीय नागरिकों को अनावश्यक असुविधा न हो। पुलिस सूत्रों ने बताया कि 22 लोगों से पूछताछ की जा रही है और भारतीय नागरिकता से संबंधित उनके दस्तावेजों की जांच की जा रही है। बीते 27 मई को बीएसएफ ने असम के दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले के मानकाचर में ठकुरनबारी सीमा से 14 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस खदेड़ दिया था।

पश्चिम बंगाल में कोविड के 5 नए मामले, कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 16 हुई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोविड-19 संक्रमण के मामले एक बार फिर बढ़ते दिख रहे हैं। बीते 24 घंटों में कोविड-19 के 5 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही राज्य में कुल सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ कर 16 हो गई है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 3 मरीजों का इलाज घर पर चल रहा है, जबकि 2 मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। अधिकांश संक्रमितों में हल्के लक्षण हैं और स्थिति नियंत्रण में है। किसी बड़े खतरे की आशंका नहीं है लेकिन स्वास्थ्य विभाग सतर्कता बरतने की सलाह दे रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने स्थानीय प्रशासन को जरूरत पड़ने पर त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा है। कोविड प्रोटोकॉल के पालन की अपील की गई है और लोगों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनने और नियमित रूप से हाथ धोने जैसे बुनियादी उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौसमी बदलाव और लोगों की लापरवाही के कारण संक्रमण के मामले फिर से बढ़ सकते हैं, इसलिए सावधानी और निगरानी बेहद ज़रूरी है।

राजस्थान में बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म व हत्या के दोषी को फांसी की सजा

डूंगरपुर। राजस्थान के डूंगरपुर में बुजुर्ग महिला के साथ दुष्कर्म और हत्या में अदालत ने मुजरिम को फांसी की सजा दी है।साथ ही एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। दोषी ने पहले महिला से दुष्कर्म किया और उसके बाद चाकूओं से गोदकर हत्या कर दी थी। लोक अभियोजक निखिल सोमपुरा ने बताया कि मामला डूंगरपुर जिले के कुआं थाना क्षेत्र का है। गांव निवासी बुजुर्ग दंपती की एक मात्र बेटी की शादी हो गई थी। उनकी बड़े भाई की पौत्री अक्सर बुजुर्ग दंपती की सेवा करने व खाना खिलाने के लिए उनके घर आती जाती रहती थी। तीन जून 2022 की शाम को प्रतिदिन की तरह उनकी पौत्री उन्हें खाना देने के लिए उनके घर गई थी। खाना खिलाने के बाद शाम करीब 7.30 बजे वह वापस अपने घर लौट रही थी। इस दौरान उसे अपने दादा के चिल्लाने की आवाज आई। वह दौड़ते हुए अपने दादा-दादी के पास पहुंची तो उसकी दादी लहलुहान हालत में जमीन पर पड़ी हुई थी। आरोपित द्वारा बुजुर्ग महिला के प्राइवेट पार्ट सहित शरीर के कई हिस्सों पर चाकू से वार किया था, जिससे हालत गंभीर हो गई थी। वारदात के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। बुजुर्ग महिला को इलाज के लिए पहले उन्हें चिखली अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां बुजुर्ग महिला की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया।

3 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या मामला, पवन कल्याण का फूटा गुस्सा, पूछा-'कब तक होता रहेगा'

एजेंसी

अमरावती । आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, जनसेना प्रमुख और अभिनेता पवन कल्याण ने अधिकारियों से वाईएसआर कडप्पा जिले में तीन साल की बच्ची के साथ रेप और हत्या के आरोपी को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। पवन कल्याण ने कानून विभाग, पुलिस और गृह मंत्रालय से आग्रह किया कि मामले में अपराधी को कड़ी सजा दी जाए, ताकि समाज में यह साफ संदेश जाए कि ऐसे अपराध किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। जनसेना नेता ने अपने बयान में कहा, यह समय है तुरंत और सख्त कदम उठाने का, ताकि हमारे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पिछले हफ्ते आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में एक दुखद घटना हुई। 26 साल के एक आदमी ने तीन साल की बच्ची के साथ रेप के बाद हत्या कर दी। अपराधी ने इस घटना को तब अंजाम

दिया, जब बच्ची के माता-पिता अपने रिश्तेदार की शादी में व्यस्त थे। पवन कल्याण ने पीड़ित बच्ची के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और वादा किया कि सरकार उनकी पूरी मदद करेगी। उन्होंने कहा, हम पूरी जिम्मेदारी लेंगे कि इस मामले में जल्दी से इंसाफ हो और इस भयानक अपराधी को बिना सजा के नहीं छोड़ा जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने इसे समाज के लिए बेहद सोचनीय विषय माना। सवाल किया कि मासूम बच्चों के साथ ऐसे भयानक अपराध कब तक चलते रहेंगे। जो लोग ऐसे दरिंदगी भरे काम करते हैं और जिससे पूरा समाज शर्मसार होता है, उन्हें सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि समाज में ऐसा दोबारा न हो। उन्होंने कहा, सिर्फ चार दिन पहले, वाईएसआर कडप्पा जिले के मायलावरम मंडल के कम्बलादिन्ने गांव में एक 3 साल की मासूम बच्ची भयानक हमले का शिकार हुई। उसकी हत्या कर दी गई। यह हादसा और भी ज्यादा दुखद है क्योंकि आरोपी उसी परिवार का रिश्तेदार है। यह घटना हमारी इंसानियत को झकझोर देने वाली है। अधिकारियों ने मुझे इस मामले की पूरी जानकारी दी है। पवन कल्याण ने कहा कि आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच चल रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखदेव सिंह ढींडसा का निधन

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता सुखदेव सिंह ढींडसा का बुधवार की शाम मोहाली में निधन हो गया। वह 89 साल के थे। ढींडसा लंबे समय से बीमार थे। वे चंडीगढ़ के निकट मोहाली के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। ढींडसा का अंतिम संस्कार शुक्रवार, 30 मई को किया जाएगा। ढींडसा की गिनती शिरोमणि अकाली दल में स्वर्गीय प्रकाश सिंह बाद के बाद होती थी। सुखदेव सिंह ढींडसा का जन्म 9 अप्रैल 1936 को पंजाब के संगरूर जिले के उभवाल गांव में हुआ था। उन्होंने स्नातक की पढ़ाई गवर्नमेंट रणबीर कॉलेज संगरूर से की थी। ढींडसा 1972, 1977, 1980 और 1985 में विधानसभा चुनाव जीते। वह परिवहन, खेल, पर्यटन, सांस्कृतिक मामलों और नागरिक उड्डयन जैसे विभागों के मंत्री रहे। साथ ही वे 1998 से 2004 और 2010 से 2022 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे ढींडसा 2004 से 2009 तक संगरूर लोकसभा क्षेत्र से सांसद रहे। उन्होंने 2000 से 2004 तक अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में रसायन और उर्वरक, खेल मंत्रालय का कार्यभार संभाला था। अकाली दल के साथ मतभेदों के चलते उन्होंने अलग पार्टी बनाई, फिर मार्च 2024 में उन्होंने इस पार्टी का शिरोमणि अकाली दल में विलय कर दिया।

2019 में केंद्र सरकार ने ढींडसा को पद्म भूषण अवॉर्ड से सम्मानित किया था, लेकिन उन्होंने दिसंबर 2020 में किसान आंदोलन के समर्थन में अवॉर्ड लौटा दिया था। पिछले साल ढींडसा को श्रीअकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ने धार्मिक सजा सुनाई थी। उन्होंने गोल्डन टेंपल में व्हीलचेयर पर बैठकर गेट पर पहरेदारी की थी।

जस्टिस केआर श्रीराम होंगे राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी

जोधपुर। जस्टिस केआर श्रीराम राजस्थान हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश होंगे। मौजूदा मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव को मद्रास हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने हाल ही देश के चार हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों का तबादला करने की सिफारिश की है।कॉलेजियम की सिफारिश के अनुसार मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश केआर श्रीराम को राजस्थान हाईकोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव को मद्रास हाईकोर्ट में सीजे नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

पिछले साल बने थे मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

जस्टिस केआर श्रीराम का जन्म 28 सितंबर, 1963 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की और इसके बाद लंदन से एलएलएम किया। जुलाई 1986 में उन्हें महाराष्ट्र एवं गोवा

बार काउंसिल में वकील के रूप में पंजीकृत किया गया। अपने करियर के दौरान उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट, उपभोक्ता फोरम, सीमा शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण और कंपनी लॉ बोर्ड में वकालत की। उनकी न्यायिक सेवा की शुरुआत 21 जून 2013 को बॉम्बे हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में हुई और दो मार्च 2016 को वे स्थायी न्यायाधीश बने। इसके बाद 21 सितंबर 2024 को उन्हें मद्रास हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। अब वे राजस्थान हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। जस्टिस श्रीराम सिर्फ न्यायिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाई है। वे वर्षों तक एक एनजीओ के उपाध्यक्ष रहे हैं जो अनाथ व असहाय दिवंगत लोगों के अंतिम संस्कार और श्राद्ध की व्यवस्था करती है। उनके इसी संवेदनशील और सामाजिक दृष्टिकोण के लिए उन्हें व्यापक सम्मान प्राप्त है। साथ ही उन्हें गोल्फ खेलने का भी शौक है।

भारतीय नारी के खिलाफ अंग्रेजों द्वारा फैलाए गए भ्रम को खत्म करना जरूरी : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय नारी के खिलाफ अंग्रेजों और पश्चिमी देशों ने जो भ्रम फैलाया है, उसे खत्म करना जरूरी है क्योंकि भारतीय नारी विभिन्न क्षेत्रों में दक्ष और सक्षम रही है, मगर अंग्रेजों ने उनके बारे में भ्रम फैलाया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 31 मई को भोपाल आगमन हो रहा है और वह यहां के जंबूरी मैदान में नारी सशक्तिकरण समागम में हिस्सा लेंगे। इसी के मद्देनजर मुख्यमंत्री मोहन यादव राजधानी के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचे और उन्होंने यहां छात्राओं से संवाद किया और अपनी बात कही। इसके अलावा छात्राओं के साथ सेल्फी भी ली। इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि इस कॉलेज की स्थापना 1964 में हुई थी, यह तारीख मेरे जन्म से पहले की है। यहां पढ़ने वाली बेटियां दक्षता के बल पर अपनी जिंदगी को बेहतर बनाएं और अतीत के गौरवशाली इतिहास रानी दुर्गावती, अहिल्याबाई को जानें, जो मध्य प्रदेश की बेटियां हैं, जिन्होंने अपने जीवन में शासन भी चलाया, प्रशासन की मिसाल भी पेश की और अपने जीवन के साथ-साथ समाज के जीवन को भी उत्कृष्ट बनाया।

इतना ही नहीं, सुशासन के सूत्रों

को अपने हाथ में रखा और यश कीर्ति अर्जित की। इस तरह के कई उदाहरण भी स्थापित किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेरा मानना है कि जब सुशासन की बात आती है, नारी सशक्तिकरण की बात आती है, इसलिए नारी शक्ति को अतीत के इतिहास में ले जाना जरूरी है। अंग्रेजों और पश्चिमी देशों ने यह भ्रम फैलाया है कि हमारी बहनों की इज्जत नहीं होती, उनके जीवन में कठिनाइयां आती हैं। लगभग 300 साल पहले रानी दुर्गावती ने अकबर की सेना से मुकाबला किया था और अपने जीवन का बलिदान किया। उन्होंने 52 युद्धों में जीत दर्ज की थी। वहीं देवी अहिल्याबाई का जीवन सबके सामने है, जिनकी 300वीं जयंती मना रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे देश की नायिकाओं को बहनों के बारे में जानना जरूरी है। उन्हें अतीत से अवगत कराना होगा।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर कॉपरेटिव बैंक में 26.47 करोड़ रूपये का घोटाला, 11 आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश के बलरामपुर सहकारी बैंक में 26.47 करोड़ का बड़ा घोटाला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा कायम कर 11 आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अभी एक अभियुक्त फरार है, जिसकी गिरफ्तारी को पुलिस की दबिशें जारी हैं। बलरामपुर के पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर रमनलाल ने आज पत्रकार वार्ता में बताया कि सहकारी केंद्रीय बैंक बलरामपुर के मैनेजर अरविंद श्रीवास्तव ने जिले के थाना कुसमी पर मंगलवार को मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें उन्होंने बैंक के तीन बैंक एकाउंट में संदिग्ध लेन-देन और बड़े आर्थिक घोटाले के आरोप लगाए थे। यह घाटोले बैंक की शंकरगढ़ व कुसमी में होना बताया गया। कुल 26 करोड़ 47 लाख का घोटाला हुआ था।इस मामले में

पुलिस ने तफ्तीश शुरू की तो घोटाले की परतें खुलने लगीं। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर सहायक मुख्य प्रवेक्षक शंकरगढ़ निवासी अशोक सोनी (56 वर्ष), संस्था प्रबंधक लक्ष्मण प्रसाद (56 वर्ष) जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी, विजय उईके (50 वर्ष) जिला बलरामपुर, तबारक अली अंबिकापुर, राजेंद्र प्रसाद पांडेय (60 वर्ष) बलरामपुर , सुदेश यादव (30 वर्ष) शंकरगढ़ , एतबल सिंह (69 वर्ष)सरगुजा, प्रकाश कुमार सिंह (35 वर्ष) शंकरगढ़, जगदीश प्रसाद भगत (50 वर्ष) बलरामपुर, सबल राय (65 वर्ष) बलरामपुर, विकास चंद्र पांडवी (70 वर्ष) निवासी अंबिकापुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

उन्होंने बताया कि अंबिकापुर की सहकारी केंद्रीय बैंक की शाखा शंकरगढ़ और कुसमी में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खोले गए बैंक अकाउंट में बीते बारह वर्षों से कुल 26 करोड़ 47 लाख 82 हजार 462 रूपये का घोटाला किया गया। आरोपितों को बलरामपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर आज सलाखों के पीछे भेजा है। इस मामले में एक अभी आरोपित फरार चल रहा है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की सुरक्षा में कटौती

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की सुरक्षा घटा दी गई है। इसके मद्देनजर पूर्व सीएम एन. बीरेन सिंह की सुरक्षा में तैनात कुल 17 पुलिसकर्मियों को हटा दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव के बाद पूर्व मुख्यमंत्री बीरेन के साथ अब केवल छह सुरक्षाकर्मी ही रहेंगे। इस टीम में तीन सहायक उपनिरीक्षक, एक हेड कांस्टेबल और दो कांस्टेबल शामिल होंगे।

बीरेन सिंह, राज्यपाल अजय कुमार भल्ला के निमंत्रण पर मंगलवार रात राजभवन गए थे। राज्यपाल से मुलाकात के बाद डीजीपी ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा कम करने का आदेश जारी किया। डीजीपी द्वारा हस्ताक्षरित आदेश में उन कर्मियों को तत्काल अपनी मूल इकाइयों में लौटने का

निर्देश दिया गया है। यह परिवर्तन राष्ट्रपति शासन के तहत सुरक्षा प्रबंधन के प्रति राज्य के वर्तमान दृष्टिकोण का प्रतिबिंब माना जा रहा है।

किरंदुल-कोत्तावालसा ट्रैक पर सुरंग में मालगाड़ी के 37 डिब्बे पटरी से उतरे, कई पैसेंजर और मालगाड़ियां रद्द

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले से होकर गुजरने वाली केके (किरंदुल-कोत्तावालसा) रेल लाइन के घाट सेक्शन चिमड़ीपल्ल्ली के समीप एक सुरंग में मालगाड़ी के 37 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। इसके बाद कई पैसेंजर ट्रेन और माल गाड़ियों को रद्द कर दिया है। घटना की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। चिमड़ीपल्ली और टायदा रेलवे स्टेशनों के बीच बुधवार दोपहर 1¬05 बजे बड़ा रेल हादसा हो गया। किरंदुल से लौह अयस्क लेकर विशाखापत्तनम जा रही मालगाड़ी के 37 डिब्बे सुरंग के भीतर पटरी से उतर गए। हादसे में कई डिब्बों के बड़ा नुकसान होने की आशंका है। इस दुर्घटना के बाद कई पैसेंजर और मालगाड़ियां रद्द कर दी गई हैं। हादसे की सूचना मिलते ही विशाखापत्तनम रेल मंडल के डीआरएम, एडीआरएम समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे, लेकिन शाम 5 बजे तक मरम्मत कार्य शुरू

नहीं हो सका था। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने और यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है। विशाखापत्तनम रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के संदीप के अनुसार 28 मई किरंदुल से रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 18516 किरंदुल-विशाखापत्तनम नाइट एक्सप्रेस परिवर्तित रेल लाइन कोरापुट, रायगडा, विजयनगरम होकर विशाखापटनम के लिए रवाना की गई है। जबकि 29 मई गुरुवार को विशाखापत्तनम से रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 58501 विशाखापत्तनम-किरंदुल पैसेंजर रद्द रहेगी। 29 मई को किरंदुल से रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 58502 किरंदुल - विशाखापत्तनम पैसेंजर भी रद्द रहेगी। इसी तरह 28 मई विशाखापत्तनम से रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 18515 विशाखापत्तनम-किरंदुल एक्सप्रेस ट्रेन विशाखापत्तनम में रद्द की गई है। उन्होंने इस घटना के बाद यात्री ट्रेनो का संचालन रद्द होने से खेद व्यक्त किया है।

पाकिस्तान जाने की बात को कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने स्वीकारा : मुख्यमंत्री

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि आखिरकार कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पाकिस्तान जाने की बात को स्वीकार कर लिया है कि वे पाकिस्तान गए थे, लेकिन यह केवल शुरुआत है, अंत नहीं। मुख्यमंत्री ने असम कैबिनेट की बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सिर्फ 10 फीसदी ही सच्चाई स्वीकार की है। गोगोई ने यह झूठ कहा कि उस समय उनकी पत्नी पाकिस्तान में थी इसलिए वह पाकिस्तान गए थे। आरोप लगाया कि गौरव गोगोई के पुत्र का जन्म भारत में हुआ था, लेकिन बाद में उसे इंग्लैंड का नागरिक बना दिया गया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के पुत्र के रूप में उनके घर में रहते हुए गौरव गोगोई का

पाकिस्तान जाना अत्यंत खतरनाक था। संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने गौरव गोगोई पर और भी कई संगीन आरोप लगाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगे जो सामने आएगा, वह कहीं अधिक गंभीर है। विश्वसनीय सूचनाओं और दस्तावेजों के आधार पर यह स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि गौरव गोगोई ने पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ निकटता बनाए रखी। असम सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों पर कायम है और 10 सितंबर को एसआईटी (विशेष जांच दल) की विस्तृत जांच पूरी होने के बाद सारी जानकारी सार्वजनिक कर दी जाएगी। उन्होंने कहा, असम की जनता और पूरे देश को सच जानने का अधिकार है - और उन्हें पूरा सच मिलेगा। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जनता यह भी नहीं भूलेगी और न ही माफ करेगी कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी ने एक खतरनाक समझौता कर चुके व्यक्ति को देश के सार्वजनिक जीवन में बढ़ावा देने का जानबूझकर प्रयास किया। गौरव गोगोई जैसे व्यक्ति को संसद में पार्टी का उपनेता बनाया गया और असम प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया।

मुंबई एयरपोर्ट पर बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार, 33 साल से रह रही थी भारत में

एजेंसी

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट पर आव्रजन अधिकारियों ने जाली दस्तावेज का उपयोग करके भारत में 33 साल तक अवैध रूप से रहने वाली बांग्लादेशी नागरिक मारिया खातून मोहम्मद मंसूर अली को पकड़कर सहार पुलिस स्टेशन को सौंप दिया है।

सहार पुलिस स्टेशन की टीम ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की छानबीन कर रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मारिया भारत के अवैध पासपोर्ट के मार्फत कुवैत में काम कर रही थी। इसकी गोपनीय जानकारी मुंबई एयरपोर्ट के आव्रजन अधिकारियों को थी। इसी वजह आज जब मारिया कुवैत से भारत लौटी तो एयरपोर्ट पर तैनात आव्रजन अधिकारियों ने उसे हिरासत में ले लिया। नियमित जांच से पता चला कि उसने धोखाधड़ी से भारतीय पासपोर्ट हासिल करके उसका उपयोग उसने अंतरराष्ट्रीय यात्रा और विदेश में रोजगार के लिए किया था।

हिरासत में लिए जाने के बाद मारिया को सहार पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज करके औपचारिक रूप से उसे गिरफ्तार कर लिया। जांचकर्ता अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि वह तीन दशकों से अधिक समय तक कैसे पकड़ से बचती रही।

छत्तीसगढ़ का बस्तर जिला हुआ नक्सलमुक्त, केंद्र सरकार ने एलडब्ल्यूई सूची से हटाया

एजेंसी

जगदलपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बस्तर जिले को नक्सल प्रभावित लेफ्ट विंग एक्स्ट्रिमिज्म (एलडब्ल्यूई) जिलों की सूची से बाहर कर दिया है। अप्रैल से शुरू हुए नए वित्त वर्ष से एलडब्ल्यूई के तहत बस्तर जिले को मिलने वाली केंद्रीय मदद को बंद कर दिया गया है। बस्तर के कलेक्टर हरीश एस. ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बस्तर जिले को एलडब्ल्यूई जिलों की सूची से बाहर कर दिया है और अप्रैल 2025 से एलडब्ल्यूई के तहत मिलने वाली केंद्रिय सहायता भी बंद कर दी गई है। ऐसे में अब बस्तर जिला नक्सल प्रभावित-एलडब्ल्यूई से निकलकर एक सामान्य जिला के रूप में स्थापित हो चुका है। बस्तर संभाग में सात जिले हैं, जिनमें बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, कोंडागांव व कांकेर शामिल हैं। बस्तर जिले के कोलेंग, तुलसीडोंगरी, जगदलपुर से लगे माचकोट, तिरिया, लोहंडीगुड़ा इलाके के मारडूम, ककनार, बारसूर सीमा के इलाके नक्सलवाद से प्रभावित थे। दरभा की झीरम घाटी में दो कैंपों सहित कोलेंग, तुलसीडोंगरी में कैंप खोलने के बाद यहां से नक्सली पलायन कर गये हैं। मारडूम में कैंप व थाना खोला गया, इसी प्रकार ककनार व चित्रकोट में चौकी और कैंप खोले गए हैं, लोहंडीगुड़ा में सीआरपीएफ कैंप खोला गया। इसके अलावा इन इलाकों तक पक्की सड़कों का जाल बिछाने के साथ ही पूरे जिले को सुरक्षा की दृष्टिकोंण से पूरी तरह से घेराबंदी किया गया है। बस्तर जिले की सीमा से अबूझमाड़ और ओडिशा की एक बड़ी लंबी सीमा लगती थी। यहां से दरभा कोलेंग, तुलसीडोगरी, चांदामेटा की पहाड़ियों पर 2 वर्ष पहले तक सुरक्षाबलों तक का पहुंचना मुश्किल माना जाता था। इसी इलाकों में नक्सली गांजे की खेती करते थे। इसी दरभा के झीरम घाटी में नक्सलियों ने बड़ा हमला कर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व सहित 30 लोगों की हत्या कर दी, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार के दृढ़ संकल्प से बस्तर जिले के नक्सल प्रभावित सभी इलाकों में विकास कर ग्रामीणों को समाज से जोड़ा जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप बस्तर जिला पूरी तरह नक्सलमुक्त हो चुका है। कलेक्टर हरीश एस. के मुताबिक नक्सल प्रभावित एलडब्ल्यूई के तहत केंद्र सरकार से बस्तर जिले में विकास कार्यों व नक्सल उन्मूलन के लिए करोड़ों रूपये का सहायता मिलती थी।

मार्च 2025 तक बस्तर जिले को यह राशि जारी की गई, लेकिन अप्रैल 2025 से केंद्र सरकार ने एलडब्ल्यूई फंड पर रोक लगा दी है। इससे बस्तर में नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण और सुरक्षा स्थिति में सुधार के संकेत मिलने लगे हैं।

जानवरों की दुनिया में भी होते हैं आलसी

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढ़ने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

आर्माडीलो

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्माडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

स्लोथ

दक्षिण और मध्य अमेरिका में पाए जाने वाले स्लोथ बहुत धीमी गति से अपने काम करते हैं। जमीन पर चलते और पेड़ पर चढ़ते वक्त ये एक मिनट में सिर्फ 15-20 सेमी ही आगे बढ़ पाते हैं। ये इतने आलसी होते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। स्लोथ दिन में अपने हाथों से पेड़ों की शाखाओं को घेरकर उलटे लटके रहते हैं। ऐसे ही ये लटके हुए 20 घंटे तक सोते रहते हैं।

ब्राउन बैट

ये उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं। उलटे लटकने वाले ब्राउन बैट दिन में 20 घंटे सोते रहते है और रात को एक्टिव होते हैं।

गिलहरी

गिलहरी कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा से भरपूर खाना खाती है, जिससे इसे नींद ज्यादा आती है। ये टहनियों, पत्तों, फर और पंखों जैसी नरम चीजों से बनाए घोंसले में रहती है और दिन में करीब 14 घंटे सोती है।

आउल मंकी

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

दरियाई घोड़े

अफ्रीका में पाए जाने वाले हिप्पो ऊंघने में मास्टर होते हैं। समूह में रहने वाले हिप्पो दिन के समय गर्मी से बचने के लिए पानी के नीचे या जमीन पर, जहां भी मौका मिलता है, झपकी ले लेते हैं। अपने समूह के साथ हिप्पो बेखौफ होकर दिन में 18-20 घंटे सोते हैं।

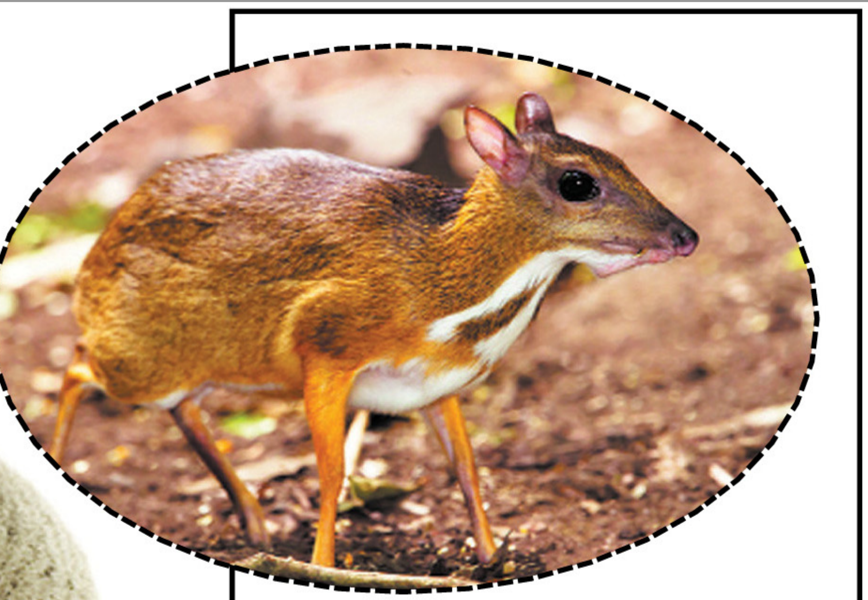

प्यारा और अनूठा माउस डियर

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है।

शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए रवाना हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम बुधवार सुबह बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से एम्सटर्डम (नीदरलैंड) के लिए रवाना हुई। टीम 8 जून तक नीदरलैंड के एम्सटर्डम में प्रशिक्षण लेगी। उसके बाद लंदन (यूके) जाएगी, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना के खिलाफ अपने मैच खेलने हैं। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय महिला टीम 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम से भिड़ेगी। उसके बाद 17 और 18 जून को अर्जेंटीना की महिला टीम से मैच खेलेगी। इसके बाद टीम 19 जून को एंटवर्प (बेल्जियम) जाएगी, जहां उसे बेल्जियम की राष्ट्रीय टीम के खिलाफ अगले दो मैच खेलने हैं। ये मैच 21 और 22 जून को खेले जाएंगे। यूरोपीय चरण का समापन 28 और 29 जून को जर्मनी के बर्लिन में चीन के खिलाफ दो मैचों के साथ करेंगे। रवाना होने से पहले भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि यह हमारे लिए एफआईएच प्रो लीग का एक बहुत ही महत्वपूर्ण चरण है, क्योंकि हम चार बहुत मजबूत टीमों का सामना करेंगे। हम इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेल चुके हैं और उनके और अन्य के खिलाफ अपने मैचों से पहले हम एम्स्टर्डम में अपनी रणनीति को और बेहतर बनाएंगे।

सिंगापुर ओपन 2025 : सत्विक-चिराग की जोड़ी अंतिम 16 में, लक्ष्य सेन चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली। सिंगापुर ओपन 2025, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में भारत के सत्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पुरुष डबल्स के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के मुहम्मद हाइकाल और चूंग हॉन जियान को 21-16, 21-13 से सिर्फ 37 मिनट में मात दी। मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और रुत्विका गड्डे ने अमेरिका की चेन झी यी और फ्रांसेस्का कॉर्बेट को 21-16, 21-19 से 35 मिनट के राउंड ऑफ 32 मैच में हराया। इससे पहले लक्ष्य सेन को अपने राउंड ऑफ 32 मुकाबले के दौरान चोट लगने के कारण मैच छोड़ना पड़ा। उनका मुकाबला ताइवान के लिन चुन-यी से था। मुकाबले में निर्णायक गेम के दौरान स्कोर 21-15, 17-21, 5-13 था जब लक्ष्य मैच से हटे। महिला डबल्स में अमृता प्रमुथेश और सोनाली सिंह को जापान की दूसरी सीडेड जोड़ी, नामी मात्सुयामा और चिहारू शीदा से वॉकओवर मिला।आकार्शी कश्यप और उन्नति हूडा दोनों ने शुरूआती गेम तो जीता, लेकिन बाद में चीन की उच्च रैंकिंग वाली विपक्षी खिलाड़ियों के सामने हार गईं। आकार्शी 21-17, 13-21, 7-21 से तीसरी सीड हान यू के हाथों हार गईं, जबकि उन्नति 21-13, 9-21, 15-21 से दूसरी सीड वांग झी यी से पराजित हुईं।अनुपमा उपाध्याय को ताइवान की सुंग शुओ युन ने 12-21, 16-21 से हराया।

फोर नेशंस टूर्नामेंट:भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को शूटआउट में 2-0 से हराया

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चल रहे फोर नेशंस टूर्नामेंट में मेज़बान अर्जेंटीना को शूटआउट में 2-0 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। भारत की ओर से कनिका ने 44वें मिनट में गोल दागा, जबकि शूटआउट में लालरिनपुई और लालथनतलुआंगी ने गोल कर टीम को जीत दिलाई। मेज़बान अर्जेंटीना ने मुकाबले की आक्रामक शुरुआत की और 10वें मिनट में मिलाग्रोस डेल वैले ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, भारतीय टीम ने धैर्य नहीं खोया और तीसरे क्वार्टर में वापसी करते हुए कनिका ने 44वें मिनट में शानदार गोल दाग कर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबरी पर रहने के बाद मुकाबला शूटआउट में गया। यहां भारत की कप्तान और गोलकीपर निधि ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना के चारों प्रयासों को रोक दिया। वहीं, भारत की ओर से लालरिनपुई और लालथनतलुआंगी ने अपने मौके भुनाते हुए शूटआउट में गोल दागे और भारत को जीत दिला दी।

नॉर्वे शतरंज 2025: राउंड 2 के बाद नाकामुरा और अर्जुन एरिगैसी संयुक्त रूप से शीर्ष पर

स्टावेंगर। नॉर्वे शतरंज 2025 के दूसरे राउंड में रोमांच अपने चरम पर रहा, जहां अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और भारत के अर्जुन एरिगैसी ने शानदार जीत के दम पर संयुक्त रूप से टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और नंबर 2 हिकारू नाकामुरा के बीच बहुप्रतीक्षित भिड़ंत एक शांत क्लासिकल ड्रॉ के साथ समाप्त हुई। दोनों खिलाड़ियों की सटीक चालों ने गेम को संतुलन में रखा। लेकिन असली रोमांच अर्मागेडन में देखने को मिला। शुरुआती बढ़त कार्लसन के पास थी और वे जीत की ओर अग्रसर दिखे। मगर एंडगेम में एक चूक ने बाजी पलट दी और नाकामुरा ने एक चमत्कारी चाल के साथ मुकाबला जीतकर महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक हासिल किए।

एशियाई ऑल-स्टार्स ने प्रदर्शनी मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड को कुआलालंपुर स्थित बुकित जलिल मैदान में खेले गए एक प्रदर्शनी फुटबॉल मुकाबले में दक्षिण-पूर्व एशिया के चुनिंदा खिलाड़ियों की टीम एशियन ऑल-स्टार्स से 0-1 की हार झेलनी पड़ी। म्यांमार की पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कप्तान मौंग मौंग ल्विन ने 71वें मिनट में एकमात्र गोल कर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

दर्शकों की हूटिंग का सामना, कोच अमोरीम ने मानी टीम की कमजोरी

कोच रुबेन अमोरीम की टीम को मुकाबले की अंतिम सीटी बजने के बाद दर्शकों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। कुछ समर्थक तो मुकाबला समाप्त होने से पहले ही मैदान छोड़कर चले गए। मैच के बाद अमोरीम ने कहा, हम धीमी गति से खेले और हमारे अंदर अभी यह भावना नहीं है कि हम हर अभ्यास

सत्र या हर खेल में जीत दर्ज करें। दर्शकों की नाराजगी जरूरी है, ताकि हमें अपनी कमियाँ समझ में आएं। 32 डिग्री सेल्सियस (90 फ़ारेनहाइट) की गर्मी में शुरू हुए इस मुकाबले के पहले भाग में दक्षिण-पूर्व एशियाई खिलाड़ियों की टीम अधिक आक्रामक नजर आई। 16वें मिनट में उनका एक प्रयास गोल के पास से निकल गया, जबकि यूनाइटेड के रक्षक गोलपाल (गोलकीपर) आंद्रे ओनाना ने एक शानदार नीचे जाती हुई गेंद को रोककर दर्शकों का दिल जीत लिया।किशोर मिडफील्ड खिलाड़ी कोबी मैनू ने यूनाइटेड के लिए पहला वास्तविक अवसर 25 गज से मारा, जिसे प्रतिद्वंद्वी गोलपाल ने बाहर भेज दिया। 38वें मिनट में उनका एक और प्रयास रेखा से पहले ही रोक लिया गया।

दूसरे भाग में ब्रूनो और गारनाचो की कोशिशें बेअसर

दूसरे भाग की शुरुआत में कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस का मैदान में उतारा गया, जिनकी एक हाफ-वॉली ने थोड़ी ऊर्जा दिखाई, लेकिन परिणाम नहीं बदल सका। अर्जेंटीना के युवा विंगर एलेजांद्रो गारनाचो, जो संभवतः क्लब छोड़ सकते हैं, ने बेंच से उतरने के बाद कुछ तीव्रता जरूर लाई, लेकिन वह भी व्यर्थ रही। 71वें मिनट में मौंग मौंग ल्विन ने शानदार ढंग से यूनाइटेड की रक्षापंक्ति को छकाते हुए गोलपाल टॉम हीटन को पछाड़कर गेंद को जाल के ऊपरी कोने में पहुंचा दिया। जल्द ही हीटन ने एक और अवसर पर बचाव कर यूनाइटेड को और अधिक शर्मिंदगी से बचाया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड अब 30 मई को एक और मिश्रित प्रदर्शनी मुकाबले में हांगकांग की राष्ट्रीय टीम से भिड़ेगा। यह सत्र यूनाइटेड के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जिसमें उसे देश की प्रमुख फुटबॉल लीग में 38 मुकाबलों में केवल 42 अंक मिले और वह 15वें स्थान पर रही। हालांकि, सत्र के अंतिम मुकाबले में यूनाइटेड ने एस्टन विला को 2-0 से हराकर थोड़ी राहत पाई।

कायस्थ पाठशाला क्लब अंडर 16 लीग में बनी चैम्पियन

एजेंसी

प्रयागराज। कायस्थ पाठशाला क्लब ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्लब ए को 15 रन से हराकर मनीष देब-स्कंद गुप्त अंडर-16 क्रिकेट लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। केपी कॉलेज मैदान पर खेले गए मैच में केस पाठशाला क्लब ने 40 ओवर में सात विकेट पर 248 रन (अतुल यादव 81, अनमोल यादव 75, आर्यन पांडेय 27, विराट सिंह 25, मोहम्मद अली जफर खान 3-44, सागर यादव 3-54) बनाए। जवाब में नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्लब ए की टीम 39.5 ओवर में 233 रन (सुहैब खान 102, वीर प्रताप 45, सागर यादव 23, आदित्य पाठक 3-45, सचिन मिश्रा 2-26, मोहम्मद अली 2-52) पर सिमट गई। मैच में शिशिर मेहरोत्रा व राहुल सिंह अंपायर एवं मोहम्मद सैफ स्कोरर रहे।

मैच से पहले कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट के महासचिव एवं इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक एसडी कौटिल्य ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक आरपी भटनागर, एसीए के संयुक्त

संयोजक (लीग एवं मंडल) एलबी काला और चौधरी नौनिहाल क्लब के सह सचिव सत्यव्रत सहाय ने उनका स्वागत और एसीए के संयुक्त संयोजक (प्रशासन) सोमेश्वर पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर अनुराग श्रीवास्तव, मोहम्मद आसिफ, उदय प्रताप सिंह, प्रीतेश सोनकर, अंकित पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

फ्रेंच ओपन 2025 : कार्लोस अल्कराज तीसरे राउंड में पहुंचे, कैस्पर रूड बाहर

एजेंसी

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2025 में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने खतरनाक चुनौती पेश करने वाले हंगरी के अनसीडेड खिलाड़ी फैबियन मरोस्ज़न को 6-1, 4-6, 6-1, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं दो बार के फाइनलिस्ट कैस्पर रूड को करारी हार का सामना करना पड़ा, जबकि इटली के लोरेन्जो मुसेट्टी ने शानदार जीत दर्ज की।

अल्कराज ने मरोस्ज़न से पिछली हार का लिया बदला

स्पेनिश स्टार अल्कराज को दो साल पहले रोम में मरोस्ज़न ने चौंकाया था, लेकिन इस बार कोर्ट फिलिप शात्रिए पर हुए मुकाबले में 22 वर्षीय टॉप सीड ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले सेट में उन्होंने 4-0 की बढ़त ली और 6-1 से सेट अपने नाम किया। हालांकि दूसरे सेट में मरोस्ज़न ने बेहतरीन ड्रॉप शॉट्स के दम पर वापसी की और 6-4 से सेट जीत लिया। तीसरे सेट में अल्कराज ने फिर से अपना रंग जमाया और 6-1 से बढ़त बना ली। चौथे सेट में भले ही कुछ समय के लिए उनका खेल अस्थिर हुआ, लेकिन उन्होंने शानदार

नेट वॉली के साथ 5-2 की बढ़त बनाई और अंततः मुकाबला अपने नाम किया।

अब तीसरे दौर में अल्कराज का सामना जियोवानी मपेट्शी पेरीकार्ड या दामिर जुम्हर से होगा। इटली के आठवीं सीड लोरेन्जो मुसेट्टी ने कोलंबिया के लकी लूजर डेनियल गालन को 6-4, 6-0, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। कोर्ट सिमोने मथ्यू पर हो रही रुक-रुक कर बारिश ही उनके लिए एकमात्र चुनौती रही। अब मुसेट्टी का सामना अर्जेंटीना के मारियानो नावोने या अमेरिका के राइली ओपेल्का से होगा।नॉर्वे के कैस्पर रूड, जो 2022 और 2023 में फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, इस बार दूसरे दौर में ही बाहर हो गए। उन्हें पुर्तगाल के अनसीडेड खिलाड़ी नूनो बोरजेस ने 2-6, 6-4, 6-1, 6-0 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। यह रूड के लिए बेहद निराशाजनक हार रही।

थाईलैंड मैत्री मैच के लिए सुहैल भट, निखिल भारतीय फुटबॉल टीम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने थाईलैंड के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच के लिए भारतीय टीम का चयन किया।

कोलकाता में 19 मई से चल रहे प्रशिक्षण कैंप में शामिल सभी 28 खिलाड़ी थाईलैंड के लिए यात्रा करेंगे। इसमें बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ी निखिल प्रभु, ऋतिक तिवारी, गुरमीत सिंह और सुहैल अहमद भट भी शामिल हैं। भारतीय टीम बुधवार शाम थाईलैंड के लिए रवाना होगी, जबकि यह फ्रेंडली मैच 4 जून को खेला जाएगा। थाईलैंड दौरे के बाद भारत टीम एशियाई कप 2027 के क्वालीफायर के तीसरे राउंड के मैच के लिए हांगकांग जाएगी, जो 10 जून को होगा।

थाईलैंड फ्रेंडली के लिए भारत टीमः

गोलकीपरः ऋतिक तिवारी, विशाल कैथ, गुरमीत सिंह, अमरिंदर सिंह।

डिफेंडरः नाओरेम रोशन सिंह, राहुल भेके, चिंगलेंसाना सिंह कोंशाम, अनवर अली, बॉरिस सिंह थांगजाम, संदेष झींगन, आशिष राय, सुभाषिश बोस, मेहताब सिंह, अभिषेक सिंह टेकचाम।

मिडफील्डरः सुरेश सिंह वांगजाम, महेश सिंह नाओरेम, आयुष देव छेत्री, उदांता सिंह कुमाम, ललेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलाको, आशिक कुरुनियान, ब्रैंडन फर्नांडिस, निखिल प्रभु।

फॉरवर्डः सुनील छेत्री, एडमंड लालरिंदिका, मनवीर सिंह, सुहैल अहमद भट, लल्लियांजुला छांगटे।

मनिका बत्रा चोट के चलते यूटीटी 2025 से बाहर, अयहिका मुखर्जी को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनीका बत्रा छठे संस्करण के अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) से बाहर हो गई हैं। वह चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी। उनकी जगह अब अयहिका मुखर्जी अहमदाबाद एसजी पाइपर्स की टीम में शामिल होंगी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में लगी चोट, रिहैब में हैं मनिका

मनिका बत्रा को हाल ही में संपन्न हुई टेबल टेनिस वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के दौरान चोट लगी थी। फिलहाल वह रिहैब से गुजर रही हैं। टूर्नामेंट में मनिका को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा था, जहां वह रैंकिंग में नीचे चल रही कोरियाई खिलाड़ी पार्क गाह्योन (रैंक 64) से राउंड ऑफ

64 में हार गई थीं। उस समय मनिका की विश्व रैंकिंग 46 थी, जो अब गिरकर 47 हो गई है। यूटीटी के पहले-एवर ऑक्शन में मनीका बत्रा को अहमदाबाद एसजी पाइपर्स ने टीम में शामिल किया था। इससे पहले वह पीबीजी पुणे जैगुआर्स की ओर से खेलती थीं, जिन्होंने उन्हें रिलीज कर दिया था।

टीम में अन्य प्रमुख खिलाड़ी

मनिका की गैरमौजूदगी में टीम पर असर पड़ सकता है। हालांकि, टीम में अन्य अहम खिलाड़ी भी हैं, जिनमें रिकार्डो वाल्थर, एसएफआर स्नेहित, जॉर्जिया पिकोलिन, दिव्यांश श्रीवास्तव और याशिनी शिवशंकर शामिल हैं।

अयहिका को मिलेगा खुद को साबित करने का मौका

अयहिका मुखर्जी, जो यूटीटी नीलामी में अनसोल्ड रहीं थीं, अब मनिका की जगह लेने जा रही हैं। उनके लिए यह एक बड़ा मौका होगा, लेकिन साथ ही मनिका जैसी स्टार खिलाड़ी की भरपाई करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती भी होगी।

अंडर-15 वर्ग फुटबाल प्रतियोगिता में गर्ल्स स्कूल घरोह तथा ब्वायज में रोज पब्लिक स्कूल बने विजेता

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय अंडर-15 फुटबाल टूर्नामेंट के ब्वायज वर्ग में रोज पब्लिक स्कूल ने नूरपुर एमटीपी स्कूल को हराकर अपना दबदबा कायम किया। इसी तरह से गर्ल्स वर्ग में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल घरोह ने स्टैनफोर्ड वर्ल्ड स्कूल को हराकर खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में पुलिस महानिरीक्षक, नॉर्दर्न रेंज अभिषेक दुल्लर ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एडीएम शिल्पी बेक्टा तथा एसीटूडीसी सुभाष गौतम बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। पुलिस महानिरीक्षक नॉर्दर्न रेंज अभिषेक दुल्लर ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास में खेलों की अहम भूमिका है। खेलों के माध्यम से ही युवाओं को नशे से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी युवाओं को खेलों से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा देश की ताकत हैं। स्वस्थ युवा ही समाज निर्माण में बेहतर भूमिका का निर्वहन सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने फुटबाल एसोसिएशन के पदाधिकारियों को सफल खेल आयोजन के लिए बधाई भी दी। इससे पहले फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष वरूण गुप्ता ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कहा कि तीन दिवसीय टूर्नामेंट में 16 स्कूलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें 16 ब्वायज वर्ग में तथा आठ गर्ल्स वर्ग में टीमों ने अपना प्रदर्शन किया।

बीबीएल: जैमी ओवर्टन की एडिलेड स्ट्राइकर्स में वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैमी ओवर्टन बिग बैश लीग (बीबीएल) के अगले सीज़न में एक बार फिर एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलते नज़र आएंगे। फ्रेंचाइज़ी ने उन्हें आगामी ओवरसीज़ ड्राफ्ट से पहले इंटरनेशनल प्री-साइनिंग के तहत टीम में शामिल कर लिया है। ओवर्टन पिछले दो सीज़न में स्ट्राइकर्स के लिए 18 मुकाबले खेल चुके हैं और उन्हें पिछले सीज़न का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' (एमवीपी) भी चुना गया था। उन्होंने अब तक 27 विकेट चटकाए हैं और 8.81 की इकॉनमी से गेंदबाज़ी की है। वहीं बल्लेबाज़ी में भी उन्होंने शानदार फिनिशर की भूमिका निभाई, 276 रन बनाए जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 150.81 रहा। सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ पिछले सीज़न के मुकाबले में उन्होंने सिर्फ 14 गेंदों में नाबाद 32 रन ठोके थे। बीबीएल में पिछले साल से एक नया नियम लागू हुआ है, जिसके तहत टीमें एक विदेशी खिलाड़ी को ड्राफ्ट से पहले

साइन कर सकती हैं, बशर्ते वह पूरा सीज़न और फाइनल मुकाबले खेलने के लिए उपलब्ध हो। इससे सीज़न के आखिरी चरण में खिलाड़ियों के बाहर जाने की समस्या को दूर करने की कोशिश की गई है। स्ट्राइकर्स के कोच टिम पेन ने ओवर्टन को फिर से साइन किए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा,जैमी को ड्राफ्ट से पहले साइन करना हमारी प्राथमिकता थी। पिछले दो सीज़न में उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से जबरदस्त प्रदर्शन किया है और उनकी एनर्जी पूरी टीम में जोश भर देती है। वह कुछ ही ओवर में मैच का रुख बदल सकते हैं। वहीं ओवर्टन ने भी वापसी को लेकर उत्साह जताते हुए कहा,मैं एडिलेड लौटकर बेहद खुश हूं। स्ट्राइकर्स के साथ मेरा अनुभव शानदार रहा है और एडिलेड ओवल में हमें जो सपोर्ट मिलता है, वो कमाल का होता है। इस बार हमारी नजरें बीबीएल खिताब पर होंगी।

ओवर्टन की साइनिंग के साथ अब सिडनी सिक्सर्स इकलौती टीम बची है जिसने अभी तक कोई विदेशी खिलाड़ी प्री-साइन नहीं किया है। दूसरी ओर कॉलिन मुनरो (ब्रिसबेन हीट), क्रिस जॉर्डन (होबार्ट हरिकेन्स), टिम सिफर्ट (मेलबर्न रेनेगेड्स), टॉम करन (मेलबर्न स्टार्स), फिन एलेन (पर्थ स्कॉर्चर्स) और सैम बिलिंग्स (सिडनी थंडर) पहले से ही दो साल के करार पर हैं।

स्ट्राइकर्स की टीम में अगले सीज़न कुछ बदलाव भी होंगे। ब्रेंडन डॉगेट और जेक वेदराल्ड फ्री एजेंट के तौर पर क्रमशः रेनेगेड्स और हरिकेन्स से जुड़ गए हैं। वहीं साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले जेसन सांघा अब थंडर से स्ट्राइकर्स में शामिल हो गए हैं।

लिवरपूल परेड हमला अपडेटः हत्या के प्रयास के संदेह में ड्राइवर गिरफ्तार

लिवरपूल। लिवरपुल में हुए हादसे के बाद पुलिस ने 53 वर्षीय ब्रिटिश व्यक्ति, जिसने अपनी गाड़ी से प्रीमियर लीग चैंपियनशिप का जश्न मना रहे लिवरपूल के प्रशंसकों की भीड़ को टक्कर मार दी थी, जिसमें 65 लोग घायल हो गए थे, को हत्या के प्रयास के संदेह में गिरफ्तार किया है। बता दें कि इंग्लैंड के लिवरपूल शहर में फुटबॉल क्लब की प्रीमियर लीग जीत की खुशी में निकाली गई परेड के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया था। भीड़ में तेज़ रफ्तार वैन घुस जाने से 65 लोग घायल हो गए, जिनमें से 50 को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। 11 लोगों की हालत अभी भी स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि 53 वर्षीय ब्रिटिश ड्राइवर को हत्या के प्रयास, खतरनाक ड्राइविंग और नशे में वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिपः मनप्रीत गोनी के आलराउंड प्रदर्शन से अमेरिकन स्ट्राइकर्स की जीत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में दूसरे दिन का पहला मुकाबला अमेरिकन स्ट्राइकर्स के नाम रहा। उन्होंने 35 रन से इस मुकाबले को जीतकर लीग में धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराई। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरे अमेरिकन स्ट्राइकर्स के सलामी बल्लेबाज गौरव तोमर ने 28 गेंद में 65 रन बनाकर टीम को ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई, जिसके बाद अयान खान (24), मनप्रीत गोनी (39) और पी मेहरा (35) ने पारी को आगे बढ़ाते हुए टीम को 7 विकेट के नुकसान पर 214 रनों के विशालकाय स्कोर तक पहुंचा दिया। बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन के साथ मनप्रीत गोनी ने गेंदबाजी में भी एक विकेट झटका, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार ने नवाजा गया। लक्ष्य का पीछा करने

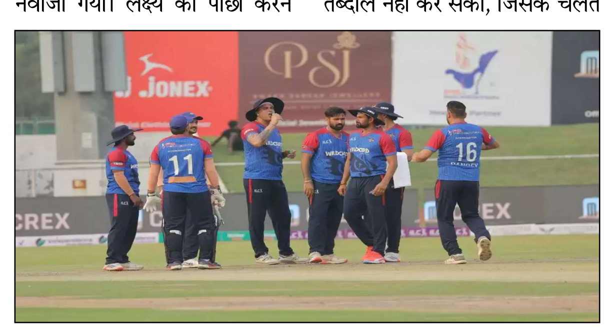

उतरी ट्रांस टाइटंस की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और उसने शुरुआती ओवरों में ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऋषि धवन (1) और अठावले (5) के विकेट को गंवा दिया। हालांकि उसके बाद वी सूद (21), पी शाह (33), हिमांग (31) और अवाना (36) ने टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन कोई भी अपने रनों को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सका, जिसके चलते पूरी टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 179 रन ही बना पाई और 35 रनों से इस मुकाबले को हार गई। अब अमेरिकन स्ट्राइकर्स अपना अगला मुकाबला 29 मई को उद्घाटन मुकाबले की विजेता इंडियन वॉरियर्स के साथ खेलेगी।

28वीं अंतर्वाहिनी पीएसी पश्चिम जोन हॉकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ

मुरादाबाद। 24 वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद में 28वीं पीएसी पश्चिम जोन हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारम्भ वाहिनी हॉकी ग्राउंड पर हुआ। तीन दिनों तक चलने वाली इस हॉकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी बरेली अनुभाग शालिनी ने फीता काटकर व गुब्बारे उड़ाकर किया। सर्वप्रथम आयोजन सचिव सेनानायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। डीआईजी शालिनी ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहे पश्चिम जोन की कुल 14 टीम के मैनेजरों से परिचय प्राप्त किया। हॉकी प्रतियोगिता के प्रारम्भ होने से पूर्व मेजबान टीम के कप्तान द्वारा उक्त प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाले जोन के समस्त टीमों के खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में सच्ची खेल भावना से खेलने एवं खेल के नियम व मर्यादाओं का पालन करने की शपथ दिलायी गयी। मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक ने प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाली सभी टीमों के मैंनेजरों व खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन व खेल भावना का पालन करने हेतु निर्देशित कर

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद उन्होंने हॉकी स्टिक से बाल को मारकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। आयोजन सचिव सेनानायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन कुल 6 मुकाबले खेले गये। पहला मैच 08वीं वाहिनी पीएसी बरेली तथा 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद के मध्य खेला गया जिसमें 08 वीं वाहिनी पीएसी बरेली 3-0 से विजेता रही। दूसरा मैच 28 वीं वाहिनी पीएसी इटावा तथा 06 वीं वाहिनी मेरठ के मध्य खेला गया जिसमे 28 वीं वाहिनी इटावा 4-0 से विजेता रही। तीसरा मैच 38 वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ तथा 45 वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ के मध्य खेला गया। जिसमे 38 वीं वाहिनी पीएसी 6-0 से विजेता रही। शेष मैच अपराह्न में 3 बजे से खेले जाने हैं। इस अवसर पर उप सेनानायक 09 वीं वाहिनी वंशराज यादव, सहायक सेनानायक 24 वीं वाहिनी विक्रांत द्विवेदी, शिविरपाल मोहम्मद हकीमुद्दीन, सुबेदार मेजर राहुल शर्मा, सहायक शिविरपाल विनीत कुमार एवं वाहिनी तथा जोन के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुछ नहीं होगा तुम्हें...दीपिका कक्कड़ को कैंसर, गौरव खन्ना

गौहर खान

समेत सेलेब्स ने भेजी दुआएं

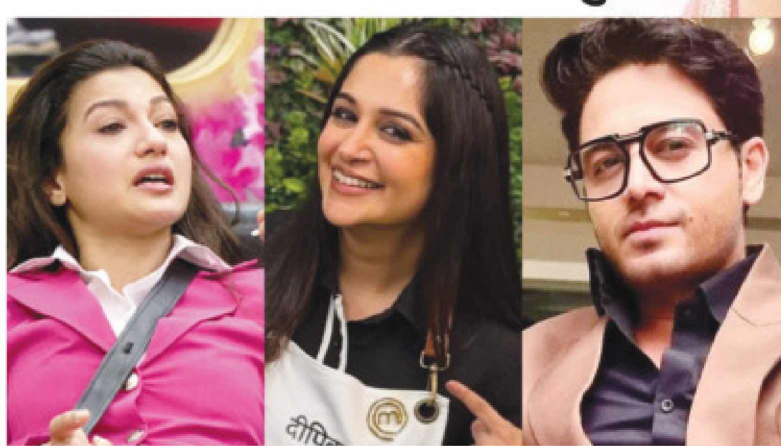

टेलीविजन की मशहूर एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक बेहद दुखद खबर साझा की है. उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्हें स्टेज 2 लिवर कैंसर है. इस खबर ने न केवल उनके लाखों फैंस को बल्कि पूरी इंडस्ट्री को सदमे में डाल दिया है. दीपिका के इस खुलासे के बाद, उनके पुराने सह-कलाकारों से लेकर इंडस्ट्री के दोस्तों और करीबियों तक, हर कोई उनकी सोशल मीडिया पोस्ट पर कमेंट करते हुए उनके जल्द स्वस्थ होने और इस मुश्किल घड़ी से निकलने के लिए लगातार दुआएं और हिम्मत भेज रहा है.

दीपिका की पोस्ट पर कमेंट करते हुए उनके कई साथियों ने अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं. हाल ही में 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में उनके साथ काम कर चुके गौरव खन्ना यानी की 'अनुपमा' के अनुज ने दीपिका की सोशल मीडिया पोस्ट के नीचे लिखा कि स्टे स्ट्रॉन्ग, दीपिका. हम सभी मिलकर तुम्हारे लिए दुआ करेंगे. हमें यकीन है कि तुम इसे जरूर हराओगी. कभी उम्मीद मत हारना. तो इसी शो के एक और कंटेस्टेंट राजीव अदातिया ने कमेंट किया, हमेशा तुम्हारे साथ हूं दीपिका!!! तुम एक मजबूत लड़की और फाइटर हो! तुम ठीक हो जाओगी! तुम्हें ढेर सारा प्यार और बहुत सी ताकत भेज रहा हूं!

गौहर खान और मेघा धाडे ने भी भेजी दुआएं

दीपिका और शोएब के अच्छी दोस्त गौहर खान ने अपनी दुआएं भेजते हुए लिखा, मेरी सारी दुआएं दीपिका तुम्हारे साथ हैं. अल्लाह तुम्हें ठीक करे और तुम्हें एक अच्छी, लंबी जिंदगी दे. आमीन. 'बिग बॉस 12' में दीपिका के साथ रही मेघा धाडे ने भी दिल से कहा, दीपी कुछ नहीं होगा तुम्हेंࣿ मैं बस इतना जानती हूं कि तुम बहुत अच्छी इंसान हो और अच्छे लोगों की भगवान परीक्षा लेते हैं पर उनका कुछ बुरा नहीं हो सकता. हम सब तुम्हारे लिए प्रार्थना कर रहे हैं.. !!! बाप्पा तुम्हें आशीर्वाद दें. जल्दी से ठीक हो जाओगी तुम, घबराना नहीं बिल्कुल.. हम तुमसे प्यार करते हैं.

'ससुराल सिमर का' की टीम ने भी दिया साथ

दीपिका के पॉपुलर शो 'ससुराल सिमर का' के सह-कलाकार अविका गौर और जयंती भाटिया ने भी उन्हें प्यार और प्रार्थनाएं भेजीं. अविका ने लिखा कि मैं आपकी शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रही हूं, दी. वहीं जयंती भाटिया ने कहा-'तुम एक बहुत बहादुर लड़की होࣿ.अपनी ताकत बनाए रखो.' इन सितारों के अलावा, श्रद्धा आर्या, आकांक्षा रावत, आरती सिंह और डेलनाज़ ईरानी सहित कई अन्य सेलेब्रिटीज ने दीपिका के की हौसलाअफजाई की है.

'बिग बॉस 19' के साथ OTT के सीजन 4 की कमान भी संभालेंगे सलमान खान!

टेलीविजन के सबसे बड़े रियलिटी शो 'बिग बॉस' के फैंस के लिए इस बार डबल खुशखबरी है. जहां एक तरफ 'बिग बॉस सीजन 19' की तैयारियां जोरों पर हैं, वहीं अब ञ्छ्व9 हिंदी डिजिटल को 'बिग बॉस' से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि इसके ओटीटी वर्जन 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 4' की कमान भी 'भाईजान' सलमान खान ही संभालेंगे. अगर ये खबर सच साबित होती है, तो दर्शकों को लगातार सलमान खान का 'बिग बॉस' वाला अंदाज टीवी और ओटीटी, दोनों प्लेटफार्म पर देखने को मिलेगा.कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर 'बिग बॉस' के मेकर्स और कलर्स टीवी के बीच अनबन की खबरें वायरल हो रही थीं. इस दौरान ये भी कहा जा रहा था कि 'बिग बॉस' सोनी टीवी पर शिफ्ट हो सकता है. लेकिन ञ्छ्व9 हिंदी डिजिटल ने आपको सबसे पहले बताया था कि ये बात महज एक अफवाह है. अब सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 'बिग बॉस' के साथ-साथ 'बिग बॉस ओटीटी' भी अपनी वापसी के लिए तैयार है और इस बार सलमान खान ही इन दोनों शोज को होस्ट करेंगे.

अगस्त में आएगा 'बिग बॉस ओटीटी 4'

जानकारी के मुताबिक, अगस्त 2025 में 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 4' जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा. ये सीजन लगभग 6 से 8 हफ्ते चलेगा और इस सीजन के खत्म होने के डेढ़ महीने बाद, यानी अक्टूबर 2025 में कलर्स टीवी पर सलमान खान के 'बिग बॉस सीजन 19' की शुरुआत होगी. भले ही सलमान खान ने अब तक 'बिग बॉस ओटीटी 4' को होस्ट करने के लिए हामी नहीं भरी है, लेकिन मेकर्स को पूरा विश्वास है कि वे दबंग खान को ओटीटी का सीजन होस्ट करने के लिए भी मना लेंगे.

करण जौहर ने की थी शुरुआत

'बिग बॉस ओटीटी' के पहले सीजन को करण जौहर ने होस्ट किया था, जिसकी विनर दिव्या अग्रवाल थीं. लेकिन इस शो का दूसरा सीजन खुद सलमान खान ने ही संभाला था. सलमान खान द्वारा होस्ट किया गया ओटीटी का ये सीजन सबसे ज्यादा सफल रहा, जिसमें यूट्यूबर एल्विश यादव ने 'बिग बॉस' की ट्रॉफी अपने नाम की थी. दूसरे सीजन को मिली जबरदस्त सफलता के बावजूद सलमान ने 'बिग बॉस ओटीटी 3' को होस्ट करने का ऑफर रिजेक्ट कर दिया था. उस समय अनिल कपूर ने 'बिग बॉस ओटीटी 3' के होस्ट की कुर्सी संभाली थी, हालांकि वो सीजन कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाया था.

काला चश्मा, सफेद लहंगा...दोस्त की शादी में दिखा आलिया भट्ट का अनोखा अंदाज, 'बोले चूड़ियां' पर किया जमकर डांस

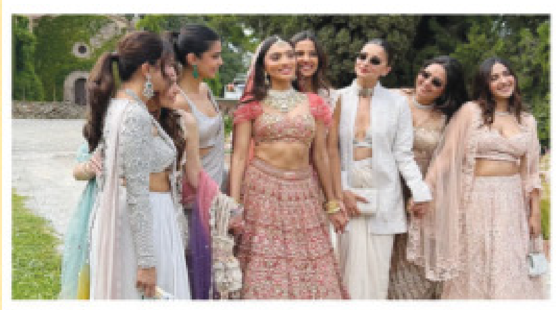

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने कान्स 2025 में डेब्यू किया है और पिछले दिनों उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल रहीं. लोगों ने आलिया का कान्स वाला लुक काफी पसंद किया था. अब आलिया की कुछ और तस्वीरें, वीडियो सामने आए हैं जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. आलिया इन दिनों स्पेन में हैं जहां वो अपनी खास दोस्त तान्या शाह गुप्ता की शादी अटेंड करने गई हैं.सामने आई आलिया भट्ट की तस्वीरों में उन्होंने सफेद रंग का बेहतरीन लहंगा और काला चश्मा पहना है. इसमें आलिया बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत नजर आ रही हैं. आलिया की इन तस्वीरों के साथ एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आलिया भट्ट अपनी गर्ल गैंग के साथ सुपरहिट गाना 'बोले चूड़ियां' पर डांस करती दिख रही हैं.

दोस्त की शादी में आलिया भट्ट का जलवा

आलिया भट्ट के फैन पेज के एक्स हैंडल पर एक तस्वीर शेयर की गई है, जिसमें आलिया भट्ट अपनी कई दोस्तों के साथ नजर आ रही हैं. इसमें दुल्हन तान्या शाह गुप्ता भी हैं और बाकी दोस्त भी लहंगा पहने हैं. लेकिन आलिया भट्ट सबसे अलग रही हैं, उन्होंने सफेद लहंगा और काला चश्मा पहना है जो उन्हें सबसे अलग बना रहा है.

'बोले चूड़ियां' गाने पर आलिया भट्ट ने किया डांस

इसी फैन पेज पर एक वीडियो भी शेयर किया जा गया है. इस वीडियो में कुछ लड़किया और एक लड़का है जो डांस करते दिख रहे हैं.

इस ग्रुप में आलिया भट्ट भी डांस कर रही हैं और बैकग्राउंड में 'बोले चूड़ियां' गाना बज रहा है जो 2001 में रिलीज हुई करण जौहर की ब्लॉकबस्टर फिल्म कभी खुशी कभी गम का है. इस शादी में आलिया भट्ट ने फ्यूजन लहंगा पहना है और उसपर उन्होंने ओवरकोट पहना है.

जो उनकी ड्रेस में चार-चांद लगाने का काम कर रहा है. लहंगे पर आलिया ने बोल्ड ब्लाउज पहना है और इस ड्रेस में आलिया भट्ट क्यूट दिख रही हैं.

आलिया वैसे भी हर ड्रेस में अच्छी दिखती हैं लेकिन जब वो ट्रेडिशन ड्रेस पहनती हैं तो और भी खूबसूरत दिखती हैं. इस बार तो आलिया ने ट्रेडिशन ड्रेस में वेस्टर्स का तड़का दिया जो उन्हें सबसे अलग बनाता है.

करीना कपूर के भाई से ब्रेकअप के बाद जिस लड़के से इश्क लड़ा रहीं

तारा सुतारिया

वो सारा अली खान को कर चुका है डेट!

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस तारा सुतारिया अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में बनी रहती हैं. बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस अब फिर से किसी के प्यार में है. रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि तारा सुतारिया को अब अक्षय कुमार के को-एक्टर वीर पहाड़िया से प्यार हो गया है. दोनों को लगातार साथ में देखा जा रहा है और अब सूत्र ने दोनों का रिश्ता कन्फर्म कर दिया है.

वीर पहाड़िया पर आया तारा का दिल

ई टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया है कि तारा और वीर पहाड़िया को एक दूसरे से प्यार हो गया है. सूत्र ने कहा, तारा सुतारिया, वीर पहाड़िया को डेट कर रही हैं. दोनों ने कुछ महीनों पहले ही एक दूसरे को डेट करना शुरू किया है. दोनों साथ में क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं और फिलहाल एक दूसरे को समझ रहे हैं.

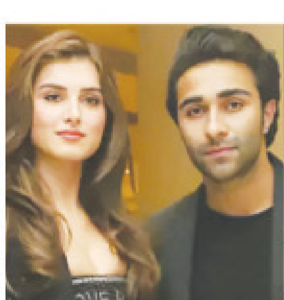

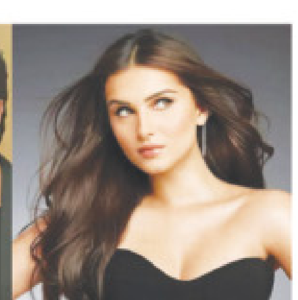

पहली बार कहां साथ दिखे थे वीर-तारा ?

वीर और तारा को पहली बार साथ में एक फैशन वीक के दौरान देखा गया था. जहां दोनों शो स्टॉपर थे. इसके बाद से तारा और वीर को कई बार साथ में डिनर डेट पर स्पॉट किया गया. हालांकि अभी तक दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर कुछ नहीं कहा है. दोनों ने ही इस मामले में फिलहाल चुप्पी साध रखी है.

सारा अली खान संग जुड़ चुका है वीर का नाम

तारा से पहले वीर का नाम जानी-मानी एक्ट्रेस सारा अली खान संग जुड़ चुका है. दोनों के अफेयर की काफी चर्चा हुई थी. हालांकि इस रिश्ते को कोई मंजिल नहीं मिल पाई और जल्द ही दोनों कलाकार अलग हो गए थे. वहीं तारा का नाम अरुणोदय सिंह और आदर जैन से जुड़ चुका है.

4 साल तक तारा ने आदर को किया था डेट

तारा सुतारिया, आदर जैन संग अपने रिश्ते को लेकर काफी सुर्खियों में रही हैं. आदर जैन, रणबीर कपूर और करीना कपूर खान की बुआ रीमा जैन के बेटे हैं. आदर ने तारा को साल 2019 से डेट करना शुरू किया था और साल 2023 तक दोनों साथ रहे. हालांकि फिर दोनों का ब्रेअकप हो गया था. ब्रेअकप के बाद आदर ने अलेखा आडवाणी से शादी करके घर बसा लिया. जबकि तारा का नाम अब वीर पहाड़िया संग जुड़ रहा है.